www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, मंगलवार, 9 अप्रैल, 2024 | वर्ष-17 | अंक -3 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

मुझे संसद में नहीं देखना चाहती केंद्र सरकार : महबूबा मुफ्ती

02 ■ केजरीवाल की गिरफ्तारी का जवाब अपने वोट से दे...
■ दिल्ली जल बोर्ड घोटाले को लेकर विस में भाजपा ...

03 ■ जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर हमले से खतरे में...
■ ब्रिटेन ने की इक्वाडोर में मैक्सिकन दूतावास पर ...

07 चैत्र नवरात्रि आज से
पहले दिन देवी शैलपुत्री की होगी आराधना

रमजान मुबारक

9 अप्रैल-29

खत्म सहरी : 4.40

रोजा इफ्तार : 6.46

सार संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू ने गुड़ी पड़वा पर शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों को चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी पड़वा, चेती चांद, नवरेह और साजिबु चेरोबा की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अपने संदेश में कहा, चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी पड़वा, चेति चांद, नवरेह और साजिबु चेरोबा के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। ये त्योहार वसंत ऋतु और भारतीय नववर्ष के स्वागत में देश के अलग अलग हिस्सों में मनाए जाते हैं।

कविता को अंतरिम जमानत देने से कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को कथित शराब नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत राष्ट्र समिति की एमएलसी के. कविता को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपने बेटे की परीक्षा के आधार पर अंतरिम जमानत के लिए आवेदन दिया था। कविता पर 100 करोड़ रुपए की रिश्वत में सक्रिय रूप से शामिल होने का आरोप है। वो 9 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं।

चुनाव ड्यूटी में गड़बड़ी पर तीन के खिलाफ एफआईआर

गुवाहाटी। असम के तिनसुकिया जिले में डाक मतपत्र वितरण में गड़बड़ी के आरोप में तीन मतदान अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मतदान अधिकारियों ने लखीमपुर संसदीय सीट के डूमडूमा विधानसभा क्षेत्र में 14 मतदाताओं के लिए 16 मतपत्र वितरित कर दिए। उज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने सोमवार को उनकी याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि उन्हें अंतरिम जमानत देने का यह सही समय नहीं है।

हवाई अड्डे पर 'परमाणु बम' की धमकी देने पर दो धरे

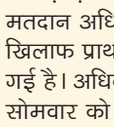

नई दिल्ली। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर तलाशी के दौरान सुरक्षा कर्मचारियों को 'परमाणु बम' की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने दो यात्रियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने बताया कि घटना पांच अप्रैल की है। दोनों की पहचान गुजरात के राजकोट निवासी जिग्नेश मालानी और कश्यप कुमार लालानी के रूप में की गई।

मध्य प्रदेश में चुनावी रैली में बोले राहुल गांधी

आदिवासियों की पहचान मिटाने में लगी है भाजपा

जबलपुर, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और आरएसएस पर आदिवासियों की पहचान मिटाने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी मंडला लोकसभा सीट पर सोमवार को चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार ओंकार सिंह मरकाम के पक्ष में प्रचार किया। चुनावी सभा को संबोधित करते राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आदिवासी और वनवासी का भेद भी समझाया। सिवनी जिले के धनौरा में राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस आपको आदिवासी कहती है और बीजेपी, प्रधानमंत्री, अमित शाह और आरएसएस के लोग आपको वनवासी कहते हैं। इन शब्दों के पीछे दो विधारधाराएं हैं। आदिवासी मतलब वो लोग जो इस देश के, इस जमीन के पहले

कांग्रेस प्रत्याशी ओंकार सिंह मरकाम के पक्ष में प्रचार किया

मोदी सरकार ने आदिवासी युवाओं का शिक्षा के लिए कर्ज माफ नहीं किया। किसानों का कर्जा माफ नहीं किया। अरबपतियों का 16 लाख करोड़ माफ किया: राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

मालिक थे। आप पहले मालिक थे तो जमीन, जल, जंगल, देश के धन पर आपका हक बनता है। वनवासी का मतलब वो लोग जो जंगल में रहते हैं। वनवासी शब्द के पीछे एक विचारधारा है। आपके इतिहास, भाषा, जीने के तरीके को मिटाने की कोशिश ये शब्द है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आदिवासियों के लिए सुरक्षित सीट पर इमोशनल कार्ड खेलने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की बड़ी कंपनियों में कितने आदिवासी हैं? 200 कंपनियों की लिस्ट निकालो। आपको एक आदिवासी नहीं मिलेगा। मीडिया की लिस्ट निकालो, एक भी आदिवासी मालिक नहीं मिलेगा।

आदिवासियों का कर्ज माफ नहीं किया

मोदी सरकार को घेरते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासी युवाओं का शिक्षा के लिए कर्ज माफ नहीं किया। किसानों का कर्जा माफ नहीं किया। अरबपतियों का 16 लाख करोड़ माफ किया। उन्होंने कहा कि आज दो हिंदुस्तान बन रहे हैं। एक अरबपतियों का और एक गरीबों का. पलायन की समस्या पर उन्होंने चिंता प्रकट की। राहुल गांधी ने कहा कि रोजगार नहीं मिलने से पलायन होता है।

दो-तीन अरबपतियों का काम हो रहा

अमीर लोग कुछ भी सपना देख सकते हैं. मोदी दो-तीन अरबपतियों के लिए काम करते हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस किसान, दलित, आदिवासी, गरीब, वंचितों के लिए काम करती है।

मोदी की टिप्पणियों के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर गहरी आपत्ति जताते हुए इस मामले को सोमवार को चुनाव आयोग के समक्ष उठाया और आग्रह किया कि वह इसे गंभीरता से ले तथा इस पर कार्रवाई करें। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद, मुकुल वासनिक, पवन खेड़ा तथा गुरदीप सिंह सप्पल ने यहां निर्वाचन भवन जाकर आयोग से मुलाकात की और इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि आयोग के समक्ष श्री मोदी की सेना की वर्दी वाली तस्वीर के दुरुपयोग, घोषणा पत्र को झूठ का पुलिंदा बताना तथा बोलने की आजादी जैसे मुद्दे रखें। खुर्शीद ने आयोग से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, नरेंद्र मोदी जी ने अपने भाषणों में कांग्रेस के घोषणा पत्र को झूठ का पुलिंदा कहा है, यह काफी दुखद है।

कांग्रेस व नेशनल कांफ्रेंस में सीटों का बंटवारा घोषित

नई दिल्ली। कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने आगामी लोकसभा चुनावों में जम्मू कश्मीर की सभी पांच और लद्दाख की एकमात्र सीट पर चुनावी तालमेल के साथ अपने प्रत्याशी उतारने की घोषणा कर दी है। उमर अब्दुल्ला ने बताया कि दोनों पार्टियां दोनों केंद्र शासित क्षेत्रों को मिलाकर तीन-तीन सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। उधमपुर, जम्मू और लद्दाख लोकसभा सीट से कांग्रेस तथा नेशनल कांफ्रेंस अनंतनाग, बारामूला और श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव क्षेत्र से अपने प्रत्याशी उतारेगी। संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के पवन खेड़ा व सलमान खुर्शीद भी मौजूद रहे।

मोदी ने फिर घोषणा-पत्र को बनाया निशाना

कांग्रेस तुष्टिकरण के लिए किसी भी हद तक जा सकती है

बस्तर, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनावी रैली में एक बार फिर कांग्रेस पर तीखे हमले करते हुये कहा कि यह पुरानी पार्टी भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति की हदें पार कर चुकी है। श्री मोदी ने फिर कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग की छाप है। प्रधानमंत्री पिछले दो दिनों में उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल की अपनी चुनावी सभाओं में कांग्रेस के 2024 के चुनाव घोषणा पत्र में 1947 की मुस्लिम सोच छाये होने की बात कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने बस्तर में भाजपा की 'विजय संकल्प शंखनाद महारैली' को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने किसानों और गरीबों और अन्य वर्गों की जिंदगी खुशहाल बनाने के वादे को पूरा किया है।

मोदी ने बस्तर में 'विजय संकल्प शंखनाद महारैली' को किया संबोधित

कांग्रेस ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का न्योता ठुकराया

उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष की कथित तुष्टीकरण की राजनीति का मुद्दा उछालते हुए कहा, 'कांग्रेस और इंडी गठबंधन राम मंदिर बनने से बहुत नाराज हैं। कांग्रेस के शाही परिवार ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का न्योता ठुकरा दिया। कांग्रेस के जिन नेताओं ने इस कदम को गलत बताया, उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। ये दिखाता है कि कांग्रेस तुष्टिकरण के लिये किसी भी हद को पार कर सकती है। कांग्रेस ने जो घोषणा पत्र बनाया है, उसमें भी मुस्लिम लीग की छाप है। उन्होंने कहा, 2014 से पहले लाखों करोड़ रुपए के घोटाले होते थे। कांग्रेस की सरकार में दिल्ली से एक रुपया निकलता था और सिर्फ 15 पैसे गांव में पहुंचते थे। बीच के 85 पैसे कांग्रेस खुद लूट लेती थी। मैंने कांग्रेस की लूट की इस व्यवस्था को बंद कर दिया है।' श्री मोदी ने कहा, अब नाराज होकर ये लाठी से मोदी का सिर फोड़ने की धमकी दे रहे हैं। ..वे मोदी को कितनी भी धमकियां दें, भ्रष्टाचारियों को जेल जाना ही पड़ेगा। ये मोदी की गारंटी है।

संजय सिंह ने फिर साधा भाजपा पर निशाना

भाजपा ने घाटे वाली कंपनियों से 450 करोड़ का चंदा लिया

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया है कि सात साल में करीब एक लाख करोड़ रुपए का घाटा उठाने वाली 33 कंपनियों ने टैक्स में छूट हासिल करने के लिए चुनावी बॉन्ड के जरिए या अन्य तरीके से भाजपा को 450 करोड़ रुपए का चंदा दिया। राष्ट्रीय राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने चुनावी बॉन्ड व टैक्स में छूट देने के नाम पर भ्रष्टाचार किया और उसे जनता से छुपाया। चुनावी बॉन्ड

छह कंपनियों ने भाजपा को 600 करोड़ रुपए का चंदा दिया

का डेटा जनता के सामने लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देते हुए संजय सिंह ने कहा कि सात साल में एक लाख करोड़ की घाटे वाली 33 कंपनियों ने भाजपा को दान में 450 करोड़ रुपए दिए। इसका उन्होंने सिलसिलेवार ब्यौरा दिया। संजय सिंह ने कहा कि 17 कंपनियों ने या तो एक पैसा भी टैक्स नहीं दिया या टैक्स में छूट प्राप्त की। छह कंपनियों ने भाजपा को 600 करोड़ रुपए का चंदा दिया। एक कंपनी ने अपने मुनाफे से तीन गुना ज्यादा दान दिया। एक अन्य कंपनी ने अपने मुनाफे से 93 गुना ज्यादा दान दिया। तीन कंपनियों ने 28 करोड़ रुपए का दान दिया और एक भी पैसा टैक्स नहीं दिया। आप नेता ने कहा, भारती एयरटेल ने भाजपा को 200 करोड़ रुपए का चंदा दिया, जबकि 2017-23 के दौरान उसे 77 हजार करोड़ रुपए का घाटा हुआ।

चुनाव आयोग के बाहर टीएमसी का प्रदर्शन

आयोग के कार्यालय के बाहर धरना दे रहे टीएमसी कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा चुनावों को लेकर तेज हुई सरगर्मी के बीच राजधानी दिल्ली में चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन कर रहे टीएमसी नेताओं को हिरासत में लिया गया है। दरअसल, टीएमसी का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ धरना कर रहा था। जिन्हें पुलिस ने हटाने की कोशिश की। इसी दौरान कुछ नेताओं को हिरासत में लिया गया है। इसके कुछ वीडियो भी सामने आए हैं।

टीएमसी के जिन नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है उनमें टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, डोला सेन, साकेत गोखले और सागरिका घोष, विधायक विवेक गुप्ता, पूर्व सांसद अर्पिता घोष, शांतनु सेन और अबीर रंजन विश्वास और पार्टी की छात्र शाखा पश्चिम बंगाल के उपाध्यक्ष सुदीप राहा शामिल हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांग पर जोर देने के लिए चुनाव आयोग (ईसी) की पूर्ण पीठ से मुलाकात के बाद धरने की घोषणा की थी।

- एनआईए, ईडी और सीबीआई का कर रहे थे विरोध
- केंद्रीय एजेंसियों के निदेशकों को बदलने की है मांग

हम जेल से डरने वाले नहीं है : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे संसद भवन को जेल में बदल दें तब भी वह डरने वाली नहीं हैं। लोकसभा चुनाव के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की प्रधानमंत्री की हालिया चेतावनी का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के बयान सिर्फ भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए दिए गए थे।

विरोध करने वाले पोस्टर लहरा रहे थे

इसके जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें देखा जा सकता है कि टीएमसी नेताओं ने अपने हाथों में केंद्रीय एजेंसियों का विरोध करने वाले पोस्टर अपने हाथों में ले रखे थे। जिनमें केंद्रीय एजेंसियों जैसे सीबीआई, ईडी और एनआईए के खिलाफ नारे लिखे गए थे।

हरियाणा में भाजपा को बड़ा झटका

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने भाजपा छोड़ी

चंडीगढ़, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, जो 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंत्रिपरिषद के पहले विस्तार में शपथ लेने वाले चार कैबिनेट मंत्रियों में से एक थे, ने सोमवार को भाजपा से इस्तीफा दे दिया।

सिंह अब कांग्रेस में घर वापसी करेंगे, जिस पार्टी में वह पहले चार दशक से अधिक समय तक रह चुके हैं। उन्होंने मीडिया से कहा, मैंने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और अपना इस्तीफा पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा को भेज दिया है। मेरी पत्नी प्रेम लता, जो

आज कांग्रेस में शामिल होंगे

2014-2019 तक विधायक थीं, ने भी पार्टी छोड़ दी है। मंगलवार को हम कांग्रेस में शामिल होंगे। जाट समुदाय के प्रसिद्ध नेता सिंह हरियाणा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अगस्त 2014 में भाजपा में शामिल हुए थे। सिंह के कांग्रेस में शामिल होने को हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट मतदाताओं को लुभाने के कदम के रूप में देखा जा रहा है। सिंह के बेटे बृजेंद्र ने 10 मार्च को भाजपा सांसद के रूप में इस्तीफा दे दिया और मजबूर राजनीतिक कारणों का हवाला देते हुए कांग्रेस में शामिल हो गए।

जेजेपी के हरियाणा प्रमुख ने दिया इस्तीफा

चंडीगढ़। हरियाणा में जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) को बड़ा झटका देते हुए इसके प्रदेश अध्यक्ष निशान सिंह ने सोमवार को पार्टी छोड़ दी। निशान सिंह के कांग्रेस में शामिल होने की संभावना है। कयास लगाए जा रहे हैं कि जेजेपी के कई विधायक भी उनके साथ जाएंगे। 2018 में जेजेपी के गठन के बाद निशान सिंह को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई थी। हरियाणा में भाजपा के साथ साढ़े चार साल का गठबंधन तोड़ने के बाद, अजय चौटाला के नेतृत्व वाली जेजेपी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।

लोकसभा के पहले चरण में 1625 प्रत्याशी मैदान में

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा के पहले चरण के चुनाव में 21 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में 102 सीटों के लिये 1625 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किये हैं। सात चरणों में हो रहे चुनाव के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होगा। आयोग की सोमवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार नामांकन पत्रों की जांच के बाद 1625 प्रत्याशियों के पर्चे सही पाए गए। इन प्रत्याशियों में 1491 पुरुष और 134 महिला उम्मीदवार हैं। उत्तर

- पहले चरण का 19 अप्रैल को होगा मतदान
- 1491 पुरुष और 134 महिला उम्मीदवार

प्रदेश में आठ सीटों के लिये 80 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं, जिनमें 73 पुरुष और सात महिलाएं हैं। उत्तराखंड में पांच सीटों के लिए 55 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं, जिनमें 51 पुरुष और चार महिलाएं हैं। बिहार में चार सीटों के लिए 38 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किये हैं, जिनमें 35 पुरुष और तीन महिलायें हैं। छत्तीसगढ़ में एक सीट के 11 उम्मीदवारों ने पर्चे दाखिल किये हैं, जिनमें सभी पुरुष हैं। जम्मू-कश्मीर में एक सीट के लिए 12 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

मणिपुर के राहत शिविरों में 24,500 से ज्यादा मतदाता

इम्फाल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर के राहत शिविरों में रहने वाले 24,500 से अधिक पात्र मतदाता राज्य की दो लोकसभा सीटों के लिए दो चरणों में होने वाले चुनाव में विशेष मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि विस्थापित मतदाता चुनाव आयोग के निर्देश पर राज्य के 16 में से 10 जिलों के राहत शिविरों में बनाए जाने वाले 94 विशेष मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। सबसे अधिक 24 मतदान केंद्र कांगपोकपी जिले में स्थापित किए जाएंगे।

- 94 विशेष मतदान केंद्रों पर मतदान करेंगे
- 16 में से 10 जिलों में राहत शिविर बनाए गए

चुनाव *भाजपा ने राज्य में पहली बार तीन महिलाओं को उम्मीदवार बनाया*

झारखंड : चुनावी जंग में इस बार महिला नेताओं का इम्तिहान

रांची, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में इस बार चुनावी जंग में महिला नेताओं का बड़ा इम्तिहान है। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में पहली बार तीन महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। 'इंडिया' गठबंधन की ओर से भी एक महिला प्रत्याशी मैदान में उतर चुकी हैं, जबकि दो अन्य सीटों पर महिला नेताओं की उम्मीदवारी पर विचार चल रहा है।

अन्नपूर्णा देवी कोडरमा से भाजपा की सांसद हैं और केंद्र में शिक्षा राज्यमंत्री भी। उन्हें पार्टी ने दूसरी बार इस सीट पर प्रत्याशी बनाया है। अन्नपूर्णा देवी राजनीति में 26 सालों से सक्रिय हैं। सियासी मैदान में उनकी एंट्री पति रमेश प्रसाद यादव के साल 1998 में निधन के बाद हुई थी। रमेश प्रसाद यादव कोडरमा से राजद के विधायक थे। उनके निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव हुआ तो वो पहली बार बिहार विधानसभा पहुंचीं। 2019 में वह भाजपा में शामिल हुईं और

पार्टी ने उन्हें कोडरमा सीट पर लोकसभा का प्रत्याशी बनाया। जीत के बाद उन्हें केंद्र की सरकार में राज्य मंत्री के तौर पर जगह मिली।

- इंडिया ने भी एक महिला को उतारा, दो पर विचार चल रहा

मधु कोड़ा की पत्नी है गीता कोड़ा

उधर सिंहभूम सीट पर भाजपा ने मौजूदा सांसद गीता कोड़ा को प्रत्याशी बनाया है। वह झारखंड के पूर्व सीएम मधु कोड़ा की पत्नी हैं और उन्होंने पिछला चुनाव कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर जीता था। करीब दो महीने पहले उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। उनका मुकाबला इस बार झामुमो के उम्मीदवार से होगा। भाजपा की ओर से चुनाव मैदान में उतारी गईं तीसरी महिला हैं सीता सोरेन। उन्हें दुमका सीट पर प्रत्याशी बनाया गया है। उधर, राजद ने पलामू सीट पर ममता भुइयां को प्रत्याशी बनाया है। 'इंडिया' गठबंधन की ओर से राज्य की 14 में से सात सीटों पर प्रत्याशी का ऐलान अब तक नहीं हुआ है। इनमें से दो सीटों पर महिला प्रत्याशी उतर सकती हैं।

देश

उवाच

संसद को ऐसी आवाजों की जरूरत है जो जनता की जरूरतों और आकांक्षाओं के अनुरूप हों, न कि उन आवाजों की जो चुप या निष्क्रिय रहती हैं। जतना केवल धर्म या जाति के आधार पर सांसदों का चुनाव न करें।

-गुलाम नबी आजाद,डीपीएपी के अध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.0	21.0
मुंबई	30.0	25.0
कोलकाता	29.0	24.0
चेन्नई	32.0	28.0

लोकसभा चुनाव देश के संविधान को बचाने की है लड़ाई : कांग्रेस

देश पर अपनी सांप्रदायिक विचारधारा थोपने का भाजपा पर लगाया आरोप

रांची, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि इस बार का लोकसभा चुनाव देश के संविधान को बचाने की लड़ाई है क्योंकि भाजपा को शुरू से ही देश के संविधान पर विश्वास नहीं था वह देश पर अपनी सांप्रदायिक विचारधारा थोपना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र से भाजपा में खलबली मची है और प्रधानमंत्री पूरी बौखलाहट में है।

ठाकुर ने सोमवार को यहां कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा इस चुनाव में 180 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पा रही है, यह सर्वे उनकी खुद के एजेंसियों द्वारा किया गया है जिससे मोदी विचलित है। 10 साल सत्ता में रहने के बाद जब आज देश चुनाव के मुहाने पर खड़ा है तब वह इन 10 सालों का अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाकर वोट मांगने से डर रहे हैं। भाजपा घबरा गई है और वह फिर से अपनी घिसी-पिटी हिंदू मुसलमान की स्क्रिप्ट पर उतर आई है। कांग्रेस का घोषणा पत्र कागज नहीं बल्कि न्याय पत्र है और यह हर उस समस्या का समाधान है जो

कांग्रेस के घोषणा पत्र से भाजपा में खलबली मची है व प्रधानमंत्री पूरी बौखलाहट में है : राजेश ठाकुर

भाजपा ने अपने 10 वर्षों के शासनकाल में जनता पर लादी है। ठाकुर ने कहा कि आज देश में जब चुनाव मुहाने पर है और इसके साथ देश में पर्व का माहौल भी है तब हमें यह भी तय करना है कि पर्व की आड़ में वोटो का ध्रुवीकरण ना हो, हमें अफवाहों से बचना होगा क्योंकि भाजपा मतों के ध्रुवीकरण के लिए सांप्रदायिक माहौल बनाने में माहिर है। ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री इतने बौखलाए, डरे और भयभीत है कि हार सामने देखकर अनर्गल बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की घोषणा पत्र में जम्मू-कश्मीर, पुद्दुचेरी, लद्दाख, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, मणिपुर आदि राज्यों के लिए के लिए भी विशेष घोषणा किया गया है। कांग्रेस ने देश की जनता को जब भी जो गारंटी दी है उसे हमेशा पूरा किया है आज देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी से पूछ रही है जो जुमले पहले दिए थे उनका दो जवाब मेरे विकास का दो हिसाब। अखिल भारतीय कांग्रेस के प्रवक्ता ज्योति सिंह ने विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए बताया कि कांग्रेस के घोषणा पत्र के पांच न्याय स्तंभ है, जिसमें युवा न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय,श्रमिक न्याय, हिस्सेदारी न्याय शामिल है। इसके तहत खाली पड़ी 30 लाख नौकरियां में अविलंब भरती, अग्निवीर योजना समाप्त करना, एमएसपी की गारंटी, जीएसटी मुक्त बीज, खाद, कृषि उपक्रम, सरकारी नौकरी में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, गरीब परिवार के महिला मुखिया को एक लाख सालाना, मनरेगा मजदूरी 400 प्रतिदिन गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा के अलावा आर्थिक और जातिगत जनगणना शामिल है।

जनता को मूल मुद्दे से भटकाने की कोशिश कर रहे मोदी : कांग्रेस

झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में किसान, युवा, महिला सहित सभी वर्गों की छाप है इसलिए मोदी हर बार की तरह देश की जनता को मूल मुद्दे से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं, इसी बौखलाहट में बिना सोचे समझे कांग्रेस घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग की छाप होने का जुमला जड़ दिया। जबकि भाजपा के पुरखे यानी श्यामा प्रसाद मुखर्जी मुस्लिम लीग के साथ मिलकर 1942 में बंगाल, सिंध एन डब्लू एफपी में सरकार चला रहे थे और अंग्रेजों को सलाह दे रहे थे कि आंदोलन का दमन कैसे किया जाए।

नाराज तो वो होगे जो बाहर से आएं हैं : अश्वनी चौबे

पटना, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में बक्सर संसदीय सीट पर मतदान होना है। वर्तमान में इस सीट से अश्विनी कुमार चौबे भाजपा से सांसद हैं। लेकिन इस बार उनका टिकट कट गया है। इस दफे इस सीट से इस बार बीजेपी ने मिथिलेश तिवारी को अपना उम्मीदवार बनाया है। तिवारी मूलत: गोपालगंज के रहने वाले हैं और भाजपा संगठन से उभरे हुए नेता हैं। जबकि वर्तमान सांसद भाजपा के मातृ संगठन से जुड़े एक दिग्गज नेता हैं।

ऐसे में अब वर्तमान सांसद अश्वनी कुमार चौबे ने मिथिलेश तिवारी का बिना नाम लिए जोरदार विरोध किया है। उन्होंने कहा है कि नाराज तो वह होंगे जो बाहर से आए हैं, हम तो बक्सर के हैं और बक्सर के ही रहेंगे। हम तो विष पीकर जगदीश बन गए हैं। दरअसल, पटना एयरपोर्ट पर आज अश्विनी कुमार चौबे से पत्रकारों ने सवाल किया कि भाजपा से आपका टिकट कट गया है और आपकी जगह पर मिथिलेश तिवारी को सिंबल दिया गया है। इस सवाल का जवाब देते हुए अश्विनी चौबे ने कहा कि बात टिकट काटने की नहीं है। पार्टी ने मुझे सब कुछ दिया है और मुझे पार्टी से कोई नाराजगी नहीं है। संघर्ष और सत्य ही हमारे जीवन की पूंजी रही है। बचपन में भी मैंने किसी के सामने हाथ नहीं फैलाया है तो अब क्या हाथ फैलाऊंगा।

इसके अलावा अश्वनी चौबे ने कहा कि पार्टी ने मुझे अब तक जो सम्मान दिया है वह काफी है। अब जरूरत है कि मैं पार्टी को सम्मान दूं। मैं कभी भी पार्टी से नाराज नहीं रहा हूं। बल्कि नाराज तो वह लोग होकर जाएंगे जो यहां के नहीं है। मैं तो बक्सर का हूं और बक्सर का ही बन कर रहूंगा।

मुझे संसद में नहीं देखना चाहती केंद्र सरकार : महबूबा मुफ्ती

अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव लड़ने का किया है ऐलान

श्रीनगर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से पार्टी का उम्मीदवार बनाए जाने के एक दिन बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार उन्हें संसद से बाहर रखना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने अनंतनाग के बिजबेहरा में स्थित अपने पिता और पार्टी के संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद की कब्र पर जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जब जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा 2019 में खत्म किए जाने के बाद पीडीपी केंद्र के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य रही है।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बिना किसी का नाम लिए कहा, वर्ष 2019 के बाद अगर किसी पार्टी को निशाना बनाया गया है तो वह पीडीपी है। पार्टी टूट गई और हमारे नेताओं को लालच दिया गया तथा कुछ को पार्टी छोड़ने के लिए

ब्लैकमेल किया गया। मैंने 2019 से दमन के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश की और मेरे परिवार के सदस्यों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। पर, मैं अपनी बात पर अड़ी रही। इसलिए वे सोचते हैं कि अगर मेरी आवाज संसद तक पहुंच गई, तो उन्हें संसद में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी तथा यहां सामान्य स्थिति का ढोल पीटने की उनकी पोल खुल जाएगी।

लोकतंत्र में कोई भी किसी से कर सकता है मुकाबला

यह पूछे जाने पर कि अनंतनाग-राजौरी सीट से पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद भी चुनाव लड़ रहे हैं, मुकाबला कैसा होगा, मुफ्ती ने कहा कि लोकतंत्र में कोई भी किसी से मुकाबला कर सकता है। आप किसी को नहीं रोक सकते। जम्मू संभाग के जानीपुर इलाके में एक आदिवासी लड़की के साथ कथित उत्पीड़न और उसके परिवार की पिटाई की घटना का जिक्र करते हुए मुफ्ती ने कहा कि पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज नहीं की बल्कि पुलिस उनके ही खिलाफ एफआईआर जारी कर रही है।

सार संक्षेप

बारामूला में तीन शरारती तत्वों पर मामला दर्ज

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सोमवार को तीन कथित शरारती तत्वों को कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। सक्षम प्राधिकारी से औपचारिक हिरासत आदेश मिलने के बाद सेरिवारपोरा पट्टन के मैसिर मजीद मलिक, अब्दुल अहद डार और पलहालन के खुर्शीद अहमद वाजा दोनों पर पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज किए गए लोगों को हिरासत में लिया गया और बाद में जिला जेल कुपवाड़ा और अनंतनाग में बंद कर दिया गया।

महाविकास अघाड़ी में कोई मतभेद नहीं : राउत

मुंबई। शिवसेना (उद्धव-बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने कहा कि महाविकास अघाड़ी में कोई मतभेद नहीं है। महाविकास अघाड़ी की मंगलवार को जो संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस है उसमें सभी प्रमुख दल रहेंगे। उद्धव ठाकरे, शरद पवार, कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे, हमारे सभी घटक दल भी मौजूद रहेंगे।

बीजद के वरिष्ठ नेता प्रभाष ने दिया इस्तीफा

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) के वरिष्ठ नेता एवं ओडिशा में बारगढ़ लोकसभा सीट से पूर्व सांसद प्रभाष सिंह ने सोमवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। सिंह 2014 के चुनाव में बारगढ़ लोकसभा सीट से चुने गए थे। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष नवीन पटनायक को भेजा। उन्होंने बरगढ़ जिला अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया। सूत्रों ने कहा कि सिंह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफा देने वाली परणिता मिश्रा को बारगढ़ लोकसभा सीट के लिए बीजद के उम्मीदवार के रूप में नामित किए जाने से नाखुश थे। उन्होंने उल्लेख किया कि पार्टी ने मिश्रा को टिकट देने से उनसे परामर्श नहीं किया। सिंह को 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के टिकट से भी वंचित कर दिया गया था। पूर्व सांसद ने अपने त्याग पत्र में असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है और यह अपनी विचारधारा से भटक गई है।

बालाघाट में जनसभा को संबोधित करेंगे मोदी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के प्रवास पर रहेंगे। वे इस दौरान बालाघाट में जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रदेश भाजपा की ओर से सोमवार को यहां मुहैया कराई गई जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी दोपहर 2.30 बजे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे।

सीएए कानून से किसी की भी नागरिकता नहीं जाएगी : राजनाथ

रक्षा मंत्री ने तमिलनाडु में किया रोड शो

चेन्नई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु में एक कार्यक्रम के दौरान तीन तलाक को लेकर कहा कि वह किसी भी धर्म को मानने वाली महिला पर अत्याचार नहीं होने देंगे। उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर कहा कि इस कानून से किसी की भी नागरिकता नहीं जाएगी। द्रमुके और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि डीएमके और कांग्रेस अपने-अपने परिवारों के लिए काम कर रही हैं, जबकि पीएम मोदी देश के लिए काम कर रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु में रोडशो भी किया। राजनाथ सिंह ने कीराबुर में रोडशो किया और पार्टी के नमाक्कल सीट से उम्मीदवार केपी रामालिंगम के लिए प्रचार किया। इसके बाद राजनाथ सिंह तिरिवरुर सीट पर पार्टी के उम्मीदवार एसजीएम रमेश के लिए प्रचार करेंगे। शाम में राजनाथ सिंह तेनकाशी में भाजपा उम्मीदवार बी. जॉन पंडियन के समर्थन में रोड शो करेंगे। राजनाथ सिंह के अलावा आज तमिलनाडु में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और पुरुषोत्तम रुपाला भी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि संशोधित नागरिकता कानून के लागू होने से कोई भी भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता नहीं खोएगा, चाहे वह किसी भी धर्म का हो। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी कांग्रेस और द्रमुक इस मुद्दे पर भ्रम पैदा कर रही हैं। नमक्कल में पार्टी के उम्मीदवार केपी रामलिंगम के समर्थन में रोड शो को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो वादे किए उन्हें हमेशा पूरा किया। पार्टी ने अयोध्या में राम मंदिर, अनुच्छेद 370 हटाने और सीएए लागू करने का वादा किया था।

कर्नाटक को सूखा राहत राशि न देने के आरोप पर बोले शिवकुमार

आखिरकार वित्त मंत्री ने माना हुई है देरी

बंगलूरू, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को राज्य को सूखा राहत प्रदान करने में देरी के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और साथ ही उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की इस स्वीकारोक्ति का भी हवाला दिया कि आम चुनावों की घोषणा के कारण इसमें देरी एक वजह है। शिवकुमार ने राजराजेश्वरी नगर में अपार्टमेंट मालिकों के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि निर्मला सीतारमण ने कहा है कि आम चुनावों की घोषणा के कारण कर्नाटक को सूखा राहत राशि देने में देरी हुई। यह कहकर माना कि सूखा राहत में देरी हुई है और केंद्र ने कर्नाटक के साथ अन्याय किया है। वह कर्नाटक पर सूखा राहत के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने का आरोप लगा रही थीं। केंद्र पर कटाक्ष करते हुए शिवकुमार ने कहा कि लोग जानते हैं कि केंद्र ने कर्नाटक के साथ कितना

सूखा राहत में देरी हुई है और केंद्र ने कर्नाटक के साथ अन्याय किया है : डीके शिवकुमार

अन्याय किया है। हमने चार महीने पहले अपनी सूखा राहत राशि के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। अपील के बाद चार महीने तक कोई आदर्श आचार संहिता नहीं थी। अब वह आचार संहिता का बहाना दे रही है। लोग केंद्र के अन्याय से देख रहे हैं।

अब मेकेदातु व महादायी के बारे में करने लगे बातें

शिवकुमार ने मेकेदातु परियोजना के संबंध में एचडी कुमारस्वामी की टिप्पणियों का भी जवाब दिया और इस मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री की पिछली निष्क्रियता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी अब मेकेदातु और महादायी के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन जब वह सत्ता में थे तो उन्होंने इसके बारे में कुछ नहीं किया। जब हम मेकेदातु के लिए पदयात्रा पर थे, तो उन्होंने कबाब खाने के लिए यात्रा निकालने के लिए हमारा मजाक उड़ाया था।

लोकसभा चुनाव में नहीं कोई मोदी लहर : सिद्दारमैया

सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने भाजपा पर वार करते हुए कहा कि इस लोकसभा चुनाव में कोई मोदी लहर नहीं है। राज्य में कांग्रेस और उसकी पांच गारंटी को लेकर लोग उत्साहित नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के कई उम्मीदवार ऐसे हैं, जो अपना चेहरा तक नहीं दिखा सकते, वे मोदी के नाम पर वोट की उम्मीद लगाए हुए हैं। कर्नाटक में भाजपा और कांग्रेस के बीच जमकर बयानबाजी चल रही है। हाल ही में कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि इस लोकसभा चुनाव में कोई मोदी लहर नहीं है। उन्होंने दावा किया कि इस बार लोगों का रुझान कांग्रेस और उसकी पांच गारंटी योजनाओं की ओर है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी के कई उम्मीदवार अपना चेहरा तक नहीं दिखा सकते हैं, वो मोदी के नाम पर वोट बटोरना चाहते हैं, लेकिन इस बार मोदी के पक्ष में लहर नहीं है।

जमुई व नवादा के बाद गया में गरजेंगे मोदी

पटना, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए एनडीए और भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री बिहार में अब तक दो चुनावी जनसभा कर चुके हैं। हालांकि विपक्षी खेमे का कोई भी बड़ा नेता अब तक बिहार नहीं पहुंचा है। जमुई और नवादा में चुनावी जनसभा करने के बाद पीएम मोदी अब गया में गरजने वाले हैं। पंद्रह दिनों के अंदर पीएम मोदी का यह तीसरा चुनावी दौरा होगा। दरअसल, बीते चार अप्रैल को जमुई से बिहार में चुनावी अभियान का आगाज करने के बाद पीएम मोदी ने बीते 7 अप्रैल को नवादा में विरोधियों के खिलाफ जोरदार हमला बोला था। अब 15 दिनों के भीतर पीएम मोदी की तीसरी जनसभा बिहार के गया में होने जा रही है। मांझी ने कहा कि रविवार को नवादा जाने के दौरान

- जीतन राम मांझी के पक्ष में चुनावी सभा को करेंगे संबोधित
- पंद्रह दिनों के अंदर मोदी का यह तीसरा चुनावी दौरा होगा

प्रधानमंत्री से गया एयरपोर्ट पर मुलाकात हुई थी, तब उन्होंने कहा था कि हम गया भी आ रहे हैं। यह बात सुनकर बहुत खुशी हुई। हमने भी उन्हें कहा कि आइए, आपका स्वागत है। बता दें कि एनडीए प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी गया में कुशवाहा समाज की चुनावी बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक के दौरान कुशवाहा समाज की राज्य और देश के प्रति योगदान का मांझी ने बखान किया। साथ ही साथ उन्होंने बिहार में 40 और देश में 400 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करने के संकल्प को दोहराया।

जनता से एनडीए के पक्ष में मांगेंगे वोट

प्रधानमंत्री मोदी आगामी 16 अप्रैल को गया पहुंचेंगे, जहां एनडीए के साझा उम्मीदवार जीतन राम मांझी के पक्ष में चुनावी सभा कर लोगों से एनडीए के पक्ष में वोट करने की अपील करेंगे। खुद जीतन राम मांझी ने इस बात का एलान किया है। गया से एनडीए के उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कुशवाहा समाज की हुई बैठक में खुले मंच से कहा कि आगामी 16 अप्रैल को प्रधानमंत्री गया आएंगे।

अहमदाबाद में ईवीएम व वीवीपेट आबंटन शुरू

अहमदाबाद, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद जिले में ईवीएम और वीवीपेट की आबंटन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। सरकारी सूत्रों ने बताया कि अहमदाबाद जिले में चुनाव में इस्तेमाल होने वाली 6814 बीयू, 6814 सीयू और 7357 वीवीपैट के आबंटन की प्रक्रिया अगले तीन दिनों तक जारी रहेगी। गुजरात में लोकसभा चुनाव-2024 के लिए मतदान सात मई को होने जा रहा है, तब इस चुनाव में उपयोग की जाने वाली ईवीएम और वीवीपेट का अहमदाबाद कलेक्टर कार्यालय में कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर प्रवीणा डी. के. तथा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों की मौजूदगी में पहले रेंडमाइजेशन के बाद आज से अहमदाबाद के मोटेरा में ईवीएम वेयर हाउस से विधानसभा क्षेत्रों के हिसाब से ईवीएम और वीवीपैट के आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

मध्य प्रदेश में पहले चरण के 88 प्रत्याशियों में 27 करोड़पति

नकुलनाथ देश में सबसे अमीर प्रत्याशी

भोपाल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में चार चरणों में लोकसभा का चुनाव है। इसमें प्रथम चरण में जबलपुर, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा, सीधी और शहडोल में 19 अप्रैल को मतदान होगा। इन सीटों पर 88 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनके हलफनामे को लेकर एडीआर ने रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार प्रदेश की 6 सीटों के 88 प्रत्याशियों में 27 यानी 31 प्रतिशत प्रत्याशी करोड़पति हैं। वहीं, 17 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 9 पर अपराध गंभीर प्रकृति के हैं। मध्य प्रदेश से छिंदवाड़ा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी और सांसद नकुलनाथ 716 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ देश में सबसे अमीर प्रत्याशी हैं। 49 वर्षीय नकुलनाथ की अचल संपत्ति 668 करोड़ रुपए और चल संपत्ति 48 करोड़ रुपये है। उनकी कुल संपत्ति 716 करोड़ रुपए है। उन्होंने अपने

वार्षिक आय आयकर रिटर्न में 12 करोड़ रुपए बताई है। इसमें उनकी पत्नी और आश्रित की इनकम भी शामिल है। नाथ ने अपने स्वयं की वार्षिक आय 7 करोड़ रुपए बताई है।

नकुलनाथ के बाद दूसरे नंबर पर संपत्ति में सीधी से कांग्रेस प्रत्याशी 49 वर्षीय कमलेश्वर पटेल हैं। उनकी कुल संपत्ति 39 करोड़ रुपये है। उनके बाद तीसरे नंबर पर छिंदवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू हैं। 45 वर्षीय साहू ने अपनी कुल संपत्ति 36 करोड़ रुपए बताई है।

सुरक्षा *अब मेड इन इंडिया रायफल एक-203 से दुश्मन का खात्मा करेगी इंडियन आर्मी*

अब तक इस्तेमाल राइफलों से वजन में हलकी व ज्यादा घातक

■ जोगेन्द्र सोलंकी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। रक्षा मंत्रालय ने सेना और सुरक्षा एजेंसियों को मेड इंडिया एके-203 राइफल के इस्तेमाल की हरी झंडी दे दी है। इंडो-रशियन तकनीक पर भारत में बनी एके-203 राइफल, एके-47 राइफल का अपग्रेड वर्जन है। ये राइफल अभी तक सेना के जबलपुर स्थित ग्रेनेडियर्स रेजिमेंटल सेंटर (जीआरसी) में जवानों को ट्रेनिंग देने के लिए इस्तेमाल की जा रही थी।

डिफेंस सूत्रों ने बताया कि जबलपुर का ग्रेनेडियर्स रेजिमेंटल सेंटर (जीआरसी) सेना के जवानों को प्रशिक्षित करने का एक ट्रेनिंग सेंटर है। यहां सेना के मध्य भारत क्षेत्र के जवानों के एक दल ने नई राइफल एके-203 को चलाने की ट्रेनिंग ली है। माना जा रहा है कि इसके बाद इन जवानों के माध्यम से सेना और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के जवानों को इसे चलाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। एके-47 और इंसास

राइफल के बाद अब सेना और सुरक्षा एजेंसियां जवानों को मिलने वाली नई राइफल एके-203 से सेना व सुरक्षा एजेंसियों की मारक क्षमता बढ़ेगी। यह पिछली दोनों ही राइफलों से कहीं ज्यादा कारगर है और मारक क्षमता में भी आगे है। एक डिफेंस एक्सपर्ट के

- जीआरसी सेंटर में प्रशिक्षित जवान देशभर में सेना के जवानों को देंगे ट्रेनिंग
- प्वाइंटर-इंडो रशियन तकनीक से बनी एके-203 राइफल एके-47 का है अपग्रेड वर्जन

मुताबिक अभी तक सेना ज्यादातर एके-47 और इंसास राइफल का इस्तेमाल कर रही है लेकिन ऐके-203 राइफल इन दोनों ही राइफल से कई मामलों में बेहतर है। यह वजन में हल्की है, इसका वजन महज 3.8 किलोग्राम है। एके-47 राइफल का वजन 4.6 किलो और राइफल इंसास का वजन 4.1 किलोग्राम है। ये राइफल लगभग 800 मीटर (1 किमी से थोड़ा कम) तक सटीक निशाना साध सकती है। इंसास राइफल के मुकाबले इस राइफल से 50 राउंड प्रति मिनट ज्यादा दागे जा सकते हैं। यानी एक मिनट में एके-203 राइफल 700 राउंड तक फायर कर सकती है। जबकि एक-47 1 मिनट में 600 राउंड और इंसास राइफल 600 से 650 राउंड गोलियां दाग सकती है। रक्षा विभाग के सूत्रों के मुताबिक पूरी तरह भारत में बनने की वजह से यह बंदूक आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगी। इसके प्रयोग से भारतीय सेना और ज्यादा मजबूत होगी। एके- 203 राइफल को चलाने की ट्रेनिंग अग्नि वीर जवानों को भी दी हर तरह से मौसम में काम करने वाली इस राइफल के ऊपर भरोसा जताते हुए 50 देशों की सेना एके-47 प्रयोग कर रही हैं। वहीं 30 से ज्यादा देशों ने इस रूसी राइफल एके-203 को बनाने का लाइसेंस लिया है। इस राइफल को बनाने में ज्यादा शेयर ऑर्डिनेंस फैक्ट्री का होगा। इसमें ऑर्डिनेंस के शेयर 50.5 फीसदी हैं, जबकि रशिया की कंपनी को 49.5 फीसदी शेयर दिए गए हैं। यह इंसास राइफल की अपेक्षा बहुत ज्यादा हल्की और छोटी होगी।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पति : तुम्हारे पापा मानते क्यों नहीं ? जले पर नमक छिड़कने की आदत गई नहीं अब तक उनकी।
पत्नी : क्यों क्या हुआ ?
पति : आज फिर से पूछ रहे थे कि मेरी बेटी से शादी करके खुश तो हो न ?

केजरीवाल की गिरफ्तारी का जवाब अपने वोट से दे दिल्ली की जनता : गोपाल राय

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी ने सोमवार को अपना चुनावी कैंपेन लॉन्च किया। पार्टी ने अपने मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनावी कैंपेन के केंद्र में रखा है। आम आदमी पार्टी के चुनावी कैंपेन का स्लोगन 'जेल का जवाब वोट से' रखा गया है। गौरतलब है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कथित शराब घोटाले के आरोप में जेल में हैं। चुनावी कैंपेन लॉन्च करते हुए आम आदमी पार्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने से दिल्ली की जनता नाराज है। इसका जवाब वोट के जरिए दिया जाएगा। आम आदमी पार्टी के सांसद संदीप पाठक ने कहा कि हम दिल्ली की जनता से निवेदन करते हैं कि मतदान वाले दिन जेल का जवाब वोट से दें। आम आदमी पार्टी ने अपने चुनावी कैंपेन वाले पोस्टर में भी सीएम अरविंद केजरीवाल को ही सामने रखा है। इस पोस्टर में दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को जेल की सलाखों के पीछे दिखाया गया है। सोमवार को केजरीवाल की गैर मौजूदगी में कैंपेन लॉन्च किया गया। इस दौरान आम आदमी पार्टी दिल्ली के संयोजक व दिल्लली सरकार में मंत्री गोपाल राय, राज्यसभा सांसद संदीप पाठक और संजय सिंह समेत कई नेता मौजूद रहे। संजय सिंह ने दिल्ली के मतदाताओं से अपील की है कि वोट डालने से पहले वे केजरीवाल द्वारा मुफ्त किए गए बिजली के बिल जरूर देखें। दिल्ली में बनाए गए अच्छे स्कूलों को देखें। दिल्ली में लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मोहल्ला क्लीनिक को वोट डालने से पहले एक बार देखें। पार्टी महासचिव संदीप पाठक ने कहा कि सभी दिल्ली वालों ने देखा है कि कैसे अरविंद केजरीवाल ने संघर्ष किया। उन्होंने दिल्ली वासियों को अपना परिवार माना और हर परिवार के हर एक बच्चे की शिक्षा के लिए अच्छी व्यवस्था की, बीमार लोगों के लिए दवाई की व्यवस्था की, स्वास्थ्य व्यवस्था में बदलाव किया। दिल्ली में पहले पानी के लिए त्राहि-त्राहि थी। लेकिन, केजरीवाल ने पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बेहतर इंतजाम किए। इसके साथ आम आदमी पार्टी का कहना है कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं के लिए बसों में फ्री यात्रा का इंतजाम किया। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों की सेवा की है।

- आम आदमी पार्टी ने किया अपना चुनावी अभियान लॉन्च
- पोस्टर में केजरीवाल को जेल की सलाखों के पीछे दिखाया गया

दिल्ली की ओर देख रही है आज पूरी दुनिया : पाठक

इस मौके पर पर संदीप पाठक ने कहा आज अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाई है। अब जिम्मेदारी दिल्ली के दो करोड़ लोगों की है जिनके लिए अरविंद केजरीवाल ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। आज पूरी दुनिया दिल्ली की ओर देख रही है, इसीलिए अरविंद केजरीवाल को मजबूत करने के लिए हम दिल्ली के हर मोहल्ले हर घर तक जाएंगे और लोगों से निवेदन करेंगे कि वह अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का जवाब वोट से दें।

नवरात्र में जारी होगा भाजपा का चुनाव घोषणा पत्र

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। भाजपा लोकसभा चुनाव 2024 के लिए इसी सप्ताह अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी कर सकती है। पार्टी अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र का नाम दिया है। बताया जा रहा है कि पार्टी नवरात्र में अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी करने की तैयारी कर रही है। बता दें कि भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता 27 सदस्यीय समिति बनाई गई थी। जिसकी अब तक फिलहाल दो बैठके हो चुकी हैं। हालांकि इस समिति की अब और कोई बैठक नहीं होगी। बता दें कि भाजपा काफी समय से अपने चुनाव घोषणा पत्र को बनाने में लगी हैं। जिसके लिए डेढ लाख से ज्यादा वीडियो के माध्यम से सलाह समिति को मिला है। जबकि 40 हजार से ज्यादा सुझाव नमो ऐप से आए। इस तरह कुल मिलाकर 5 लाख सुझाव भाजपा के घोषणा पत्र के लिए जनता से आए। सूत्रों के मुताबिक भाजपा के संकल्प सत्र में विकास,विकसित भारत, महिला, युवा, गरीब और किसानों पर मुख्य रूप से फोकस रहेगा। साथ ही सांस्कृतिक राष्टवाद पर भी संकल्प पत्र में फोकस रहेगा। संकल्प पत्र की थीम मोदी की गारंटी विकसित भारत 2047 रखने पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल घोषणा पत्र जारी करने के मामले में कांग्रेस पाटी भाजपा से आगे निकल गई है। 5 अप्रैल को कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी किया था। अब लोगों को भाजपा के षोषणा पत्र का इंतजार है।

दिल्ली जल बोर्ड घोटाले को लेकर विस में भाजपा का हंगामा

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र की कार्यवाही शुरू होते ही सोमवार को विपक्षी दलों के विधायकों ने दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले का मुद्दा उठाया। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल से इस पर चर्चा की मांग की। लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अभी नियम 280 के तहत विशेष उल्लेख में विधायक अपनी बात रखेंगे। इसलिए इस पर चर्चा नहीं हो सकती। लेकिन भाजपा विधायक तैयार नहीं हुए और वह हंगामा करने लगे। केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर की मांग नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी भाजपा विधायक अभय वर्मा, अजय महावर, विजेंद्र गुप्ता समेत अन्य सीट से उठ खड़े हुए और वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। उनका कहना था कि दिल्ली जल बोर्ड में जो भी घोटाले हुए हैं इसकी जांच होनी चाहिए, इस पर मुकदमा दर्ज होनी चाहिए। वह अपनी बात रख रहे थे तभी विधानसभा अध्यक्ष ने मार्शल को सभी भाजपा विधायकों को बाहर निकालने का आदेश दे दिया। भाजपा विधायक अजय महावर ने कहा कि, दिल्ली जल बोर्ड में वर्ष 2014 से अभी तक कुल 73,000 करोड़ रुपए की अनियमिताएं सामने आई है। यह एक बड़ा घोटाला है और विपक्ष लगातार सरकार से दिल्ली जल बोर्ड को लेकर श्वेत पत्र लाने की मांग करती रही है। आज जब विधानसभा सत्र में इस मुद्दे को उठाएं तो उनकी बातें नहीं सुनी गई। सदन से बाहर निकाल दिया गया इसलिए वह सब प्रदर्शन कर रहे हैं।

स्पीकर ने निकलवाया बाहर

सार संक्षेप

दिव्यांगों को सम्मान से जीने का अधिकार : अनिल गुप्ता

नई दिल्ली। अब दिव्यांगता अभिशाप नहीं, कई सम्मानित पदों पर दिव्यांग कार्यरत हैं, उन्हे भी सम्मान से जीने का अधिकार है। यह कहना है दिल्ली के समाज सेवी आदित्य केयर एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता का। सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान अनिल गुप्ता ने कई दिव्यांगों को व्हील चेयर देकर उन्हें सम्मान दिया है। धार्मिक स्थलों पर बुजुर्गों को मुफ्त यात्रा कराने के अलावा उन्होंने साकेत कोर्ट, कई धार्मिक स्थलों, अस्पतालों में दिव्यांग व्हील चेयर प्रदान की है। वहीं कई दिव्यांग छात्रों, जरूरतमंदों को भी व्हील चेयर दी है। पुष्प विहार स्थित अपने कार्यालय में एक दिव्यांग युवती को व्हीलचेयर प्रदान की। आरपीएस कॉलोनी में रहने वाली बच्ची की मां के देहांत के दौरान हो गया है। 22 वर्षीय युवती इस सदमे को सह नहीं पाई और लकवाग्रस्त हो गई, जिसके कारण वो चलने फिरने में असमर्थ थी,उनके परिजनों ने गुस्सा का आभार प्रकट किया।

पाचन तंत्र का स्वास्थ्य एफओएस की क्षमता : प्रतीक पटेल

नई दिल्ली। पोषण की दुनिया में एक ऐसा शब्द है जो पाचन तंत्र के स्वास्थ्य में बदलाव लाने की क्षमता के चलते बेहद लोकप्रिय हो रहा है। यह शब्द है फ्रक्टो-ओलिगोसैकेराइड्स एफओएस, लेकिन एफओएस क्या है, यह आपके स्वास्थ्य को किस तरह से प्रभावित करता है? फ्रक्टो-ओलिगोसैकेराइड्स को एफओएस कहते हैं, यह आहार में पाया जाने वाला एक प्रकार का फाइबर है जो हमारी आंतों में रहने वाले लाभकारी जीवाणुओं के लिए भोजन की तरह काम करता है। यह कई प्रकार के खाद्य पदार्थों जैसे प्याज़, लहसुन, केला, चिकोरी की जड़ों, फलियों, साबुत अनाज और एंटीचोक्स में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। एफओएस प्रीबायोटिक की तरह काम करता है, यह हमारे पाचनतंत्र में पाए जाने वाले जीवाणुओं को पोषण देता है। हमारा शरीर एफओएस को सीधे पचा नहीं सकता, लेकिन ये जीवाणु इसके पोषक तत्वां का उपयोग कर शॉर्ट-चेन फैटी एसिड बनाते हैं।

दिल्ली भाजपा ने यूआरजेए के मसूदा घोषणापत्र का स्वागत किया

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता एवं पार्टी की संकल्प पत्र कमेटी के सह प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने दिल्ली के एकीकृत निवासी संयुक्त क्रिया (लोकप्रिय रूप में यू.आर.जे.ए. के नाम से जाना जाता है) द्वारा आज संसदीय चुनाव 2024 के लिए जारी जन-घोषणा के मसूदा का स्वागत किया है। हम यूआरजेए के पर्यावरण, ऊर्जा, परिवहन, शहरी विकास, सुरक्षा, पानी, हवा और नागरिक सशक्तिकरण के मामले में प्राथमिकता देने के लिए कृतसंख्या की प्रशंसा करते हैं। हम सरकारी कार्रवाई, नागरिक सहभागिता और प्रबंधन की जिम्मेदारी के लिए एक स्थायी और जीवंत शहर बनाने की चिंता की भी सराहना करते हैं। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने आश्वासन दिया है कि लोकसभा चुनावों के लिए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा द्वारा गठित मनिफ़ेस्टो समिति मसूदा सुझावों को तैयार करते समय नागरिक फोरम के मसूदा सुझावों पर गम्भीरतापूर्वक विचार करेगी।

आप का मुख्य सचिव व स्वास्थ्य सचिव पर आरोप

मोहल्ला क्लीनिकों में की जा रही दवाइयों की कमी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली विधानसभा में अस्पतालों में दवाइयों की कमी और मोहल्ला क्लिनिकों में मुफ्त जांच बंद होने के मामले को लेकर चर्चा हुई। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली विधानसभा में कहा है कि अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों में जानबूझ कर दवाइयों की कमी की जा रही है। सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव पर मुकदमा दर्ज करवाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने विधानसभा में इस पर अपनी बात रखी है और दावा किया है कि एक सोची-समझी साजिश के तहत दवाइयों की कमी अस्पतालों में की गई है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि नियम 54 के तहत मैंने उनसे विधानसभा में आकर इस बात पर उनका जवाब मांगा था। आज उन्हें विधानसभा में होना चाहिए था लेकिन वो नहीं आए। ये भी दुख की बात है। समस्या यह है कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों में साजिश के तहत दवाइयों की कमी की जा रही है। दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों में एक तय तरीका है। दवाइयों का टेंडर किया जाता है और वो दवाइयां अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिकों में दी जाती है। लेकिन सीपीए का जो टेंडर 2023 में किया गया है उसमें बीड आ गई थी लेकिन एक साल तक उसे फाइनल नहीं किया गया। एक साल जब पूरा हो गया तब अब दोबारा मार्च में अब टेंडर किया गया है। यह एक तय साजिश के तहत किया गया कि जब सीपीए का टेंडर ही नहीं हुआ तो दवाइयां कैसे आएंगी। मैंने बार-बार लिखा है कि यह टेंडर किन अधिकारियों की वजह से नहीं हुआ।उनका नाम बताया जाए, लेकिन मुझे नहीं बताया गया। अगर सीपीए के जरिए दवाइयां नहीं आती हैं तो लोकल खरीदारी के जरिए दवाइयां मनाई जाती हैं। सभी अस्पतालों के एमएस और एमडी के साथ मैंने दो बैठकें की हैं। उन्होंने कहा कि जो लोकल खरीदारी होती है उसे लेकर भी स्वास्थ्य विभाग ने कुछ ऐसे सर्कुलर निकाले गए हैं कि दवाइयां ली ही नहीं जा सकती हैं।

सोची-समझी साजिश के तहत उठाया जा रहा कदम : सौरभ भारद्वाज

मोहल्ला क्लीनिकों में टेस्ट बंद कर दिए गए हैं

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ये मामला 2 महीने से भी ज्यादा पुराना मामला है। जनवरी से इस तरह का फीडबैक आ रहा था कि अस्पतालों में दवाइयों की कमियां हो रही हैं। यह भी फीडबैक आ रहा था कि मोहल्ला क्लिनिकों में टेस्ट बंद कर दिए गए हैं। इस पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी चिंता जताई थी। मैंने इस विषय पर स्वास्थ्य सचिव और विभाग में भी बात की। लेकिन आखिरकार जब इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तब मैंने 12 फरवरी को मुख्य सचिव नरेश कुमार को लिखित निर्देश दिया कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों में दवाइयों की कमी है इस पर कार्रवाई करें। मैंने पूछा कि अगर दवाई की कमी है तो निश्चित समय अवधि में मुझे बताएं। यह भी पूछा कि क्या टेस्ट बंद हो गए हैं। यदि हां तो यह भी प्लान बताइए कि कैसे शुरू होगा। लेकिन उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इसके बाद मैंने दोबारा उनको 4 मार्च को यही बात फिर से लिखित रूप में पूछा। लेकिन उनकी तरफ से कुछ नहीं बताया गया। इसके बाद फिर 18 मार्च को फिर से मैंने उन्हें निर्देश दिया कि आप इस पर कार्रवाई करें।

नड्डा गंभीर विषयों पर न ही बोलें तो अच्छा : श्रीनेत

महंगाई व बेरोजगारी पर बोलने की दी नसीहत

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। 19 अप्रैल को 102 सीटों के लिए पहले चरण का मतदान होना है। राजनीतिक दलों में एक दूसरे के खिलाफ तीखी बयानबाजी चल रही है। नेता एक-दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। इस बीच कांगेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पर मंहगाई और बेरोजगारी को लेकर बड़ा हमला किया है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष गंभीर विषयो पर न ही बोलें तो अच्छा होगा। बतौर अध्यक्ष उनका काम इतना ही है कि जब प्रधानमंत्री विदेश दौरे वापस आते हैं तो वे उनकी आगवानी करने के लिए एयरपोर्ट पर पहुंच जाते हैं। कांगेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि वे जेपी नड्डा को चुनौती देती हैं कि देश में बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी पर बोल कर दिखाएं। बता दें कि अक्कर विवादों में रहने वाली कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत हिमांचल प्रदेश के मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और वालीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत पर टिप्पणी करने के बाद विवादों में आ गई थीं। हालांकि हंगामा मचने के बाद उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि था कि यह टिप्पणी उनकी नहीं थी। उनके फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट कई लोग चलाते हैं। किसी और ने यह टिप्पणी की है।

केंद्रीय विद्यालयों में दाखिला की दौड़ होती जा रही कठिन

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। केंद्रीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से दाखिले की दौड़ कठिन होती जा रही है। इस सत्र से केंद्रीय विद्यालयों में सीटों की संख्या कम कर दी गई है। इस तरह से एक कक्षा में 32 छात्रों को ही दाखिला मिलेगा। इससे पहले एक कक्षा में 40 छात्रों को दाखिला दिया जाता था। इस तरह से एक कक्षा में आठ सीटों की कमी कर दी गई है। शिक्षक बच्चों पर सही तरीके से ध्यान द सकें, इसके लिए यह कदम उठाया गया है। हर साल केवी में दाखिले के लिए बड़ी संख्या में आवेदन किए जाते हैं। सीटों की संख्या कम होने से अभिभावकों के लिए दाखिले की परेशानी बढ़ जाएगी। अभी सीटों से अधिक आवेदन किए जा रहे हैं, ऐसे में सीटें कम होने से कई बच्चों के दाखिले के चांस कम हो जाएंगे। केंद्रीय विद्यालयों की कक्षाओं में पहले से जो बच्चे पढ़ रहे हैं, उनकी संख्या को कम नहीं किया जाएगा। केंद्रीय विद्यालय में बालवाटिका व पहली, कक्षा में दाखिले के लिए ऑफलाइन पंजीकरण एक अप्रैल से शुरू हो चुका है, जो कि 15 अप्रैल तक चलेगा। सभी पंजीकृत छात्रों की चयन सूची 19 अप्रैल को जारी की जाएगी। जबकि दूसरी सूची 29 अप्रैल व तीसरी सूची सीटें खाली रहने की स्थिति में आठ मई को जारी की जाएगी। वहीं, दूसरी कक्षा से लेकर अन्य कक्षाओं में (11वीं) को छोड़कर आवेदन एक अप्रैल से दस अप्रैल तक किया जा सकता है। इसके

सीटों की कम हुई संख्या, एक कक्षा में रहेंगे सिर्फ 32 विद्यार्थी

पत्नी की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली के डाबड़ी इलाके में साथ रहने से इनकार करने पर पत्नी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने सागरपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अपने दोस्त के साथ मिलकर 31 मार्च को महिला पर चाकू से हमला कर फरार हो गया था। आरोपी की पहचान सोहन शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से खिलौना पिस्टल बरामद की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 31 मार्च की सुबह 10 बजे डाबड़ी इलाके में एक महिला पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला करने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस डीडीयू अस्पताल पहुंची। घायल महिला की पहचान डाबड़ी गांव निवासी आशा देवी के रूप में हुई। पूछताछ में महिला ने बताया कि अपने पहले पति की मृत्यु के बाद उसने सोहन शर्मा से शादी की थी। पहले पति से उसे एक बेटा और एक बेटी है। जिसे सोहन ने अपनाने से इनकार कर दिया। इस बात को लेकर उनके बीच विवाद रहता था। सोहन उसे जबरन अपने साथ रहने के लिए कहता था। इससे इनकार करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। घटना के समय वह काम पर जा रही थी, इसी दौरान सागरपुर नाले के पास सोहन और उसके दोस्त आरिफ ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया।

- नई दिल्ली में तारा संस्थान के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मां द्रौपदी देवी आनंद वृद्धाश्रम में आयोजित समारोह में भाग लेते मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व अन्य। फोटो देशबन्धु

आयोजन *विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन*

आयुष का विकास दवाओं की गुणवत्ता पर निर्भर : इदरीस

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के ओर से औषधि की गुणवत्ता और सरकार की प्रणाली, जिम्मेदारियां के शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन दरियागंज में किया गया जिस की अध्यक्षता डॉ. सैयद आरिफ जैदी पूर्व डीन ऑफ फैकल्टी यूनानी मेडिसीन जामिया हमदर्द ने की। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. सिकंदर हयात सिद्दीकी ने शिरकत की।

उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि दवाओं की गुणवत्ता डब्लूएचओ के मुताबिक नहीं हो रही है। हालांकि, लोग लाइसेंस तो बनवा लेते हैं लेकिन अक्सर निर्देशों का पालन नहीं करते। प्रोफेसर मोहम्मद इदरीस पूर्व प्रधानाचार्य ए एंड यू तिब्बिया कॉलेज, दिल्ली ने अपने संदेश में कहा कि आयुष का विकास दवाओं की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के महासचिव डॉ. सैयद अहमद खान ने कहा कि भारत सरकार के आयुष विभाग के तहत स्थापित करीब 35 साल पुरानी दवा बनाने वाला संस्थान आईएमपीसीएल द्वारा निर्मित दवाओं के बारे में अक्सर शिकायतें मिलती रहती हैं। यूनानी और आयुर्वेदिक डॉक्टरों की नियुक्ति के बिना यहां चिकित्सा का अभ्यास जारी रहने पर उनकी घटिया गुणवत्ता पर मुहर लग जाती है जबकि डॉक्टरों की नियुक्ति के बिना लाइसेंस ही रद्द कर दिया जाता है। अगर सरकारी संस्थानों में नियम के अनुसार काम नहीं होगा तो दूसरे संस्थानों से क्या उम्मीद की जा सकती है।स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. सैयद आरिफ जैदी ने कहा कि डब्लूएचओ ने कई बार सभी के लिए हेल्थ फॉर ऑल टारगेट फिक्स किए हैं जिसमें यूनानी, आयुर्वेद, सिद्धा आदि को शामिल किया गया है जिस का फ़ायदा यह हुआ कि आज पूरी दुनिया में यूनानी दवाओं से लोग बिना किसी साइडफेक्ट के अपनी बीमारी दूर कर रहे है।यहां एक बात ध्यान में रखने की जरूरत है कि यूनानी तरीका ए इलाज हजारों साल पुराना हैं,आज के समय में यूनानी दवाओं पर रिसर्च हो रही है और लोगों का भरोसा यूनानी दवाओं पर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ये दवाएं कारगर नहीं होती तो ये पैथी कब की खत्म हो चुकी होती।

मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. सिकंदर हयात सिद्दीकी ने की शिरकत

उत्तर रेलवे आज़ादी का अमृत महोत्सव

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता/प्रथम, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1.	कार्य का नाम:	1. सहायक मंडल अभियंता/करनाल के तहत 130 किमी प्रति घंटे की हाई स्पीड ट्रेनों को चलाने के लिए यार्ड में लेआउट का सुधार, मोड़ों का पुनः संरेखण और प्री टैंपिंग और पोस्ट टैंपिंग के लिए ट्रैक का सर्वेक्षण, हाई स्पीड रूट पर डिजाइन मोड टैंपिंग कार्य। 2. सहायक मंडल अभियंता/ पानीपत के तहत 130 किमी प्रति घंटे की हाई स्पीड ट्रेनों को चलाने के लिए यार्ड में लेआउट का सुधार, मोड़ों का पुनः संरेखण और प्री टैंपिंग और पोस्ट टैंपिंग के लिए ट्रैक का सर्वेक्षण, हाई स्पीड रूट पर डिजाइन मोड टैंपिंग कार्य।
2.	अनुमानित लागत	1. रू. 39,58,242.03/- 2. रू. Rs.39,58,242.03/-
3.	धरोहर राशि	1 & 2 रू. 79,200/- यह नेट बैंकिंग या केवल भुगतान gate way के रूप में होना चाहिए। नोट :– एफ.डी.आर. या डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ई.एम.डी. स्वीकार नहीं की जाएगी (रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई–1/सीटी/5/1 दिनांक 31/08/2016) के अनुसार आई.आर.ई.पी.एस. पर आमंत्रित निविदा के लिए।
4.	समापन अवधि	1 & 2 04 महीने
5.	ई–निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	03.05.2024 को 15.00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 03.05.2024 को 15:00 बजे
6.	निविदा की वेब साइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है

नं. 128–डब्ल्यू/280/निविदा सूचना/24–25/डब्ल्यू–I/(NIT-1&2) दिनांक 08.04.2024 1035/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिए गाजियाबाद लोकसभा से कुल 35 अभ्यर्थियों ने 42 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। जिसमें अतुल गर्ग, डोली शर्मा, नंदकिशोर पुंडीर व मोनिका गौतम द्वारा एक से अधिक नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। जिसमें कुल 42 नामांकनों में 22 नामांकन आवेदनों में कमी के चलते अस्वीकृत कर दिए और 20 को स्वीकृति प्रदान की गई।
इन्द्रविक्रम सिंह, जिला निर्वाचन अधिकारी

दो सोसाइटी में लोगों के बीच मारपीट

एक में हाई बीम लाइट तो दूसरी में पार्किंग बनी विवाद की वजह

नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा के दो सोसाइटी में लोगों के बीच जमकर मारपीट हुई। पहला मामला सेक्टर-137 पारस टियारा सोसाइटी का है। यहां हाइबीम लाइट को लेकर दो पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। दूसरा मामना सेक्टर-74 में कार पार्किंग को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस मामले में पुलिस लिखित शिकायत के आधार पर तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पहला मामला पारस टियारा सोसाइटी में हाई बीम को लेकर हुआ विवाद

नोएडा के सेक्टर-137 में पासर टियारा सोसाइटी है। यहां रविवार देर रात दो कार आमने सामने आ गई। एक कार की फ्रंट लाइट हाइ बीम पर थी। इसको कम करने को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। पीड़ित मयंक है इसी सोसाइटी में रहता है। घटना एक मिनट से ज्यादा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लिया। इस मामले में

वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस कर रही जांच

लिखित शिकायत पीड़ित पक्ष की ओर से अभी नहीं दी गई है। बताया गया कि मारपीट करने वाला शख्स भी इसी सोसाइटी में रहता है।

वायरल वीडियो करीब 1 मिनट 20 सेकेंड का है। इस वीडियो में दो पक्षों के लोग आपस में झगड़ा करते हुए दिख रहे है। झगड़ा होता देख आसपास के लोग वहां आ गए। इसके बाद सोसाइटी के गार्ड भी वहां पहुंचे। जिसके बाद हाथापाई कम हुई। वहीं किसी फ्लैट में खड़े व्यक्ति ने इसका एक वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर

वायरल कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूसरा मामला पार्किंग को लेकर सेक्टर-74 में हुए विवाद में दो पक्षों में मारपीट

सेक्टर 74 स्थित एक सोसाइटी में कार पार्किंग को लेकर दो पक्षों में जमकर कहासुनी और मारपीट हुई। मारपीट में एक युवक घायल हो गया। घटना का एक वीडियो आज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मौके पर पहुंची सेक्टर 113 थाना पुलिस ने दोनों पक्षों के तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार रात को सुपरटेक केपटाउन सोसाइटी निवासी अजय ने अपनी कार को सोसाइटी के ही आनंद और नीरज की पार्किंग की जगह पर खड़ा कर दिया और चले गए। रविवार सुबह चार बजे नीरज और आनंद बाहर से वापस आए तो उन्होंने देखा कि उनकी कार पॉर्किंग की जगह पर किसी अन्य ने कार खड़ी कर दी है। उन्होंने सोसाइटी के गार्ड को बुलाकर कार को हटवाने के लिए कहा। अजय को गार्ड ने बुलाया। इसके बाद दोनों पक्षों में पहले कार को खड़ी करने को लेकर कहासुनी हुई। इस दौरान मामला इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। जिसमें एक पक्ष के आनंद के सिर पर चोट आई है। वहीं दूसरे पक्ष के अजय को भी चोटे आई हैं। दोनों के बीच पार्किंग को लेकर हुए विवाद के दौरान सोसाइटी में जमकर हंगामा हुआ। मौके पर भीड़ जमा हो गई। गार्ड और सोसाइटी के लोगों ने बीच बचाव करके दोनों पक्षों को अलग किया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के आनंद, नीरज और अजय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तीनों युवक सोसाइटी में किराए पर रहते हैं और निजी कंपनियों में नौकरी करते हैं।

पुलिस ने अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

■ शिफ्टिंग के दौरान 4 गिरफ्तार ■ फैक्ट्री की आड़ में बना रहे थे तमंचा

नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। थाना ईकोटेक तृतीय पुलिस व क्राइम डिटेक्शन टीम सेन्ट्रल नोएडा जोन ने संयुक्त प्रयास से अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश किया। साथ ही 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 1 पिस्टल, 3 तमंचे और 5 देसी तमंचा बरामद किया गया। ये लोग लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गाजियाबाद स्थित फैक्ट्री से मॉल बुलंदशहर शिफ्ट कर रहे थे। इस दौरान चेकिंग के समय इनको खेड़ चौगानुपर गोल चक्कर के पास ब्रेजा कार समेत गिरफ्तार किया गया।

इनकी पहचान शाहफहद, बादल, शिवमपाल और सादिक के रूप में हुई है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा सुनिति ने बताया कि इन पूरे गैंग का मास्टरमाइंड या सरगना शाह फहद है। शाहफहद ने मकैनिक इंजीनियरिंग में एकेजी कॉलेज गाजियाबाद से 2011 में डिप्लोमा किया। इसने अपनी पत्नी के नाम पर LEO PARD INDIA INDUSTRIES (P) LTD के नाम से पार्ट बनाने की एक कंपनी खोल रखी है। दिखाने के नाम पर ये

लोग खराद का काम करते हैं। ये कंपनी गाजियाबाद में मोर्टा इण्डस्ट्रियल एरिया में अपना एक प्लॉट लेकर खोली गई है। इस कंपनी के एक हिस्से में अवैध हथियार बनाने का काम होता था। जब कोई ग्राहक इनके संपर्क में आता था तो एक या दो दिन का समय लेकर उसको तमंचा एवं पिस्टल उसकी मांग के अनुसार उपलब्ध करा देते हैं। इनके पास से भारी मात्रा में हथियार बनाने वाले उपकरण और रॉ मटेरियल भी बरामद किया गया।

सार संक्षेप

अविवाहित व्यक्ति ने की आत्महत्या

नोएडा। भंगेल गांव में रविवार रात 40 वर्षीय अविवाहित व्यक्ति ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है। फेज दो थाना प्रभारी ने बताया कि भंगेल गांव में रहने वाले 40 वर्षीय धर्मेंद्र ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। स्थानीय लोगों का कहना है धर्मेंद्र किसी बात को लेकर बीते कुछ दिनों से तनाव में चल रहा था। धर्मेंद्र अविवाहित था तथा शराब पीने का आदी था। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है।

नाले में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

नोएडा। छलेरा गांव के गली नंबर तीन में सोमवार सुबह नाले में एक 35 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सेक्टर-39 पुलिस का कहना है कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान नहीं हैं। वहीं स्थानीय लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। शव कई दिन पुराना बताया जा रहा है। शव मिलने के बाद घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की असली वजह सामने आएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नोएडा। राष्ट्र औषधि चैरिटेबल ट्रस्ट ने

सोमवार को प्रधान मार्केट सेक्टर 121 में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इसमें शुगर, ब्लडप्रेशर और हीमोग्लोबिन सहित कई जांच की गई। जांच के दौरान लोगों को भाग दौड़ के शहरीय जीवन में स्वस्थ्य रहने के टिप्स भी बताए गए। बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन लोगों से कम से कम आधा घंटे व्यायाम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जांच के दौरान जिन मरीजों में खून की कमी पाई गई, उन्हें मुफ्त में आइरन और मल्टीविटामिन की गोलियां दी गईं। इसमें ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ. वसुंधरा जोशी, सचिव डॉ. अंकुर मिश्रा, डॉ. फैजल के साथ ही दीपक शर्मा और साहिल नेहरा ने भी अपना योगदान दिया। शिविर में लगभग 150 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच की गई।

प्लॉट दिलाने के नाम पर कारोबारी के 2.5 करोड़ हड़पे

नोएडा। प्लॉट दिलाने के नाम पर तीन निदेशकों ने एक कारोबारी के दो करोड़ 50 लाख रुपए हड़प लिए। पैसे वापस मांगने पर आरोपियों ने कारोबारी के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने मामले की शिकायत सेक्टर-24 पुलिस से की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को नामजद करते हुए धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में उनके खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गाजियाबाद लोकसभा में किसी ने वापस नहीं लिया नामांकन, 14 प्रत्याशी मैदान में

गाजियाबाद, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र से सोमवार को किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन वापस नहीं लिया। आज नाम वापसी की अंतिम तारीख थी। अब लोकसभा से 14 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। आपको बता दें कि नामांकन पत्रों की जांच के बाद कल 14 प्रत्याशियों के नामांकन वैध पाए गए थे। इनमें तीन राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के हैं। बाकी मान्यता प्राप्त अन्य राजनीतिक दलों व निर्दलीय हैं। जिन प्रत्याशियों के नामांकन वैध पाए गए थे। उनमें भारतीय जनता पार्टी से अतुल गर्ग, कांग्रेस-सपा गठबंधन से डोली शर्मा, बहुजन समाज पार्टी से नंदकिशोर पुंडीर, राष्ट्र निर्माण पार्टी से आनंद सिंह, राष्ट्रीय जन कर्मठ पार्टी से अंशुल गुप्ता, सुभाष वादी समाजवादी पार्टी से धीरेंद्र भदोरिया, समाजवादी विकास पार्टी से नमह, राइट टू रिकॉर्ड पार्टी से पूजा तथा अभिषेक पुंडीर अवधेश कुमार औरंगज़ेब कविता नाथू सिंह व रवि कुमार के नामांक निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में स्वीकृत पाए गए थे।

जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रविक्रम सिंह ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिए गाजियाबाद लोकसभा से कुल 35 अभ्यर्थियों ने 42 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। जिसमें अतुल गर्ग, डोली शर्मा, नंदकिशोर पुंडीर व मोनिका गौतम द्वारा एक से अधिक नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। जिसमें कुल 42 नामांकनों में 22 नामांकन आवेदनों में कमी के चलते अस्वीकृत कर दिए और 20 को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत हुए 20 आवेदन 14 अभ्यर्थियों द्वारा किए गए थे। अत: 14 अभ्यार्थियों के आवदेन स्वीकृत किए गए थे। आज नाम वापसी का अंतिम दिन था। किसी भी प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस नहीं लिया।

अनुबंध खत्म होने के बावजूद विज्ञापन प्रदर्शित करने वाली फर्म के चार संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। नगर निगम ने छह साल का अनुबंध खत्म होने के बाद भी एक फर्म एडवरटाइजमेंट का काम कर रही फर्म के चार संचालकों के खिलाफ धोखधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

नगर निगम के विज्ञापन प्रभारी पल्लवी सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि शिव शक्ति ड्रीम होम प्राइवेट लिमिटेड को नगर निगम से वर्ष 2017 में विज्ञापन करने का अनुबंध किया था। जिसमें इस कंपनी को ट्रैफिक सिग्नल के रखरखाव के साथ अपने विज्ञापन प्रदर्शित करने का समझौता था। उन्होंने तहरीर में कहा है कि 23 में 2023 को शिव शक्ति ड्रीम हाउस प्राइवेट लिमिटेड से नगर निगम का अनुबंध खत्म हो गया इसके बावजूद भी ट्रैफिक सिग्नल्स का फर्म द्वारा ट्रैफिक सिग्नल पर विज्ञापन का प्रदर्शन जारी है। इसके साथ ट्रैफिक सिस्टम का हस्तांतरण नहीं किया गया इसके चलते नगर निगम में परम को 24 घंटे का पूरे सिग्नल्स को निगम को सौंप जाने का नोटिस दिया था लेकिन कंपनी ने अभी तक इसको लेकर कोई कार्रवाई नहीं की। इस मामले में कंपनी के संचालक हरीश शर्मा, गुंजन शर्मा, कपिल मोहन गुप्ता व तरुण शर्मा के खिलाफ आईपीएस की धारा 341, 420, 338, 186, सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

भाजपा नोएडा की त्रिदेव बैठक संपन्न 2000 से ज्यादा बूथ की टीम जुड़ी

नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। भाजपा की त्रिदेव बैठक का आयोजन हुआ। भाजपा संगठन ने बूथ अध्यक्ष, बूथ सचिव और बीएलए टू को त्रिदेव का दर्जा दिया है। ये बैठक भाओराव देवदास सरस्वती विद्या मंदिर, सेक्टर 12 में हुई। भाजपा इन त्रिदेव को देवता स्वरूप मानते हुए बूथ पर जीत का जिम्मा सौंपा है। इस बैठक में मुख्य अथिति के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह रहे। उनके साथ नोएडा विधायक पंकज सिंह, गौतमबुद्ध नगर से लोक सभा प्रत्याशी और वर्तमान में संसद डॉ महेश शर्मा भी रहे। स्वतंत्र देव सिंह ने इस बैठक में सभी बूथ के कार्यकर्ताओं को नमन करते हुए की भाजपा ने आप सभी को देवता स्वरूप मानते हुए आपके बूथ पर जीत का जिम्मा सौंपा है। सामान्य चुनावों से लेकर विधायक और सांसद तक के चुनाव में पार्टी के बूथ कार्यकर्ताओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आज हम सभी कार्यकर्ताओं को नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए अपनी भूमिका निभानी है । बूथ जीता, चुनाव जीता मूल मंत्र को लेकर हर बूथ कार्यकर्ता इस लोकसभा चुनाव में डॉ महेश शर्मा के ऐतिहासिक विजय के लिए कार्य करें। उन्होंने इसके साथ कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ते हुए कहा कि हमारा बूथ जितना मजबूत होगा, बूथ पर आपकी पकड़ जितनी मजबूत होगी, आप उतने ही स्वीकार्य नेता माने जाएंगे और आप हर सक्रिय बूथ के कार्यकर्ता की भूमिका पार्टी में महत्वपूर्ण होने वाली है।

बेटियों ने परशुराम भवन के लिए दान दी पिता की जगह

बुलंदशहर, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। एक तरफ जहां सम्पति के लिए रिश्तों को कलंकित किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ बेटियों ने मिशाल पेश की है। पिता की मृत्यु के बाद उनकी जगह को परशुराम भवन के लिए दान कर दिया। अब इस जगह पर पिता की स्मृति में परशुराम भवन का निर्माण किया जाएगा। जहांगीराबाद निवासी पंडित महेश चंद शर्मा की मृत्यु कुछ दिनों पहले बीमारी के चलते हो गई थी। महेश चंद की तीन बेटियां थी। पिता की अरिष्टि पर बेटियों ने पिता की संपत्ति को परशुराम भवन के लिए दान कर दिया। दान की गई संपत्ति की कीमत करीब 10 लाख रुपए है। उनकी मां वीना देवी ने भी अपनी बेटियों के इस फैसले को अपनी सहमति दी।

पिता की मृत्यु के बाद बेटियों ने दान की जगह, पिता की स्मृति में बनेगा भवन

बेटियों के कार्य की हो रही प्रशंसा

महेश चंद की तीन बेटियां हैं। उनकी तीन बेटियों में सबसे बड़ी प्रियंका शर्मा, ज्योति शर्मा और मोनिका शर्मा हैं। पिता की मृत्यु के बाद बेटियों के इस फैसले की सब जगह प्रशंसा की जा रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नहीं खुला युवक की मौत का राज, बिसरा सुरक्षित रखा

नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। सेक्टर-38ए स्थित वाटर पार्क में रविवार दोपहर दोस्तों संग आए दिल्ली के युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की गुत्थी अभी भी उलझी हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने के कारण पुलिस द्वारा बिसरा प्रिजर्व कर लिया गया है। लिखा पढ़ी की कार्रवाई के बाद बिसरा को विधि विज्ञान प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद युवक की मौत का असली कारण पता लग सकेगा। सेक्टर-39 थाना प्रभारी ने बताया कि युवक को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मृतक युवक के परिजनों ने वाटर पार्क प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि प्रबंधन की लापरवाही से युवक की जान गई है। घंटों युवक को प्राथमिक उपचार नहीं उपलब्ध कराया गया। जिस एंबुलेंस से युवक को भेजा गया उसमें ऑक्सीजन सपोर्ट नहीं था। पुलिस जल्द ही प्रबंधन से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है। सोमवार को युवक का अंतिम संस्कार किया गया। दिल्ली के आदर्श नगर का 25 वर्षीय धनंजय माहेश्वरी रविवार सुबह अपने दोस्तों अंशुल गुप्ता, राघव गुप्ता, सागर गुप्ता और

- परिजनों ने वाटर पार्क प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दी शिकायत
- मृतक के दोस्तों से पुलिस की टीमों ने की कई घंटे पूछताछ

पीयूष लांबा के साथ जीआईपी स्थित एंटरटेनमेंट सिटी वाटर पार्क में आया था। वह घर से 11 बजे के करीब निकला और साढ़े 12 बजे नोएडा पहुंचा। वाटर पार्क में धनंजय और उसके चार अन्य साथी कॉस्टयूम लेने के बाद सीधे स्लाइडिंग पर पहुंचे। पांचों ने एक-एक करके स्लाइडिंग शुरू कर दी। जैसे ही धनंजय स्लाइडिंग करके नीचे आया उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी। वाटर पार्क में लगे सुरक्षाकर्मियों के द्वारा इसकी सूचना अपने उच्च अधिकारियों को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआईपी मॉल प्रबंधन ने एंबुलेंस से धनंजय माहेश्वरी को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने युवक को देखते ही मृत घोषित कर दिया। परिजनों का दावा है कि धनंजय के पैर और कमर पर चोट के निशान हैं। ऐसे में उसके साथ अनहोनी होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। पुलिस ने मृतक के दोस्तों से भी इस मामले को लेकर पूछताछ की है।

विद्यार्थियों ने वंचित व कम आय वाले अभिभावकों के बच्चों को वितरित की किताबें

नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। जेनेसिस ग्लोबल स्कूल (जीजीएस) सेक्टर 132 नोएडा के विद्यार्थियों ने स्कूल ऑथोरिटीज के साथ वंचित बच्चों और कम आय वाले अभिभावकों के लिए सैकड़ों किताबें दान की। जेनेसिस ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों एवं प्रबंधन द्वारा संचालित 'हर हाथ-एक किताब' कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें जरूरतमंद छात्रों की मदद करने व उन्हें सीबीएसई की अपनी गत वर्ष की किताबें दीं। ताकि वे अपनी नई कक्षाओं में अपनी संबंधित किताबों के साथ स्कूल जाए और अपने अध्ययन को सुगमता से कर सकते हैं। बच्चों की इस पहल की जेनेसिस ग्लोबल स्कूल की प्रिन्सिपल मधुर गुप्ता एवं जनरल मैनेजर सुबी श्रीवास्तव ने काफी प्रशंसा करते हुए अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। बच्चों ने बताया कि पिछले वर्ष गौतमबुद्धनगर पेरेंट्स वेलफेयर सोसाइटी (जीपीडब्ल्यूएस) के वार्षिक कार्यक्रम में उन्होंने भाग लिया। वहीं से उन्हें इस प्रकार के कार्यक्रम करने की प्रेरणा मिली है। यह

कार्यक्रम उन्होंने अपनी स्कूल की सामाजिक विकास अधिकारी ज्योत्सना बत्रा के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संभव हुआ है। ज्योत्सना बत्रा ने अपने छात्रों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने और अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यदि सभी स्कूल के विद्यार्थी अपनी पुरानी पुस्तकें जरूरतमंद विद्यार्थियों को दे देते हैं ऐसे में पर्यावरण की समस्या के कम होने की संभावना के साथ इन विद्यार्थियों के अभिभावकों को आर्थिक रूप से राहत मिलेगी। और कहा कि हम उन अभिभावकों का भी धन्यवाद करते हैं जो अपने बच्चों को सामाजिक कार्य करने को प्रेरित करते हैं।

वैश्वीकरण के इस दौर में हमें भाषा के संरक्षण का बीड़ा उठाना पड़ेगा : ऋषि कुमार शर्मा

महफिल ए बारादरी में सिर चढ़ कर बोला पंकज शर्मा, गुलशन, 'गौहर', नेहा, 'उर्वी' और खुशबू के गीत-गजल का जादू

गाजियाबाद, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। हिंदी अकादमी के उप सचिव ऋषि कुमार शर्मा ने कहा कि वैश्वीकरण के इस दौर में हमें भाषा के संरक्षण का बीड़ा उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अकादमिक स्तर पर उन्हें यह अवसर मिला है कि आज अकादमी आपके दरवाजे तक आ रही है। कविता आपके द्वार के सार्थक नतीजे भी देखने को मिल रहे हैं।

ऋषि नेहरू नगर स्थित सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में आयोजित महफिल ए बारादरी के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम अध्यक्ष व शायर भारत दीप माथुर ने कहा कि वैचारिक विविधता के क्षेत्र में बारादरी बेमिसाल कम कर रही है। आगरा से आए माथुर

ने अपने अशआर पर जमकर दाद बटोरी। उन्होंने फरमाया 'तुम्हारे शहर में उल्फत की क्या खपत होगी, तुम्हारे शहर में मैं कारोबार करना चाहता हूं।' कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पंकज शर्मा ने अपने गीतों पर खूब सराहना बटोरी। उनकी पंक्तियां 'जब मैं तन्हा हो जाऊंगा, गुमनामी में खो जाऊंगा, दुनिया के बंधन टूटेंगे, जब मेरे मुझ से रुठेंगे, तब मेरे दीवान से चुनकर, कोई नज़्म सुनाओगी क्या, मुझसे मिलने आओगी क्या, बोलो प्रीत निभाओगी क्या' विशेष रूप से सराही गईं। बारादरी के अध्यक्ष गोविंद गुलशन ने 'मुझको इस बार दुआओं का असर देखना है, कैसे बच पाता है आंधी में शजर देखना है' पर भरपूर दाद बटोरी। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. तारा गुप्ता की सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन खुशबू सक्सेना ने किया। सुभाष चंदर, जगदीश पंकज, बी. के. वर्मा 'शैदी', डॉ. वीना मित्तल, डॉ. सुधीर त्यागी, आलोक यात्री, उर्वशी अग्रवाल 'उर्वी', उर्मिल शर्मा व डॉ. शगुन गोयल सहित बड़ी संख्या में काव्य अनुरागी उपस्थित थे।

मेवाड़ में विचार संगोष्ठी आयोजित

गांवों को खुशहाल बनाना है तो उन्हें स्वशासी बनाना होगा : बजाज

गाजियाबाद, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। सेंटर फॉर पालिसी स्टडीज चेन्नई और दिल्ली के निदेशक जितेन्द्र बजाज ने बयहां कहा कि पहले के गांव स्वशासी हुआ करते थे। उनके अपने अलग नियम-कायदे होते थे। उन्हें सरकारें संचालित नहीं करती थीं बल्कि गांवों के माध्यम से सरकारें संचालित होती थीं। उन्होंने कहा कि अगर गांवों को खुशहाल बनाना है तो उन्हें स्वशासी बनाना होगा। प्रभाष परम्परा न्यास, प्रज्ञा संस्थान और मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से आयोजित विचार संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता जितेन्द्र बजाज ने ये विचार व्यक्त किये। वह 'भारत का एक स्वशासी गांव' विषय पर बोल रहे थे। दक्षिण में कांचीपुरम के गांव उल्लावुर का उदाहरण देते हुए उन्होंने इस गांव के इतिहास-भूगोल पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि खेती, अन्न उत्पादन, मंदिर और पानी के मामले में उल्लावुर बहुत समृद्ध गांव है। आज से करीब तीन सौ साल पहले इस गांव के 83 घर बहुत

साधन सम्पन्न हुआ करते थे। पल्लव काल के कवियों की कविताओं में उल्लावुर की समृद्धि की दास्तान पढ़ने को मिलती है। सरकार को इस गांव के इतिहास से सीखते हुए भारत के सभी गांवों को स्वशासी बनाना चाहिए। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय ने अपने वक्तव्य में कहा कि गांधी जी ने अपने हिन्द स्वराज में जिन गांवों का उल्लेख किया है, वे सभी स्वशासी गांव हैं। विचार संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार नीलम गुप्ता समेत मेवाड़ परिवार के सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। संचालन भार वरिष्ठ पत्रकार मनोज मिश्र ने संभाला।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

मस्जिदों, चर्चों, मंदिरों और पूजा के अन्य स्थलों को निर्वाचन प्रचार के मंच के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जाएगा। सभी दल और अभ्यर्थी ऐसी सभी गतिविधियों से ईमानदारी से परहेज करेंगे जो निर्वाचन विधि के अधीन भ्रष्ट आचरण एवं अपराध है।

मनीष कुमार वर्मा, जिला निर्वाचन अधिकारी

ग्रेनो वेस्ट की चार मूर्ति पर बनेगा नोएडा एयरपोर्ट व एक्वा लाइन फेस-टू मेट्रो का इंटीग्रेटेड स्टेशन

ग्रेटर नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति गोल चक्कर पर गाजियाबाद टू नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और एक्वा लाइन फेस- टू का इंटीग्रेटेड स्टेशन बनेगा। ऐसा होने पर एक्वा लाइन के लिए चार मूर्ति गोल चक्कर से नॉलेज पार्क- 5 तक प्रस्तावित 10 किमी का कॉरिडोर अलग से बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे करीब 1800 - 2000 करोड़ रुपए की बचत होगी। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) द्वारा प्रस्तुत की गई डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में इसका प्रावधान किया गया है।

दरअसल नोएडा एयरपोर्ट की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए गाजियाबाद वाया ग्रेटर नोएडा वेस्ट, परीचौक, यीडा सिटी के लिए रैपिड रेल परियोजना पर तेजी से काम चल रही है। 72.29 किमी लंबे इस कॉरिडोर पर ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति पर स्टेशन का

- एक्वा लाइन मेट्रो का चार मूर्ति से नॉलेज पार्क- 5 तक कॉरिडोर बनाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। यहीं पर एक्वा फेस- टू का कॉरिडोर भी मिल रहा है, जो नॉलेज पार्क-5 तक प्रस्तावित है। नोएडा एयरपोर्ट का कॉरिडोर भी नॉलेज पार्क से होकर जा रहा है। एक्वा लाइन फेस- टू और नोएडा एयरपोर्ट का ही रूट होने से चार मूर्ति से आगे एक्वा लाइन के लिए अलग से कॉरिडोर बनाने की जरूरत नहीं होगा। यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक 10 किमी का कॉरिडोर एक्वा लाइन फेस-2 और नोएडा एयरपोर्ट के लिए संचालित संचालित होने वाली रैपिड/मेट्रो के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इससे 1800 से 2000 करोड़ रुपए की बचत होगी।

फिल्म सिटी के लिए नहीं बनाना पड़ेगा अलग से कॉरिडोर

नोएडा एयरपोर्ट और यीडा सिटी के सेक्टर-21 में विकसित होने वाली फिल्म सिटी के बीच बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रस्तावित लाइट मेट्रो रेल के लिए अलग से कॉरिडोर नहीं बनाना पड़ेगा। गाजियाबाद टू नोएडा एयरपोर्ट कॉरिडोर पर ही फिल्म सिटी के लिए लाइट मेट्रो का संचालन किया जाएगा, इसमें तीन कोच होंगे।

लाइट मेट्रो के संचालन में कोई दिक्कत न हो, इसके लिए कुछ प्रमुख स्टेशनों पर लूट का निर्माण किया जाएगा। एक ही ट्रैक पर रैपिड रेल, मेट्रो व लाइट मेट्रो का संचालन किया जाएगा।

प्रत्याशियों को तीन बार देना होगा चुनाव खर्च का ब्यौरा

ग्रेटर नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। चुनाव प्रेक्षक एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की उपस्थिति में प्रत्याशियों के साथ बैठक संपन्न हुई, जिसमें आदर्श आचार संहिता, प्रत्याशियों द्वारा किए गए चुनावी व्यय का लेखा-जोखा एवं सुविधा, सी-विजिल ऐप के संबंध में प्रत्याशियों को विस्तृत जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के संबंध में सभी प्रत्याशियों को विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि कोई दल या अभ्यर्थी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा, जिससे भिन्न जातियों और धार्मिक या भाषाई समुदायों के बीच विद्यमान मतभेद अधिक गंभीर हो सकते हैं या परस्पर नफरत हो सकती है या तनाव पैदा हो सकता है। यदि राजनीतिक दलों की आलोचना की जाए तो यह उनकी नीतियों और कार्यक्रमों, गत रिकॉर्ड और कार्य तक ही सीमित रखी जाएगी, मत प्राप्त करने के लिए जाति, संप्रदाय की भावनाओं के आधार पर कोई अपील नहीं की जाएगी। जिला निर्वाचन

- चुनाव प्रेक्षक व जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रत्याशियों के साथ की बैठक
- आदर्श आचार संहिता का पालन करें सभी राजनीतिक दल व प्रत्याशी
- निर्वाचन के दौरान निर्वाचन में 95 लाख तक का व्यय कर सकते हैं प्रत्याशी
- प्रत्याशियों को अपना आपराधिक रिकॉर्ड प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में तीन बार करना होगा प्रकाशित

अधिकारी ने बताया कि मस्जिदों, चर्चों, मंदिरों और पूजा के अन्य स्थलों को निर्वाचन प्रचार के मंच के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जाएगा। सभी दल और अभ्यर्थी ऐसी सभी गतिविधियों से ईमानदारी से परहेज करेंगे जो निर्वाचन विधि के अधीन भ्रष्ट आचरण एवं अपराध है। कोई भी राजनीतिक दल या अभ्यर्थी अपने अनुयायियों को किसी भी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी भूमि, भवन, परिसर की दीवारों इत्यादि पर झंडा लगाने, बैनर लटकाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने आदि की अनुमति नहीं देगा। निर्वाचन के दौरान निर्वाचन में 95 लाख तक का व्यय कर सकते हैं प्रत्याशी-प्रत्याशियों को अपना अपराधिक रिकॉर्ड प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में तीन बार प्रकाशित कराना होगा। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सभाएं, जुलूस, मतदान दिवस की गतिविधियों को लेकर विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई। साथ ही बताया कि मतदान बूथ पर मतदाताओं को छोड़कर ऐसा कोई व्यक्ति मतदान बूथ के भीतर प्रवेश नहीं करेगा, जिसके पास निर्वाचन आयोग का कोई मान्य पास नहीं है। उन्होंने बताया भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा प्रेक्षकों को नियुक्त किया जाता है, यदि अभ्यर्थियों या उनके अभिकर्ताओं को निर्वाचन के संचालन के संबंध में कोई विशेष शिकायत या समस्या होती है तो उसे प्रेक्षक के ध्यान में ला सकते हैं।

सभी प्रत्याशियों के व्यय रजिस्टर की जांच के लिए तीन तिथियां 12, 18 एवं 24 अप्रैल 2024 निर्धारित की गई हैं। इसमें सभी प्रत्याशियों को अपने व्यय पंजिका व लेखा जोखा प्रस्तुत करना होगा। इस अवसर पर सामान्य प्रेक्षक सिमरनदीप सिंह, पुलिस प्रेक्षक शंकर चौधरी एवं व्यय प्रेक्षक सृष्टि चौधरी व राजराजेश्वरी ने चुनाव आयोग के गाइड लाइन को गहनता से अध्ययन करने के लिए कहा।

इंटरनेशनल मूट कोर्ट में लॉ कॉलेज देहरादून की टीम बनी विजेता

ग्रेटर नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ एवं ऑर्बिट लॉ सेवा के सहयोग से 8वीं आनंद स्वरूप गुप्ता मेमोरियल इंटरनेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से 32 टीम ने भाग लिया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति जकी उल्लाह खान, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, इश्तियाक अली, संस्थापक और प्रबंध भागीदार, ऑर्बिट लॉ सर्विसेज डॉ. वी.के.आहूजा, निदेशक, आईएलआई रहे।

लॉ कॉलेज देहरादून की टीम विजेता और राम मनोहर लॉ यूनिवर्सिटी की टीम दूसरे स्थान पर रही। शारदा स्कूल ऑफ लॉ ने विजेता टीम को 50000 हजार

रुपए एवं उपविजेता टीम को 25000 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ की डीन कोमल विज ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। यह प्रतियोगिता लगातार तीन दिन तक भिन्न-भिन्न चरणों में चली और सभी प्रतिभागियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में विधि विभाग के प्रोफेसर डॉ. भूपेंद्र सिंह ने सभी का धन्यवाद किया और प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सभी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. चांसलर वाईके गुप्ता, वाइस चांसलर डॉ. सिबाराम खारा, प्रो. वाइस चांसलर परमानंद, डायरेक्टर पीआर डॉ. अजीत कुमार और ज्ञान और विधि विभाग के प्रोफेसर व सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव में 15 प्रत्याशियों के बीच होगा मुकाबला

- नामांकन वापसी के दिन किसी भी प्रत्याशी ने नहीं लिया नाम वापस
- जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रत्याशियों को वितरित किए चुनाव चिन्ह

ग्रेटर नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध नगर लोकसभा-13 में लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने की तारीख 8 अप्रैल, सोमवार निश्चित था। चुनाव आयोग के निर्धारित समय तक किसी भी प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस नहीं लिया। गौतम बुद्ध नगर लोकसभा सीट पर 15 प्रत्याशी मैदान में हैं, अब इन्हीं के बीच मुकाबला होगा। लोकसभा प्रत्याशियों की उम्मीदवारी निश्चित होने पर जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सभी प्रत्याशियों ने चुनाव चिन्ह वितरित किया। जिममें तीन बड़े राजनीतिक पार्टी के प्रत्याशी के साथ चार निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। इस लोक सभा

चुनाव में सिर्फ एक महिला प्रत्याशी कुमारी शालू, लोकतांत्रित जन शक्ति पार्टी से हैं।

फाइनल प्रत्याशियों की सूची

राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त और राज्य राजनैतिक दलों के प्रत्याशी

>> डॉक्टर महेंद्र नागर, समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन
>> डॉक्टर महेश शर्मा, भारतीय जनता पार्टी
>> राजेंद्र सिंह सोलंकी, बहुजन समाज पार्टी

राष्ट्रीय पार्टियों से अलग रजिस्टर्ड राजनैतिक दल

>> किशोर सिंह, नेशनल पार्टी
>> नरेश नौटियाल, भारतीय राष्ट्रीय जन सत्ता
>> नारावेदश्वर, सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी (सुभाष पार्टी)
>> भीम प्रकाश जिज्ञासू, वीरो के वीर इंडियन पार्टी
>> मनीष कुमार द्विवेदी, अखिल भारतीय परिवार पार्टी
>> रण सिंह डुडी, सुपर पावर इंडिया पार्टी
>> राजीव मिश्रा, जय हिंद नेशनल पार्टी
>> कुमारी शालू, लोकतांत्रित जन शक्ति पार्टी

निर्दलीय उम्मीदवार

>> पराग कौशिक
>> महकार सिंह
>> मौ. मुमताज आलम
>> शिवम आशुतोष(

लोकसभा प्रत्याशियों को मिले चुनाव चिन्ह

ग्रेटर नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध नगर संसदीय क्षेत्र के लिए नाम वापसी की तिथि 8 अप्रैल को किसी भी प्रत्याशी के द्वारा अपना नामांकन वापस नहीं लिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सभी 15 प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किये। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नागर को साइकिल, भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा को कमल, बसपा के प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी को हाथी, नेशनल पार्टी के प्रत्याशी किशोर सिंह को भाला फेंक, भारतीय राष्ट्रीय जनसत्ता पार्टी के प्रत्याशी नरेश नौटियाल को बैटरी टॉर्च, सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी (सुभाष पार्टी) के प्रत्याशी नारावेदश्वर को अलमारी, वीरों के वीर इंडियन पार्टी के प्रत्याशी भीम प्रकाश जिज्ञासु को हीरा, अखिल भारतीय परिवार पार्टी के प्रत्याशी मनीष कुमार द्विवेदी को केतली, सुपर पावर इंडिया पार्टी के प्रत्याशी रण सिंह डुडी को दूरबीन, जय हिंद नेशनल पार्टी के प्रत्याशी राजीव मिश्रा को बांसुरी, लोकतांत्रिक जनशक्ति पार्टी की प्रत्याशी कुमारी शालू को त्रिभुज, निर्दलीय प्रत्याशी पराग कौशिक को सीटी, निर्दलीय प्रत्याशी महकार सिंह को बाल्टी निर्दलीय प्रत्याशी मोहम्मद मुमताज आलम को कंप्यूटर तथा निर्दलीय प्रत्याशी शिवम आशुतोष को गुब्बारे का चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया।

रामईशोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

ग्रेटर नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। रामईश संस्थान में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'रामईशोत्सव-2024' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थापक डॉ. आर. सी. शर्मा ने दीप प्रज्वलित करके किया। आयोजित कार्यक्रम में ग्रेटर नोएडा के 15 विभिन्न संस्थानों के लगभग 150 छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

जिसमें एकल संगीत गायन, युगल गीत, एकल नृत्य, समूह नृत्य, अभिनय नाटक एवं फैशन शो जैसे कार्यक्रमो ने शमा बांधा। कार्यक्रम के अंत में खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान की प्रबंध निदेशिका प्रतिभा शर्मा तथा सभी विभागों के प्राचार्य मनीष कुमार विश्नोई, डॉ. पल्लवी मनीष लवहाले, शिखा सिंह, विभागाध्यक्ष डॉ संगीता गुप्ता एवं डॉ. संदीप कुमार बंसल आदि उपस्थित रहे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जिम्स में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने 'माई हैल्थ माई राइट' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि फोर्टिस अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की अपर निदेशक डॉ. सोनाली गुप्ता एवं संस्थान के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. राकेश गुप्ता ने दीप प्रज्जवलित कर किया। डॉ. सोनाली ने विश्व में महिलाओं में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन के माध्यम से सर्वाइकल मुक्त विश्व की कल्पना करी। कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. रम्भा पाठक ने 'माई

हैल्थ माई राइट' विषय पर लोगों को जागरूक किया। विभाग के आचार्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही संसाधन एवं सुविधाओं का उपयोग करते हुए अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी। डॉ. रितु शर्मा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग ने कहा कि संस्थान में महिलाओं के लिए सर्वाइल कैंसर की वैक्सीन सस्ती दरों पर उपलब्ध है। माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार साहनी ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है कि सही समय पर आवश्यक जॉच करायी जाती रहें ताकि बीमारियों का पता समय से लग सके। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की डॉ. प्रियंका एवं डॉ. दीपशिखा ने छात्रों को कई प्रकार की जागरूकता सम्बंधी प्रतियोगिता करायी।

रक्तदान शिविर में शिक्षक व विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा

ग्रेटर नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। जीएनआईटी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में एक महत्वपूर्ण मुफ्त स्वास्थ्य जांच और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जो इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के बीच परोपकारिता और सामुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा देते हुए रक्तदान को प्रोत्साहित करना और सुविधा प्रदान करना था।

रक्तदान शिविर में छात्रों और संकाय सदस्यों दोनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। इस नेक काम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए 35 से अधिक व्यक्ति रक्तदान करने के लिए आगे आए। कार्यक्रम का आयोजन पल्स फाउंडेशन के स्वास्थ्य पेशेवरों और ब्लड बैंक अधिकारियों के सहयोग से कॉलेज प्रशासन द्वारा सावधानीपूर्वक किया गया था। प्रतिभागियों के लिए सुचारू पंजीकरण, स्क्रीनिंग और दान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पूर्व व्यवस्था की

गई थी। शिविर की सफलता का श्रेय आयोजन टीम, स्वयंसेवकों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से प्रतिभागियों के सामूहिक प्रयासों को दिया जा सकता है।

रक्तदान करके छात्रों और संकाय सदस्यों ने समाज के प्रति सहानुभूति और जिम्मेदारी का उदाहरण दिया। इस आयोजन ने न केवल नियमित रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई बल्कि कॉलेज के भीतर समुदाय और एकजुटता की भावना को भी बढ़ावा दिया।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

नोएडा की बेटी अंशिका सिंह ने ऑस्ट्रेलिया में लहराया देश का परचम

ग्रेटर नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। कहते हैं कि मन में अगर चाह हो तो सफलता खुद-बखुद कदम चूमती है। नोएडा के सेक्टर 14ए की रहने वाली बेटी अंशिका सिंह ने इस कथन को साकार कर दिखाया है। 2022 में एक अनूठा ऐप बनाकर जिस स्टार्ट अप के रूप में इस ऐप को शुरू किया। दो साल से भी कम समय में उस कंपनी की वैल्यू 27 करोड़ रुपए हो चुकी है। इस स्टार्टअप के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने अंशिका को सम्मानित भी किया।

दरअसल, अंशिका सिंह, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में ओएसडी संतोष कुमार की बड़ी बेटी हैं। अंशिका का परिवार मूल रूप से हाथरस से है। अंशिका ने 12वीं तक की पढ़ाई डीपीएस नोएडा से पूरी करने के बाद 2017 में रॉयल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी से स्कॉलरशिप के साथ स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद 2022 में खुद के दम पर आउट-रीड (out&read.com) ऐप के नाम से स्टार्टअप कंपनी की नींव रखी। इस ऐप से किसी भी बड़े दास्तावेज का सारांश (समेरी) चंद पलों में प्राप्त कर सकते हैं। आपको हजारों पन्ने का डॉक्यूमेंट पढ़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि सभी

- स्टार्ट अप में एक ऐप बनाकर दो साल में खड़ी कर दी 27 करोड़ की कंपनी
- हजारों पेज के डॉक्यूमेंट्स का सारांश इस ऐप से तत्काल प्राप्त कर सकते हैं
- बेस्ट स्टार्टअप में से एक चुने जाने पर ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने किया पुरस्कृत

जरूरी बातें चंद लाइनों में सिमटकर आ जाएगी। किसी भी रिसर्च डॉक्यूमेंट का सारांश इस ऐप की मदद से प्राप्त किया जा सकता है। इससे समय की भी बचत होगी। इसका इस्तेमाल शिक्षण संस्थानों, रिसर्च सेंटरों, छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने समेत तमाम जगहों पर किया जा सकता है। ऐप शुरू होने से अब तक बड़ी तादात में संस्थनों व व्यक्तिगत रूप से भी लोगों ने इसे सब्सक्राइब किया है। इसे ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप में से एक चुना गया, जिसके लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने अंशिका को पुरस्कृत भी किया। वे अभी मेलबर्न में रह रही हैं। अंशिका ने छोटी सी पूंजी से इस कंपनी की शुरुआत की और अब इस कंपनी की मार्केट वैल्यू दो साल से भी कम समय में 27 करोड़ रुपए पहुंच चुकी है। गूगल के मुख्य वैज्ञानिक जेफ डीन, यूएस कंपनी टेक स्टार ने शुरुआती निवेश के लिए सहयोग किया है। अंशिका कहती हैं कि पढ़ाई के दौरान ही उनके दिमाग में यह आइडिया आया। अंशिका को खुद के पैरों पर जल्द खड़े होने की चाह थी। उन्होंने इस पर काम शुरू किया और दो साल की कड़ी मेहनत के बाद अपनी सहपाठी गाजियाबाद की जान्ह्वी चौधरी के साथ मिलकर इस ऐप को तैयार किया। उनका लक्ष्य अगले पांच साल में इस कंपनी की मार्केट वैल्यू लगभग ढाई हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाना है। उनकी कोशिश है कि इस ऐप को पॉपुलर बनाने की है, ताकि शिक्षण संस्थान, कंपनियां, रिसर्च सेंटर आदि जगहों पर इसका इस्तेमाल हो, लोगों को इसका लाभ मिल सके।

शिक्षकों की शिक्षण योग्यता में सुधार के लिए पांच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। गौतम बुध विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी में शिक्षकों की शिक्षण योग्यता में सुधार हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय शिक्षक गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत प्रोफेसर रविंद्र कुमार सिन्हा, कुलपति, जीबीयू शामिल हुए। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों को रोजगारपरक कार्यक्रमों में ज्ञानवर्धन हेतु प्रतिभाग को प्रेरित किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विभाग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खुलने पर शिक्षकों एवम विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की। डॉ. विश्वास त्रिपाठी, कुलसचिव ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और विज्ञान की अन्य शाखाओं के अध्ययन में सामंजस्य स्थापित करने पर बल दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर संजय कुमार शर्मा, अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी ने विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग से दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग आज के युग की परम आवश्यकता है। डॉ. प्रदीप तोमर, प्रवेश प्रमुख, ने छात्रों को नए समसामयिक विषयों के अध्ययन में प्रतिभाग को प्रेरित किया।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्ध नगर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-लुक्सर की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-एल.यू.के.01148, भूखण्ड संख्या-एन-35, क्षेत्रफल-460 वर्ग मीटर श्री जग्गे पुत्र श्री टेकचन्द, निवासी-ग्राम-लुक्सर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्री जग्गे पुत्र श्री टेकचन्द की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री महकार, जितेन्द्र, कुलदीप, ललित पुत्रगण स्व0 श्री जग्गे, श्रीतमी रमेशवती पत्नी स्व0 श्री जग्गे, श्रीमती रीता देवी (विवाहित), श्रीमती सरला (विवाहित), श्रीमती सुन्दरी (विवाहित), श्रीमती ईशन (विवाहित), श्रीमती सन्तोष (विवाहित) पुत्रीगण स्व0 श्री जग्गे, निवासी-ग्राम-लुक्सर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 में से सर्वश्री महकार, जितेन्द्र, कुलदीप, ललित पुत्रगण स्व0 श्री जग्गे, निवासी-ग्राम-लुक्सर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री महकार, जितेन्द्र, कुलदीप, ललित पुत्रगण स्व0 श्री जग्गे, निवासी-ग्राम-लुक्सर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तैल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मिर्जापुर में उप जिलाधिकारी, दादरी से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 3194/एस0टी0-एस0डी0एम0/2024, दिनांक 21.02.2024 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक स्व0 श्रीमती रामवती पत्नी श्री चन्दरे निवासी ग्राम बिशनूली, परगना व तहसील-दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
मिर्जापुर	83 136	स्व0 श्रीमती रामवती पत्नी श्री चन्दरे निवासी ग्राम बिशनूली, परगना व तहसील दादरी-जनपद गौतमबुद्धनगर	श्री वेदप्रकाश भाटी	पुत्र	49 वर्ष
			श्री मस्तराम	पुत्र	40 वर्ष
			श्रीमती राजेश देवी	पुत्री विवाहित	55 वर्ष
			श्रीमती राकेश देवी	पुत्री विवाहित	46 वर्ष
			श्रीमती राजन देवी	पुत्री विवाहित	57 वर्ष

उपरोक्त पारिवार सदस्यों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा। यदि वारिसान को स्वतः निरस्त समझाा जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, मंगलवार 9 अप्रैल 2024
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

गज़ा में रक्तपात के छह महीने

गज़ा पर इजरायल के हमले को 6 महीने हो चुके हैं। 7 अक्टूबर 2023 को हमास की ओर से इजरायल पर किए गए हमले के खिलाफ बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध का ऐलान कर दिया था। हमास ने इजरायल से 253 लोगों को बंधक बना लिया था। जिनमें से 130 अब भी बंधक हैं और कम से कम 34 की मौत हो चुकी है। अपने लोगों को छुड़ाने और हमास के खात्मे के नाम पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गज़ा पर आक्रमण किया था। इन छह महीनों में न हमास खत्म हुआ, न बंधकों की सुरक्षित रिहाई का कोई रास्ता निकला, लेकिन इस बीच गज़ा में खून की नदियां खूब बहीं। कम से कम 30 से 35 हजार लोग मारे जा चुके हैं। इनमें से 13 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत हुई है, 12 हजार से ज्यादा बच्चे बुरी तरह घायल हैं, हजारों बच्चे विकलांगता का शिकार भी हो चुके हैं। गज़ा के आम लोग पिछले छह महीनों से लगातार आक्रमणों का सामना कर रहे हैं और इसके साथ उन्हें बीमारी, भुखमरी, लूटपाट इन सबका शिकार भी होना पड़ रहा है। गज़ा से जो तस्वीरें बाहर आती हैं, उन्हें देखकर कहा जा सकता है कि दुनिया में इंसानियत पूरी तरह मर चुकी है। इज़रायल केवल हमास को खत्म करने के नाम पर गज़ा पर बम और गोलियां नहीं दाग रहा, वो लोगों तक राहत सामग्री भी नहीं पहुंचने दे रहा है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट है कि उत्तरी गज़ा में फंसे 30 हज़ार लोग जनवरी से रोज़ाना औसतन 245 कैलोरी पर जी रहे हैं, जबकि सामान्य तौर पर महिलाओं के लिए 12 सौ से 24 सौ और पुरुषों के लिए 2 हजार से 3 हजार कैलोरी की जरूरत बताई जाती है।

निर्दोषों को मारना, बीमारों को इलाज की सुविधा से दूर करना, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित वातावरण नहीं देना, पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुंचने से रोकना, ये सब इंसानियत के खिलाफ गंभीर अपराध हैं। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने इज़रायल पर जनसंहार के गंभीर इल्ज़ाम भी लगाए हैं। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय द हेग में इज़रायल पर मुकदमा दायर किया गया है। लेकिन इज़रायल ने इन आरोपों से इंकार कर दिया है। इज़रायल के वकीलों ने से एक टाल बेकर ने द हेग की अदालत में कहा कि इजरायल और फ़िलिस्तीन दोनों ओर नागरिकों को आज जिस परेशानी से गुजरना पड़ रहा है वो हमास की रणनीति का नतीज़ा है। यानी इज़रायल यह मान रहा है कि गलती हमास की है, लेकिन फिर भी वो सजा आम लोगों को दे रहा है।

9 अक्टूबर को इज़रायल के रक्षा मंत्री योआव गैलांट ने बीरशेबा में इज़रायली सेना की दक्षिणी कमान का दौरा करने के बाद कहा था, 'मैंने गज़ा पट्टी की पूरी तरह से घेराबंदी करने का आदेश दिया है। वहां न बिजली होगी, न खाना और ना इंसान रूपी जानवरों से लड़ रहे हैं, लिहाजा हम इसी के मुताबिक़ कदम उठाएंगे।' द.अफ्रीका की कानूनी टीम के मुताबिक गैलांट का बयान जनसंहार के इरादे को ही दिखाते हैं।

इज़रायल जनसंहार के आरोपों से बचता है या उस पर अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कोई कार्रवाई होती है, यह तो वक्त आने पर ही पता चलेगा, फिलहाल इज़रायल ने जो रक्तपात मचाया है, उससे इज़रायल की जनता भी नाराज दिख रही है। इज़रायल में जनता लगातार सड़कों पर उतर रही है। बीते शनिवार को भी तेल अवीव, कैसरिया और हाइफ़ा की सड़कों पर आम लोगों ने प्रदर्शन किया और हमास की गिरफ्त में फंसे अपने लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए आवाज उठाई। इसके अलावा युद्ध और राजनीति के नाम पर किए जा रहे अत्याचार को बंद करने की अपील भी की। आम जनता का एक बड़ा तबका नेतन्याहू से नाराज नजर आ रहा है। शनिवार के प्रदर्शन में कई लोगों ने हाथ में बैनर ले रखे थे, जिन पर लिखा था- 'नेतन्याहू इज़रायल के लिए खतरनाक हैं।' हाइफ़ा में प्रदर्शनकारियों ने नेतन्याहू को दोषी कहते हुए सरकार को तानाशाह बताया। कुछ बैनरों पर लिखा था- फौरन चुनाव कराओ, नेतन्याहू भगाओ।

इस बीच खबर आई कि इज़रायल ने दक्षिणी गज़ा की ज़मीन पर लड़ रहे अपने सभी सैनिकों को वहां से वापस बुला लिया है। लेकिन सैनिकों की यह वापसी युद्ध की एक रणनीति ही है क्योंकि इज़रायली सेना फिर से संगठित हो रही है और युद्ध के अगले चरण की तैयारी कर रही है। वहीं प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने दावा किया है कि वे जीत से बस एक क़दम दूर हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि बिना बंधकों की रिहाई के गज़ा में हो रहे इस युद्ध को नहीं रोका जाएगा।

इज़रायल को लगता है कि अब हमास का खात्मा वो कर देगा और अपने बंधकों को छुड़ा लेगा। हो सकता है अपनी सैन्य ताकत के दम पर इज़रायल छह महीने बाद बंधकों को छुड़ा भी ले, लेकिन इस दौरान मानवता पर क्रूरता और हिंसा के जो गहरे दाग इज़रायल ने लगाए हैं, क्या उन्हें किसी तरह मिटाया या छुड़ाया जा सकता है, यह गंभीर सवाल है। अंतरराष्ट्रीय बिरादरी की चिंताओं और सवालों को अनसुना करते हुए नेतन्याहू दावा कर रहे हैं कि युद्ध रोका नहीं जाएगा। लेकिन क्या इस दावे में उनकी सनक वैसी ही नजर नहीं आ रही, जिस सनक में हिटलर ने लाखों यहूदियों को उजाड़ा था। गनीमत है कि इज़रायल की जनता यह समझ रही है कि धर्म और राजनीति का घालमेल ठीक नहीं है। नेतन्याहू का बढ़ता विरोध भी यह संकेत दे रहा है कि जब युद्ध समाप्त हो जाएगा, हालात सामान्य हो जाएंगे और फिर चुनाव जब होंगे, तब तक नेतन्याहू जनाधार खो चुके रहेंगे। किसी भी किस्म की तानाशाही और क्रूरता हमेशा के लिए नहीं रहती है। हालांकि जब भी ये पनपते हैं, तो इनका खामियाजा आम जनता ही भुगतती है। जर्मनी से लेकर गज़ा तक यही कहानी बार-बार दोहराई जा रही है, लेकिन इंसान न इतिहास से सबक ले रहा है, न वर्तमान को सुधार कर भविष्य सुरक्षित कर रहा है।

न सब का साथ, न सब का विश्वास, विकास सिर्फ धन्नासेठों का

सब का साथ, सब का विकास, सब का विश्वास, सब का प्रयास' और 'सब को न्याय, तुष्टीकरण किसी का नहीं।'

मोदी राज के ये नारे, झूठ बोलने में इस राज के दूसरे सभी नारों से भी आगे हैं। सच्चाई यह है कि यह झूठा नारा लगाते-लगाते, संघ-भाजपा ने स्वतंत्र भारत की धर्मनिरपेक्षता की प्रतिबद्धताओं को पलटते हुए, देश पर ऐसा राज थोपा है, जिसने अल्पसंख्यकों को तो ज्यादा से ज्यादा 'पराया' बनाया ही है, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा दबाया है। इसका नतीजा अल्पसंख्यकों, खासतौर पर मुसलमानों व ईसाइयों के खिलाफ तेजी से बढ़ते हमलों के साथ-साथ सभी वंचितों के खिलाफ बढ़ते हमलों के रूप में सामने आ रहा है। इसीलिए, तो राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के ताजातरीन यानी 2022 के आंकड़े, अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के खिलाफ अपराधों तथा अत्याचारों में तो बढ़ोतरी दिखाते ही हैं, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी पूरे 4 फीसद बढ़ोतरी दिखाते हैं।

ईसाई धार्मिक स्थलों तथा शिक्षा संस्थाओं के खिलाफ आम हमलों के अलावा, आदिवासी इलाकों में ईसाई आदिवासियों के खिलाफ संघ परिवार द्वारा विशेष रूप से हमलावर अभियान चलाए जा रहे हैं। आदिवासियों पर हिंदू धार्मिक तौर-तरीके थोपने की कोशिश करने के अलावा, जिसका आदिवासियों का एक हिस्सा प्रतिरोध भी कर रहा है, ईसाई आदिवासियों का अनूसूचित जाति का दर्जा समाप्त करने की मांग का अभियान भी अब इस मुद्दे का एक महत्वपूर्ण पहलू हो गया है। वास्तव में आदिवासियों के अनुसूचित जाति के दर्जे को खत्म कराने के इसी हथियार का, मणिपुर में बहुसंख्यक मैतेई उग्रवादियों द्वारा कुकी समुदाय के खिलाफ इस्तेमाल करने की कोशिश की जा रही है। याद रहे कि उत्तर-पूर्व के इस संवेदनशील राज्य में मैतेई तथा कुकी समुदायों के बीच के इथनिक विभाजन को, हिंदू-ईसाई टकराव के रूप में तब्दील करने की, मौजूदा शासन तथा संघ परिवार की राष्ट्रविरोधी कोशिशों के चलते ही, मणिपुर दस महीने से ज्यादा से जल रहा है।

इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि प्यू रिसर्च सेंटर के धार्मिक समुदायों के बीच की खाई को दर्शाने वाले 'सोशल होस्टिलिटीज इंडैक्स' पर, भारत को 'बहुत ऊंचा' की श्रेणी में रखा गया है, पाकिस्तान तथा श्रीलंका के साथ सबसे ऊपर। और इस सूचकांक पर 2019 और 2020 के बीच, हालात का और बिगड़ना भी दर्ज किया गया है। नौबत यह है कि नरसंहार या होलोकॉस्ट के खतरों पर नजर रखने वाली संस्थाओं/ विशेषज्ञों ने भारत के नरसंहारों की कगार पर पहुंच जाने की चेतावनियां देना भी शुरू कर दिया है। जाहिर है कि इसका रास्ता, नफरती बोल-वचन के बढ़ते प्रकोप से बन रहा है और इसे केंद्र तथा अनेक राज्यों में सत्ता में बैठी भाजपा की खुली शह ने, एक महामारी ही बना दिया है। इसी की पूरक है फेक न्यूज की महामारी। इसके मामले में तो गज़ा में इज़रायली नरसंहार के बीच यह तथ्य भी सामने आया है कि मौजूदा निजाम की शह पर भारत, दुनिया भर की मुस्लिम/ इस्लामद्वेषी फेक न्यूज की राजधानी तो पहले ही बन भी चुका है।

एक और झूठा दावा बार-बार दोहराया जाता है कि मोदी के राज में कोई दंगे नहीं होते। इस झूठे दावे से वे दो मकसद साधने की कोशिश करते हैं। एक, कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर मोदी राज की छवि चमकाना। दूसरे, यह दिखाना कि मोदी से पहले रहे उन शासनों में ही दंगे होते थे, जिन्हें वे अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करने वाले शासन बताते हैं। यानी दंगे अल्पसंख्यकों को छूट दिए जाने की वजह से ही होते हैं और मोदी राज ने और भाजपा की राज्य सरकारों ने, 'सख्ती' का रुख अपनाकर रोक दिया है! उत्तर प्रदेश के भाजपायी मुख्यमंत्री, आदित्यनाथ ने तो राज्य में 2017 से 2021 के बीच 'एक भी दंगा नहीं होने' का ही दावा कर दिया था।

लेकिन, यह सफेद झूठ है। मोदी राज में तमाम सरकारी आंकड़ों से की गयी छेड़छाड़ के हिस्से के तौर पर, सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं को कम कर के दिखाने की कोशिश किए जाने के बावजूद, उपलब्ध सरकारी आंकड़े भी यही कहते हैं कि मोदी राज में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं लगातार और अच्छी-खासी संख्या में होती रही हैं। केंद्रीय गृहराज्य मंत्री, नित्यानंद राय ने 7 दिसंबर 2022 को राज्यसभा में यह जानकारी दी थी कि 2017 से 2021 तक, मोदी राज के पांच साल में सांप्रदायिक हिंसा की 2,900 घटनाएं दर्ज हुई थीं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, मोदी राज के पहले तीन वर्षों में यानी 2014 से 2016 तक ऐसी हिंसा की 2,885 घटनाएं दर्ज हुई थीं। दूसरी ओर, 2022 में भी 272 घटनाएं दर्ज हुई थीं। यूनाइड क्रिश्चियन फोरम ने 2023 के पहले छः महीने में ही ईसाईविरोधी हिंसा के 525 मामले दर्ज किए थे।

लेकिन, ये संख्याएं तो सिर्फ भाजपा राज में कोई दंगा नहीं होने का झूठा होना ही दिखाती हैं। वास्तविक स्थिति इससे बहुत भयानक है। 2020 की फरवरी के उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगे, 2023 की जुलाई के हरियाणा के नूह के दंगे और 2024 के उत्तराखंड में हल्द्वानी के दंगे, इस कड़ुवी सच्चाई को दिखाते हैं कि भाजपा के राज में पुलिस-प्रशासन को ज्यादा से ज्यादा मुस्लिमविरोधी सांप्रदायिक दमन के हथियार में तब्दील किया जा रहा है। और प्रशासन के खुद दंगाई की भूमिका संभाल लेने से, जाहिर है कि बाकायदा दंगों की जरूरत बेशक कुछ कम हो जाती है। अल्पसंख्यकों पर हमले और दमन को, बेशर्मी से राजकीय कार्रवाई का रूप देकर छुपाया जा सकता है।

राजेंद्र शर्मा

> उत्तराखंड में कथित समान नागरिक कानून के जरिए एक ही झटके में, मुस्लिम निजी कानून को अवैध और उनके पालन का अपराध बना दिया गया है। यह भी वर्तमान शासन के मुस्लिम-द्वेष का ही उदाहरण है कि उच्च शिक्षा में मुसलमानों के पिछड़ेपन को कम करने के लिए, यूपीए के राज में जो मौलाना आजाद स्कॉलरशिप शुरू की गयी थी।

दूसरी ओर, सांप्रदायिक हिंसा का इकतरफापन तेजी से बढ़ रहा है। पिछले दो वर्षों के दौरान राजधानी दिल्ली से लेकर राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, बंगाल व अन्य कई राज्यों में, कथित हिंदू नव वर्ष से लेकर, राम नवमी तथा हनुमान जयंती तक के बहाने से, भड़काऊ जुलूस निकालकर, सरासर इकतरफा हिंसा की गयी है और पुलिस-प्रशासन द्वारा पूरी तरह से इकतरफा कार्रवाइयां की गयी हैं। इनमें भाजपा सरकारों की बुलडोजर कार्रवाइयां भी शामिल हैं।

वास्तव में मोदी के राज में बुलडोजर को बहुसंख्यकवादी सरकारी जोर-जब्र की निशानी ही बना दिया गया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट में ऐसी 128 कार्रवाइयों को दर्ज किया गया है, जिनमें 600 लोग प्रभावित हुए हैं। इनमें ज्यादातर मुसलमानों को ही निशाना बनाया गया गया है। ऐसी सबसे ज्यादा 56 कार्रवाइयां भाजपा शासित मध्य प्रदेश में दर्ज हुई हैं। गुजरात की भाजपा सरकार के गृहमंत्री ने पिछले ही दिनों बाकायदा विधानसभा में गर्व के साथ ऐलान किया कि, '108 मजारें ध्वस्त हो चुकी हैं। पूरे राज्य में मुख्यमंत्री का बुलडोजर घूम रहा है।'

यह यकायक नहीं हो गया है। इन दस वर्षों में सिर्फ प्रकटतः धार्मिक मुद्दों को लेकर ही नहीं, गोरक्षा, लव जेहाद, धर्मांतरणविरोध, आबादी विस्फोट की चिंता, धारा-370 का खात्मा, समान नागरिक संहिता, नागरिकता अधिकार संशोधन आदि, आदि के नाम पर, तुष्टीकरण विरोध के झूठे नारे की आड़ में, जिस तरह एक के बाद एक अल्पसंख्यकविरोधी तथा सबसे बढ़कर मुस्लिमविरोधी अभियान छेड़े गए हैं, उन्हीं के सहारे देश मौजूदा हालात तक पहुंचा है। सिख अल्पसंख्यक तक इन अभियानों से अछूते नहीं रहे हैं और अपने ऊपर हिंदू पहचान थोपे जाने के खिलाफ, पृथक धार्मिक समुदाय के रूप में अपनी पहचान की रक्षा के लिए लड़ते रहे हैं। सत्ताधारी संघ परिवार की हिंदू राष्ट्र की पुकारों और शासन के हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक अमल से, हाशिए पर पड़ी सिख अलगाव की धाराओं को भी बल मिल रहा है।

उत्तराखंड में कथित समान नागरिक कानून के जरिए एक ही झटके में, मुस्लिम निजी कानून को अवैध और उनके पालन का अपराध बना दिया गया है। यह भी वर्तमान शासन के मुस्लिम-द्वेष का ही उदाहरण है कि उच्च शिक्षा में मुसलमानों के पिछड़ेपन को कम करने के लिए, यूपीए के राज में जो मौलाना आजाद स्कॉलरशिप शुरू की गयी थी, उसे बंद करने के बाद, अब मोदी सरकार ने मौलाना आजाद फाउंडेशन को भी भंग कर दिया है। यह कार्रवाई इतनी मनमानी की है कि इसे अदालत में भी चुनौती दी गयी है।

इन्हीं हालात का एक और महत्वपूर्ण संकेतक है—बढ़ती सांप्रदायिक भीड़ हिंसा या मॉब लिंचिंग। गोरक्षा के नाम पर और लव जेहाद के विरोध के नाम पर, संगठित भीड़ हिंसा में विशेष तेजी से बढ़ोतरी हुई है। 2014 से अगस्त 2022 के बीच, गाय के नाम पर हिंसा के 206 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 850 लोग प्रभावित हुए। इनके शिकारों में दलित व ईसाई भी शामिल हैं, किंतु 86 फीसद हिस्सा मुसलमानों का ही था। ऐसी 97 फीसद घटनाएं मोदी राज आने के बाद ही हुई थीं। गो तस्करी के नाम पर पहलू खान और घर पर गाय का मांस रखने के नाम पर अखलाक की भीड़ हत्याओं से शुरू हुआ यह सिलसिला न सिर्फ लगातार जारी है, इन हिंसक गिरोहों के हौसले बढ़ते ही जा रहे हैं, जिसका सबूत 2023 के शुरू में हरियाणा में हुआ भिवानी का नासिर-जुनैद हत्याकांड है। गोकुशी और गोमांस के मामले में भाजपा के रुख का दोमुंहापन हैरान करने वाला है। जहां राजनीतिक-चुनावी स्वार्थ इसकी मांग करते हैं, जैसे गोवा में, उत्तर-पूर्व के राज्यों में, यहां तक कि केरल जैसे राज्यों में भी, भाजपा गोकुशी के मुद्दे पर चुप साधने से लेकर, गोमांस सस्ता, सुलभ कराए जाने की मांग उठाने तक चली जाती है। और उत्तरी भारत में वही भाजपा, गोरक्षा के नाम पर अपने गुंडादलों द्वारा हिंसा, यहां तक कि लिंचिंग तक का बचाव करती है।

यह सब हो रहा है मोदी राज में शासन के शीर्ष से धर्मनिरपेक्षता का एक तरह से त्याग ही कर के, शासन का हिंदुत्वकरण किए जाने से। अयोध्या में राम मंदिर के शिलापूजन में प्रधानमंत्री मोदी के मुख्य यजमान बनने से इसके प्रत्यक्ष संकेत दिए जाने की औपचारिक शुरूआत हुई थी और इसे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पूरी तरह से शासन प्रायोजित ईवेंट में चरमोत्कर्ष पर पहुंचा दिया गया। और संसद से मोहर लगवा कर, बहुसंख्यकों के इस धार्मिक आयोजन को, बाकायदा राष्ट्रीय आयोजन बना दिया गया। इससे पहले, सेंगोल की संसद में स्थापना के जरिए भी, इस सिलसिले को आगे बढ़ाया गया था।

इसी सब के पूरक के रूप में वर्तमान सत्ताधारी पार्टी ने संसद के दोनों सदनों में और उत्तर-पूर्व को छोड़कर अधिकांश विधानसभाओं में अपना, मुस्लिम-ईसाई अल्पसंख्यक मुक्त होना सचेत रूप से सुनिश्चित किया है। इसी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा द्वारा घोषित पहली सूची में, 195 उम्मीदवारों में सिर्फ एक मुसलमान था और वह भी केरल से, जहां उनके उम्मीदवार के जीतने की संभावनाएं न्यूनतम हैं। इन हालात में अगर शासन तंत्र बहुसंख्यकवादी रास्ते पर बढ़ता जा रहा है, तो इसमें अचरज की बात नहीं है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

इलेक्ट्रिक वाहन के लिए महत्वपूर्ण वर्ष होगा 2024

■ के रवीन्द्रन

वर्ष 2024 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रांति में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित करने के लिए तैयार है। पर्यावरणीय चिंताओं, सख्त नियमों और तकनीकी प्रगति से प्रेरित, ईवी बाजार में विस्फोटक वृद्धि हो रही है, जिससे वैश्विक स्तर पर परिवहन परिदृश्य बदल रहा है। इस परिवर्तन में सबसे आगे चीन खड़ा है, एक ऐसा देश जिसने रणनीतिक रूप से खुद को ईवी उद्योग में निर्विवाद नेता के रूप में स्थापित किया है।

चीन का प्रभुत्व अनेक कारकों के संगम से उत्पन्न होता है। उदार सब्सिडी और आक्रामक उत्पादन लक्ष्य जैसी सरकारी नीतियों ने एक जीवंत घरेलू ईवी बाजार का पोषण किया है। बीवाईडी और एनआईओ जैसे चीनी निर्माताओं ने इन प्रोत्साहनों का लाभ उठाया है, अनुसंधान और विकास में संसाधन लगाए हैं, और आकर्षक मूल्य बिंदुओं पर प्रतिस्पर्धी ईवी की एक विविध श्रृंखला तैयार की है। सामर्थ्य पर यह ध्यान विशेष रूप से सफल साबित हुआ है, जिससे ईवी चीनी आबादी के व्यापक हिस्से के लिए सुलभ हो गई है।

परिणाम ? चीन वैश्विक ईवी बाजार में जबरदस्त हिस्सेदारी का दावा करता है। 2023 में, सभी नई ईवी बिक्री में चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी 69फीसदी थी। बीवाईडीटेस्ला को पछाड़कर दुनिया की अग्रणी ईवी निर्माता बन गई है। यह प्रभुत्व घरेलू सीमाओं से परे तक फैला हुआ है।

> भारत की ईवी महत्वाकांक्षाओं को महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। उच्च अग्रिम लागत व्यापक रूप से अपनाने में एक बड़ी बाधा बनी हुई है, खासकर दोपहिया ईवी के लिए, जो भारतीय बाजार पर हावी है। इसके अतिरिक्त, मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे की कमी, विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में, संभावित खरीदारों के बीच चिंता पैदा करती है।

पिछले साल की गति पर सवार होकर, चीनी वाहन निर्माता आक्रामक रूप से उभरते बाजारों में विस्तार कर रहे हैं, तथा वे स्थापित खिलाड़ियों पर भारी पड़ रहे हैं। यह बदलाव विशेष रूप से यूरोप में स्पष्ट है, जहां एक स्थिर ईवी बाजार को बजट-अनुकूल चीनी ब्रांडों के आगमन में आशा मिलती है। चीनी ईवी निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। बीवाईडी और एसएआईसी जैसी कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजारों, विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों पर अपनी नजरें जमा रही हैं। यहां, चीन के मजबूत आर्थिक संबंध और स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के लिए उसका जोर एक विजयी फॉर्मूला साबित हो रहा है।

हालांकि, चीन का नेतृत्व चुनौतियों से रहित नहीं है। तीव्र वृद्धि ने आपूर्ति श्रृंखला की कमज़ोरियों को उजागर कर दिया है। लिथियम और कोबाल्ट जैसी महत्वपूर्ण सामग्री की कमी से उत्पादन बाधित होने का खतरा है, जबकि बैटरी रीसाइक्लिंग और इन संसाधनों के खनन के पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में चिंताएं बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त, चीनी ईवी निर्माताओं के बीच भयंकर प्रतिस्पर्धा से मूल्य युद्ध हो सकता है। इससे संभावित रूप से लाभ मार्जिन कम हो सकता है और दीर्घकालिक स्थिरता में बाधा आ सकती है।

इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और जापान में स्थापित वाहन निर्माता आगे बढ़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पारंपरिक कार कंपनियां विद्युतीकरण में भारी निवेश कर रही हैं। वे अपने स्वयं के ईवी प्लेटफॉर्म विकसित करने में संसाधन लगा रही हैं और बैटरी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ साझेदारी कर रही हैं। आगामी 2024 अमेरिकी चुनाव ईवी नीतियों के लिए एक युद्ध का मैदान होने की उम्मीद है, जिसमें संभावित सरकारी प्रोत्साहन अमेरिकी ईवी बाजार के भविष्य को आकार देंगे। यूरोप में, सख्त उत्सर्जन नियम कार निर्माताओं को मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष ध्यान देने के साथ, अपने ईवी रोलआउट में तेजी लाने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

जहां एक ओर चीन और स्थापित खिलाड़ी वर्तमान कथा पर हावी हैं, दावेदारों की एक नई लहर उभर रही है। भारत, जिसका बढ़ता मध्यम वर्ग और कुख्यात प्रदूषित परिवहन क्षेत्र ईवी के लिए एक विशाल अप्रयुक्त बाजार प्रस्तुत करता है। भारत सरकार फेम योजना जैसी पहलों के माध्यम से सक्रिय रूप से इलेक्ट्रिक गतिशीलता को बढ़ावा दे रही है, जो ईवी खरीद के लिए सब्सिडी प्रदान करती है। मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स जैसे प्रमुख भारतीय कार निर्माता तेजी से ईवी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, हाल के महीनों में मारुति सुजुकी ईवी एक्स और टाटा नेक्सॉन ईवी जैसे नए मॉडल बाजार में आए हैं।

हालांकि, भारत की ईवी महत्वाकांक्षाओं को महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। उच्च अग्रिम लागत व्यापक रूप से अपनाने में एक बड़ी बाधा बनी हुई है, खासकर दोपहिया ईवी के लिए, जो भारतीय बाजार पर हावी है। इसके अतिरिक्त, मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे की कमी, विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में, संभावित खरीदारों के बीच चिंता पैदा करती है।

इन चुनौतियों के बावजूद, विश्लेषक भारत के ईवी भविष्य को लेकर आशावादी हैं। आने वाले वर्षों में बाजार में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है, पूर्वानुमान के अनुसार 2025 तक 6 फीसदी से अधिक की संभावित बाजार हिस्सेदारी होगी। इस उभरते उद्योग की सफलता कई कारकों पर निर्भर करती है। सब्सिडी और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से निरंतर सरकारी समर्थन महत्वपूर्ण होगा। इसके अतिरिक्त , विदेशी निवेश और प्रौद्योगिकी साझेदारी को आकर्षित करना, विशेष रूप से बैटरी विनिर्माण की दिशा में, एक मजबूत घरेलू ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए आवश्यक होगा।

सबसे बड़ी बाधा सामर्थ्य बनी हुई है। सरकारी सब्सिडी के बावजूद, ईवी अभी भी अपने गैसोलीन-संचालित समकक्षों की तुलना में काफी अधिक महंगे हैं। यह विशेष रूप से दोपहिया ईवी के लिए सच है, जो भारतीय बाजार पर हावी हैं। जब तक बैटरी की लागत कम नहीं हो जाती और ईवी पारंपरिक वाहनों के साथ मूल्य समानता तक नहीं पहुंच जाते, तब तक व्यापक रूप से इसे अपनाना एक चुनौती बनी रहेगी।

एक और प्रमुख चिंता है मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे की कमी, खासकर प्रमुख शहरों के बाहर। यह संभावित खरीदारों के बीच 'रेंज चिंता' पैदा करता है, जो चार्जिंग स्टेशन तक पहुंचने से पहले बिजली खत्म होने की चिंता करते हैं। इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहु-आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चार्जिंग स्टेशनों की तेजी से स्थापना, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देना और बैटरीस्वैपिंग प्रौद्योगिकियों जैसे नवीन समाधानों की खोज करना शामिल है।

पावन प्रसंग

हिंदू नव वर्ष की सार्थकता वैज्ञानिकों ने भी मानी

भारतीय पंचांग के अनुसार हमारा नया साल प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से प्रारंभ होता है। इस दिन हम नए विक्रम संवत का आगाज करते हैं। भारतीय काल गणना के अनुसार मनाए जाने वाले त्योहारों के पीछे कोई न कोई प्रेरणा विद्यमान है। हम यह भी जानते हैं कि हिंदी पंचांग के अंतिम माह फाल्गुन का वातावरण हमें वर्ष समाप्ति का संकेत देता है साथ ही यह भी देखने में आता है कि नव वर्ष के प्रथम दिन से ही प्रकृति का वातावरण सुखद होने लगता है। हमें गर्व है अपने ऋषि-मुनि और संतों पर जिन्होंने ऐसी काल गणना विकसित की, जिसमें कब क्या होना है ? इन तथ्यों की संपूर्ण जानकारी समाहित है।

नव वर्ष के संदर्भ में महान गणितज्ञ भास्कराचार्य ने भी चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से ही दिन -मास- वर्ष और युगादि का प्रारंभ माना है। इतिहास उठाकर देखा जाए तो युगों मे प्रथम युग सतयुग का शुभारंभ भी इसी चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से हुआ था। कल्पयादि-सृष्टियादि- युगादि आरंभ को लेकर इस दिवस के साथ प्राचीनता का इतिहास मिलता है। सृष्टि की रचना को लेकर भी ऋषि-मुनियों तथा वैदिक गणित के विद्वानों ने इसी दिवस की गणना की है। हमारे शास्त्रों में लिखा गया है-

चैत्र-मासि जगदब्रह्म, ससर्ज प्रथमेहनी।
शुक्ल-पक्षे समग्रे तु,सदा सूर्योदये सति।।

विभिन्न ग्रहों, चंद्रमा एवं सूर्य की गति एवं दिशाओं का उतनी प्रामाणिकता के साथ निर्धारण करता है, जितना कि आज का आधुनिक सैटेलाइट। हिंदू नव वर्ष में रातें छोटी और दिन बड़े होने लगते हैं। ठंड की समाप्ति और ग्रीष्म का प्रारंभ अत्यंत ही मधुर व आनंददायक आगमन का अनुभव देता है। पतझड़ समाप्त होता है और बसंत ऋतु के आगमन का आगाज होने लगता है। प्रकृति में हर जगह हरियाली छा जाती है। ऐसा प्रतीत होने लगता है जैसे प्रकृति ने नव श्रृंगार किया हो। चैत्र शुक्ल पक्ष के प्रथम दिन का सूर्योदय ही हमारे नए वर्ष का उदय है। यह बिना किसी संशय के कहा जा सकता है कि बिना पंचांग और कैलेंडर के, प्रकृति और आकाश को पढ़कर हिंदू धर्मावलंबी अपने नए वर्ष को पा लेते हैं। भारतीय नव वर्ष को ऐसे ही सर्वश्रेष्ठ नया वर्ष नहीं कहा जाता है। इसके पीछे की सार्थकता ही इसे महान बनाते हुए वैज्ञानिकता से जोड़ती है। हमारे नव वर्ष को ही सृष्टि रचना का प्रथम दिन माना जाता है। हमारे दुर्लभ ग्रंथों में यह बात सामने आती है कि इसी दिन से 1 अरब 97 करोड़ 39 लाख 49 हजार 109 वर्ष पूर्व सूर्योदय से ब्रह्मा जी ने इस सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। विक्रमी संवत का पहला दिन उस राजा के नाम पर प्रारंभ किया जा सकता था जिसके राज्य में न कोई चोर हो, न अपराधी हो और न ही कोई भिक्षुक हो साथ ही वह राजा चक्रवर्ती सम्राट हो। ऐसे ही राजा विक्रमादित्य ने 2080 वर्ष पूर्व इसी दिन राज्य की स्थापना की थी। हमें धर्म शास्त्र बताते हैं कि इसी दिन मर्यादा पुरषोत्तम भगवान श्रीराम का लंका विजय के बाद राज्याभिषेक किया गया था। समाज को श्रेष्ठ मार्ग पर ले जाने हेतु भी इसी दिन स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की थी। सिंध प्रांत के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरुणावतार संत झूलेलाल का प्रकटोत्सव दिवस भी पूरे समाज को आनंदित करता आ रहा है। आकाश में ग्रहों की स्थिति सूर्य से प्रारंभ होकर क्रमशः बुध, शुक्र, चंद्र, मंगल, गुरु और शनि की है। पृथ्वी के उपग्रह चंद्रमा सहित इन्हीं अन्य छह ग्रहों पर सप्ताह के सात दिनों का नामकरण किया गया। यह हमारे भारतीय पंचांग की विशेषता कही जा सकती है कि तिथि घटे या बढ़े किंतु सूर्य ग्रहण सदैव अमावस्या को ही होगा और चंद्र ग्रहण पूर्णिमा को। इसमें कभी कोई अंतर आ ही नहीं सकता है।

सनातनी नव वर्ष को लेकर महान दार्शनिक और संत विवेकानंद जी ने कहा है-यदि हमें गौरव से जीने का भाव जगाना है, अपने अंतर्मन में राष्ट्रभक्ति के बीज को पल्लवित करना है तो राष्ट्रीय तिथियों का आश्रय लेना होगा। गुलाम बनाए रखने वाले लोगों की दिनांकों पर आश्रित रहने वाला अपना आत्म गौरव खो बैठता है। हिंदू नव वर्ष का दिन हमारे मन में यह उद्घोष जगाता है कि हम पृथ्वी माता के पुत्र हैं। सूर्य, चंद्र तथा नवग्रह हमारे आधार हैं। प्राणी मात्र हमारे पारिवारिक सदस्य हैं। यही कारण है कि हमारी संस्कृति का बोध वाक्य 'वसुधैव कुटुंबकम्' को सार्थकता प्रदान करता है।

सूर्यकांत मिश्रा

आपके पत्र

वर्तमान में प्रगतिशील साहित्य का औचित्य

9 अप्रैल सन् 1936 प्रगतिशील लेखक संघ का स्थापना दिवस है। इसे प्रगतिशील साहित्य दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। सन् 1936 लखनऊ में 9-10 अप्रैल को प्रगतिशील लेखक संघ का प्रथम अधिवेशन हुआ जिसकी अध्यक्षता मुंशी प्रेमचंद ने की। जबकि इसका अंकुरण लंदन में 7-8 भारतीय छात्रों की टोली, जिसमें मुल्क राज आनंद और सज्ज़ाद ज़हीर प्रमुख थे, ने कर लिया था जिसका मूल उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साम्राज्यवाद और फ़ासिज़्म से संस्कृति की रक्षा के लिए विश्व भर के संस्कृति कर्मियों को लामबंद करना था। इससे पूर्व सन् 1934 में रूस में सोवियत संघ तथा 1935 में पेरिस में विश्व लेखक अधिवेशन हुआ जिसने इन छात्रों को प्रेरणा दी। भारत में इस संगठन के जन्मते ही इसे विदेशी संगठन कहकर प्रतिक्रियावादियों ने विरोध शुरू कर दिया, लेकिन सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से साहित्य के क्षेत्र में जो नई सोच उत्पन्न हुई उसमें मज़दूर, किसान के अलावा आम शोषित, दलित, पीड़ित सब शामिल हो गये जिससे स्वाधीनता आन्दोलन को भी बल मिला।

वहीं दूसरी ओर प्रेमचंद को रूढ़िवादी लेखकों ने घृणा का प्रचारक एवं ब्राह्मण निंदक घोषित कर दिया मगर हंस, प्रभा एवं रूपाभ जैसी पत्रिकाओं ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। कवि,लेखक, कथाकार,समीक्षक बड़ी संख्या में प्रगतिशील लेखक संघ के बैनर तले आ गये। वहीं कविवर रवीन्द्रनाथ टैगोर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, जयप्रकाश नारायण, आचार्य नरेन्द्र देव, सरोजनी नायडू आदि प्रसिद्ध नेताओं ने भी प्रगतिशील लेखक संघ का दिल से स्वागत किया।

प्रगतिशील लेखक संघ के बनने के बाद साहित्य का स्वरूप बदला, उर्दू शायरी भी इससे अछूती नहीं रही। वह आशिक-माशूका के दायरे से निकलकर आम जनता की दिक्कतों,उसकी लड़ाई, दुखदर्द को अपने में समेटने लगी तथा पीड़ित, शोषित वर्ग को सजग बनाकर हौसला अफ़ज़ाई करने लगी। कविता के क्षेत्र में भी जबरदस्त परिवर्तन आया, छंदबद्धता की बाधा को निराला ने तोड़ना शुरू किया,भावों की जगह विचारों ने ली। जीवन की सच्चाईयां एवं विरोध के स्वर लेखन में उभरे तथा अलंकरणों का स्थान विम्बों ने लिया।

प्रगतिशील लेखक संघ के गतिशील होने के बाद जीवन की सच्चाइयां और अनुभूतियां यथार्थ रूप में मुखर होने लगीं यह बदलाव संपूर्ण देश की भाषाओं में लिखे साहित्य में भी साथ-साथ आया साहित्य अब विरोध की सार्थक अभिव्यक्ति बन एक आंदोलन के रूप में आ गया था जिसमें शोषणमुक्त भारत ही मूलतः प्रगतिशील लेखन का स्वप्न था।

लेकिन आज़ादी के बाद भी जब परिदृश्य नहीं बदला सरकार आम जन की पीड़ा के साथ नज़र नहीं आई, तो सरकार से इन लेखकों का मोहभंग हुआ और तत्कालीन लेखकों ने शासन की रीति-नीति के विरुद्ध लिखना प्रारंभ किया जो उनका दायित्व था। नागार्जुन, त्रिलोचन, केदारनाथ, हरिशंकर परसाई से प्रारंभ हुआ यह लेखन एक बार फिर समूचे देश में शुरू किया गया जो वर्तमान में अभी तक जारी है लेकिन दक्षिण पंथी विचारों वाली सरकार के चलते आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ख़तरे में है, सरकार विरोधी लेखन निशाने पर है हमारे पांच प्रगतिशील विचारक डा. नरेंद्र दाभोलकर, कामरेड गोविंद पानसरे,डा. एमएम कलबुर्गी और संपादक गौरी लंकेश की जिस तरह हत्या की गई वह ना केवल चिंतनीय है बल्कि प्रगतिशील सोच पर विराम लगाने की एक सोची समझी साज़िश लगती है।

हालांकि इस समय संसार की प्रगतिशील और प्रतिक्रियावादी शक्तियों में अनवरत यह संग्राम चल रहा है। पूंजीवादी संकट आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों को लीलता जा रहा है। फलस्वरूप साहित्य, कला, दर्शन तथा विज्ञान में भी विकृतियां नज़र आ रही हैं। आज के साहित्य में विशेषकर निराशावादी, प्रतिक्रियावादी, रूढ़िवादी स्वभाव की बाढ़, तरह-तरह के आदर्शवादी मतों का प्रचार, रहस्यवाद के गड़े मुर्दों में पुनः जान डालने की कोशिश तथा वैज्ञानिक मतों को झुठलाने की मुहिम चल रही है। ऐसे हालात में क्या हम मीरा की तरह प्रेम दीवाने बनकर गरल पान करते रहेंगे या तुलसी की तरह-कोई नृप होहि हमहू का हानि की रट लगाए रहेंगे ?

-सुसंस्कृति परिहार

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

इंडोनेशिया में वाहनों के टक्कर से 12 लोगों की मौत, दो घायल

जकार्ता, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत में सोमवार को तीन वाहनों की भीषण टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। करावांग रीजेंसी के पुलिस प्रमुख विरधांटो हेडीकसोनो ने बताया कि दुर्घटना राजमार्ग पर उस समय हुई, जब एक बस ने मिनीबस को टक्कर मार दी। इसी दौरान उस बस को पीछे से एक अन्य मिनीबस ने भी टक्कर मार दी थी। घटना में दोनों मिनीबस में आग लग गई। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है।

जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर हमले से खतरे में पड़ी परमाणु सुरक्षा : आईएईए

वियना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि रविवार को यूक्रेन में ज़ापोरीज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) पर हुआ ड्रोन हमला एक गंभीर घटना है, इसने परमाणु सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

इस तरह के हमलों से परमाणु दुर्घटना का खतरा काफी बढ़ जाता है, इसे बंद किया जाना चाहिए : राफेल मारियानो

आईएईए के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा कि इस तरह के हमलों से परमाणु दुर्घटना का खतरा काफी बढ़ जाता है, इसे बंद किया जाना चाहिए। नवंबर 2022 के बाद पहली बार, यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र को निशाना बनाया गया। आईएईए ने एक बयान में कहा कि हमला संयंत्र की सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन है।

मौके पर तैनात आईएईए विशेषज्ञ तीन प्रभावित स्थानों पर गए। उन्होंने वहां छह रिएक्टर इमारतों में से एक में निगरानी और संचार उपकरणों को निशाना बनाए जाने की घटना को देखा। आईएईए ने कहा, रिएक्टर की छत के निकट आ रहे एक ड्रोन को रूसी सैनिकों ने निशाना बनाया। इसके बाद रिएक्टर भवन के पास विस्फोट हुआ। आईएईए की टीम ने बताया कि उन्होंने मौके पर ड्रोन के अवशेष देखे। इसके अलावा उन्होंने एक क्षतिग्रस्त सैन्य रसद वाहन के बगल में खून के धब्बे देखे। इससे किसी के हताहत होने का भी संकेत मिलता है। विशेषज्ञों ने बताया कि मौके पर पूरे दिन विस्फोट और गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। रूस ने कहा कि हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ है। हालांकि यूक्रेन ने इससे इनकार किया है।

गौरतलब है ज़ापोरीज्जिया संयंत्र यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, इसकी कुल क्षमता 6 गीगावाट है। फरवरी 2022 के अंत में, संयंत्र पर रूस ने नियंत्रण कर लिया था।

यूक्रेन ने जेडएनपीपी पर ड्रोन हमलों में शामिल होने से किया इनकार

कीव। यूक्रेन ने ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) पर ड्रोन हमलों में कीव की संलिप्तता के आरोप से इनकार किया है। यूक्रेन के सैन्य खुफिया विभाग के प्रवक्ता एंड्री युसोव ने यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के मुख्य खुफिया निदेशालय की प्रेस सेवा के हवाले से कहा कि यूक्रेन जेडएनपीपी के क्षेत्र में किसी भी सशस्त्र उकसावे में शामिल नहीं है। संयंत्र की प्रेस सेवा के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने रविवार को जेडएनपीपी पर हमला किया, जिसमें छठी बिजली इकाई के गुंबद पर भी हमला शामिल था। गुंबद पर हमले से कोई नुकसान या हताहत नहीं हुआ और सुरक्षा सीमाओं के उल्लंघन का कोई खतरा नहीं है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने रविवार रात कहा कि रविवार को जेडएनपीपी पर ड्रोन हमलों से इसकी छह बिजली इकाइयों में से एक को नुकसान हुआ।

ब्रिटेन ने की इक्वाडोर में मैक्सिकन दूतावास पर हमले की निंदा

लंदन, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास को हिरासत में लेने के लिए स्थानीय पुलिस द्वारा इक्वाडोर में मैक्सिकन दूतावास पर हमले की निंदा की है। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार देर रात में लंबे समय से राजनयिक मिशन में शरण लिए हुए ग्लास को गिरफ्तार करने के लिए इक्वाडोर पुलिस ने सशस्त्र वाहनों का उपयोग करके क्विटो में मैक्सिकन दूतावास पर धावा बोला था।

हमले के बाद, मेक्सिको ने इक्वाडोर के साथ राजनयिक संबंधों को यह कहते हुए खत्म कर दिया कि हमले में कुछ मैक्सिकन राजनयिक घायल हो गए थे। मेक्सिको ने संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में अपील करने और इक्वाडोर के अधिकारियों के कृत्यों की निंदा करने का भी आग्रह किया है।

प्रवक्ता ने रविवार को एक बयान में कहा कि ब्रिटेन सरकार पांच अप्रैल को क्विटो में मैक्सिकन दूतावास में इक्वाडोर के अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की निंदा करती है। सभी सरकारों को राजनयिक मिशनों की अनुल्लंघनीयता का सम्मान करना चाहिए, जैसा कि 1961 के राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन में निर्धारित किया गया था।

ग्लास को 2022 के अंत में रिहा होने से पहले रिश्वतखोरी और आपराधिक साजिश के लिए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, पहले से ही दिसंबर 2023 में ब्राजीलियाई निर्माण कंपनी ओडेब्रेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें छह साल और जेल की सजा सुनाई गई थी। जिसे वर्तमान में नोवोनोर के नाम से जाना जाता है।

सुडोकू 6519

					5	6		
	3		9		7		4	5
	2				6	8		7
		2		4	9			
		7				3		
			7	6		5		
2		5	6				8	
1	4		8		3		5	
		3	2					

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6519

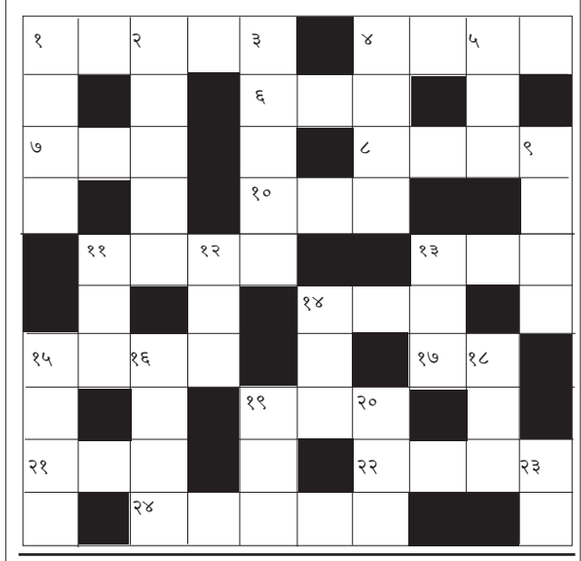

बायें से दायें:-

१. दुर्गा, लक्ष्मी
४. मन की ताकत
६. खारा, नमकीन
७. विक्षिप्त (उर्दू)
८. अंगड़ाई, बदला, प्रतिफल, दंड, कष्ट, हानि (उर्दू)
१. अन्यथा (उर्दू)
११. बांस की तिलियों का बना पर्दा (उर्दू)
१२. किसी गीत के मुखड़े के अतिरिक्त अन्य पद
१४. असंगत, अशिष्ट, भद्दा (उर्दू)
१५. मृतप्राय, जो मरने के निकट हो
१७. तनिक, थोड़ा (उर्दू)
१९. रक्तपान करने वाला
२१. उचित, ठीक, जरूरी (उर्दू)
२२. संदेशवाहक (उर्दू)
२४. राजाओं का निवास

ऊपर से नीचे:-

1. साथ पढ़ने वाला
२. शुभ समय
३. पांडवों को जीवित जला देने के लिए बनाया गया लाख का महल
४. मदिरालय (उर्दू)
५. श्रेष्ठ, उत्तम
९. केसर (उर्दू)
११. चमड़े, मांस, चरबी के जलने से निकलने वाली दुर्गंध
१२. शराब
१३. अनुमान, हाव-भाव (उर्दू)
१४. असमय (उर्दू)
१५. जिसका निवारण न किया जा सके, अटल, अत्यावश्यक
१६. कब्र, मज़ार (उर्दू)
१८. राई, सरसों
१९. दया, कृपा (उर्दू)
२०. पहल
२३. रहस्य, भेद, गुप्त बात (उर्दू)

वर्ग पहेली-6518

१ अ	प	२ न	च	३ न	■	४ अ	प	५ रा	न्ह
ना	■	य	■	६ र	क्त	प	■	ह	■
७ व	स	न	■	सं	■	८ का	ल्यां	त	९ र
सी	■	ज	■	१० हा	जि	र	■	■	क्ष
■	११ गु	ल	१२ जा	र	■	■	१३ बा	ध	क
■	ना	■	हि	■	१४ ब	ह	रा	■	द
१५ बे	ह	१६ त	र	■	हु	■	१७ त	र	ल
गु	■	र	■	१९ दौ	ल	२० त	■	ह	■
२१ ना	स्ति	क	■	रा	■	२२ र	स	म	२३ य
ह	■	२४ श	ब	न	म	■	■	■	दि

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 9 अप्रैल, 2024 चैत शुक्ल पक्ष 1

राशिफल

मेष - कम समय में अधिक लाभ पाने के विचार में आप फंस सकते हैं। कोर्ट-कचहरी के विषय में न पड़ने की सलाह आपको दी जाती है। स्थायी संपत्ति के काम भी टालना होंगे। मानसिक रूप से आप की एकाग्रता में कमी रहेगी।

वृषभ - आज का दिन लाभ का बना हुआ है। व्यापार में आपको लाभ होगा। संतान के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे। दोपहर के बाद मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी बात को लेकर ज्यादा इमोशनल ना हो।

मिथुन - आज का दिन लाभदायी है। नौकरीमें अधिकारी आपके काम से खुश रह सकते हैं। व्यापार में भी आय बढ़ने की आशा है। पिता और बड़ों के आशीर्वाद से लाभ होगा। दोपहर के बाद मित्रों से लाभ हो सकता है।

कर्क - अधिकारियों के साथ वाणी और व्यवहार में संभलकर चलें। शारीरिक रूप से अस्वस्थता और मानसिक चिंता बनी रहेगी। व्यापार में विघ्न आ सकता है। दोपहर के बाद व्यवसाय के क्षेत्र में आप के लिए परिस्थिति अनुकूल रहेगी।

सिंह - आज क्रोध और वाणी पर संयम बरतने की सलाह आपको दी जाती है। स्वास्थ्य के मामले में संभलकर चलना होगा। सरकार या नियम विरोधी कामों से दूर रहें। मानसिक रूप से व्यग्रता बनी रहेगी।

कन्या - आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। मन को प्रसन्न रखने के लिए आप मनोरंजन का सहारा लेंगे। दोस्तों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

तुला - आज आप व्यवसाय बढ़ाने का प्रयास करेंगे। रोजाना की आय बढ़ाने के आपके प्रयास सार्थक हो सकते हैं। व्यापार में धन लगाने की योजना पूरी कर पाएंगे। उचित कारणों पर धन खर्च होगा।

वृश्चिक - साहित्यिक गतिविधियों के लिए आज का दिन शुभ फलदायक है। आप कोई कहानी-कविता लिखने के लिए योजना बना सकते हैं। आज किसी सामाजिक या राजनीतिक चर्चा में भाग ले सकते हैं।

धनु - आज आप हर मामलों में सावधान रहें। माता के स्वास्थ्य में हो रहा परिवर्तन आपके विचारों को नेगेटिव कर सकता है। इससे आपका मन किसी काम में नहीं लगेगा।

मकर - जीवनसाथी से आपका व्यवहार अधिक मधुरतापूर्ण होगा। मित्रों के साथ पर्यटन पर जाने का कार्यक्रम बना पाएंगे। भाइयों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी।

कुंभ - अपने खर्च पर आपको संयम रखना होगा। क्रोध और वाणी पर नियंत्रण किसी से वाद-विवाद होने से बचाएगा। नकारात्मक विचार आपको परेशान कर सकते हैं। दोपहर के बाद आपके विचारों में स्थिरता दिखाई देगी।

मीन - आज का आप का दिन शुभ फलदायी है। आज आप उत्साही बने रहेंगे। नए काम की शुरुआत करने के लिए समय अच्छा है। परिजनों के साथ समय आनंदपूर्वक गुजरेगा। धार्मिक कामों में खर्च होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1667-मुगल बादशाह औरंगजेब ने सभी हिन्दू स्कूलों और मंदिरों को ध्वस्त करने का आदेश दिया।
1756-बंगाल के नवाब अली बर्दी खान का 80 साल की आयु में निधन।
1860-पहली बार मनुष्य की आवाज़ का अंकन किया गया।
1893-हिन्दी के एक प्रमुख साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन का जन्म।
1933-कन्नड़ सिनेमा की प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री प्रतिमा देवी का जन्म।
1948 -भारतीय फिल्म अभिनेत्री जया बच्चन का जन्म।
1965-कच्छ के रन में भारत-पाक में युद्ध छिड़ा।
1981-प्रथम महिला नेता दुर्गाबाई देशमुख का निधन।
1988-ली पेंग चीन के प्रधानमंत्री बने।
1989-एशिया की पहली सम्पूर्ण भूमिगत संजय जलविद्युत परियोजना शुरू की गयी।
1998-सऊदी अरब में मीना के पास भगदड़ में 150 से अधिक यात्रियों की मृत्यु।
1999-नाइजर के राष्ट्रपति इब्राहिम बारे मैनसारा की हत्या, खालसा पंथ की त्रिशती पर विशेष डाक टिकट जारी।
2002-बहरीन में निगम चुनाव में महिलाओं को भी भाग लेने की छूट मिली।
2003-स्टीव वॉ सर्वाधिक टेस्ट (157) खेलने वाले खिलाड़ी बने।
2004-ईराक में संघर्ष तेज़ अमेरिकी काफ़िले पर हमले में 9 लोगों की मृत्यु।
2004-पुर्तग़ाल के सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के कई आपराधिक मामलों में वांछित माफिया सरगना अबू सलेम के भारत प्रत्यर्पण सम्बन्धी आदेश की पुनः समीक्षा करने को कहा।
2005-ब्रिटेन के युवराज चार्ल्स का विवाह कैमिला के साथ सम्पन्न।
2006-यूरेनस ग्रह के चारों ओर शनि जैसा वलय होने की पुष्टि। पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ़ ने 2007 के चुनावों के बाद भी अपने पद बने रहने की घोषणा की।
2008-उत्तर प्रदेश सरकार ने दलिया व कॉपियों समेत डेढ़ दर्जन वस्तुओं को वैट से मुक्त किया।

लाल सागर में हूती हमलों का असर

चीन से यूरोप के बीच मालपरिवहन की लागत हुई दोगुनी

ब्रूसेल्स, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में किए जा रहे हमलों के बीच चीन से यूरोप तक एक कंटेनर की शिपिंग की लागत दोगुनी और जहाजों को अन्य मार्गों पर चलाने के कारण बीमा दरों में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल सोमवार को यह जानकारी दी।

शिपिंग के लिए बीमा में 60 प्रतिशत की वृद्धि

बोरेल ने लाल सागर में समुद्री सुरक्षा बनाए रखने के लिए यूरोपीय संघ के हाल ही में लॉन्च किए गए 'एस्पाइड्स मिशन' को समर्पित एक कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा कि हूती विद्रोहियों के समुद्री यातायात पर हमलों की वजह से केप ऑफ गुड होप के आसपास मार्गों को डायवर्ट किया जाना है। जिससे उनकी यात्रा को 10 से 14 दिन अधिक लगेंगे। चीन से यूरोप तक परिवहन किए गए कंटेनर की लागत दोगुनी हो गई है और शिपिंग के लिए बीमा में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

हूतियों ने नवंबर 2023 में गाजा पट्टी में सैन्य कार्रवाई बंद करने तक इज़रायल से जुड़े किसी भी जहाज पर हमला करने की कसम खाई थी। इसके चलते अमेरिका को दिसंबर में लाल सागर में नेविगेशन को सुरक्षित करने के लिए एक बहुराष्ट्रीय अभियान की घोषणा करनी पड़ी।

आईडीएफ की राफा में जमीनी आक्रमण की तैयारी

तेल अवीव। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) दक्षिणी गाजा में खान यूनिस ऑपरेशन समाप्त करने के बाद अब राफा में सैन्य अभियान की तैयारी कर रहा है। इजराइली रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि राफा में जमीनी आक्रमण की तैयारी की जा रही है। इज़राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने रविवार को आईडीएफ के 98वें डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और राफा ऑपरेशन पर चर्चा की। अमेरिका और अन्य पश्चिमी शक्तियों सहित इज़राइल के सहयोगियों ने इज़राइल से कहा है कि वह राफा में जमीनी आक्रमण न करे, इससे नागरिकों को बहुत नुकसान होगा।

तीनों सेनाओं की कार्य प्रणाली में तालमेल महत्वपूर्ण : मनोज पांडे

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने भविष्य की चुनौतियों के मद्देनजर खतरों के प्रभावशाली आकलन, स्पष्ट रणनीति क्षमताओं की पहचान , नीति बनाने, पुख्ता तैयारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे के भीतर उचित जवाबी कार्रवाई के लिए तीनों सेनाओं की कार्यप्रणाली में तालमेल के महत्व पर जोर दिया है।

जनरल पांडे ने सोमवार को लमिलनाडु के वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में 79 वें स्टाफ कोर्स के संकाय और अधिकारियों को संबोधित किया जिनमें मित्रवत देशों के 36 अधिकारी भी शामिल थे। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, भू-रणनीतिक परिदृश्य, उभरते परिदृश्य और सेना में सुधार संबंधी पहलों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखी। भविष्य के युद्धों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विघटनकारी प्रौद्योगिकियां पारंपरिक युद्ध को नया आकार दे रही हैं। उन्होंने अंतरिक्ष, साइबर, इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक स्पेक्ट्रम और सूचना सहित नए डोमेन में युद्ध के विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने रणनीतिक क्षितिज के विस्तार में भारत के हितों की रक्षा करने की बढ़ती आवश्यकता पर बल दिया।

कुवैत के अमीर ने मंत्रिमंडल का इस्तीफा किया स्वीकार

कुवैत सिटी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने रविवार को मंत्रिमंडल का इस्तीफा स्वीकार करते हुए एक डिक्री जारी की और नेशनल असेंबली को 17 अप्रैल को अपना पहला सत्र बुलाने के लिए कहा।

सरकारी समाचार एजेंसी कुना द्वारा जारी पहले आदेश में कहा गया है कि अमीर ने प्रधानमंत्री और अन्य मंत्रियों के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है, साथ ही कहा कि वे नए मंत्रिमंडल के गठन तक अपने संबंधित पदों के जरुरी मामलों को संभालना जारी रखेंगे। अमीर ने एक अन्य डिक्री में 17 अप्रैल को 18वें विधायी कार्यकाल का पहला नियमित सत्र बुलाने के लिए नेशनल असेंबली कस सत्र बुलाया है।

कुवैत के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद सबा अल-सलेम अल-सबा ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल का इस्तीफा अमीर को सौंप दिया। गुरुवार को नयी संसद के चुनाव के बाद इस्तीफा एक प्रक्रियात्मक कदम है। कुवैत के मतदाताओं ने नेशनल असेंबली के सदस्यों का चुनाव करने के लिए गुरुवार को मतदान किया था। अगले दिन की मतगणना के अनुसार 200 उम्मीदवारों में से 50 प्रतिनिधि चुने गए।

रूस में 10,400 से अधिक घरों में भरा बाढ़ का पानी

मास्को, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस के पश्चिमी साइबेरिया के वोल्गा क्षेत्र और सेंट्रल फेडरल डिस्ट्रिक में बाढ़ में 10,400 से अधिक घरों में बाढ़ का पानी भर गया है।

रूसी मंत्रालय के आपातकालीन स्थिति विभाग ने बताया कि ऑरेनबर्ग क्षेत्र के 6,100 से अधिक लोग बेघर हो गये हैं और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। इसके अलावा, 33 हजार लोगों के लिए कुल 33 अस्थायी आवास केंद्र तैनात किए गए हैं। ऑरेनबर्ग क्षेत्रीय सरकार ने कहा कि 10 अप्रैल तक बाढ़ का स्तर बढ़ सकता है और यह स्तर 25 अप्रैल से पहले सामान्य होने की उम्मीद है। तास समाचार एजेंसी ने आपातकालीन स्थिति मंत्रालय का हवाला देते हुए कहा कि 18 हजार से अधिक लोग बाढ़ के खतरे वाले क्षेत्र में हैं एजेंसी के अनुसार, सात-11 अप्रैल का डेटा साइबेरिया, वोल्गा क्षेत्र और सेंट्रल फेडरल डिस्ट्रिक्ट में दैनिक औसत तापमान, बर्फ पिघलने और नदी में जलस्तर की वृद्धि की ओर इशारा करता है। इससे निचले इलाकों और परिवहन बुनियादी ढांचे में बाढ़ का खतरा बढ़ने की आशंका है।

आदेश *पाकिस्तान की सत्र अदालत ने दिया फैसला*

एक व्यक्ति को 80 कोड़े मारने की सजा सुनाई

कराची, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कराची में एक सेशन कोर्ट ने एक दुर्लभ सजा सुनाते हुए एक व्यक्ति को 80 कोड़े मारने का आदेश दिया है। अदालत ने उस व्यक्ति को अपनी पत्नी पर व्यभिचार का झूठा आरोप लगाकर अपनी बेटी को अपनाने से इनकार करने का दोषी पाया था। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मालिर शेहनाज बोह्यो ने आरोपी फरीद कादिर को कम से कम 80 कोड़े मारने की सजा सुनाई। आदेश में कहा गया है कि जो कोई भी कजफ के लिए उत्तरदायी होगा।

उसे 80 कोड़े मारने की सजा दी जाएगी। अदालत ने यह भी फैसला सुनाया कि दोषसिद्धि के बाद फरीद कादिर द्वारा प्रदान किए गए साक्ष्य किसी भी अदालत में स्वीकार्य नहीं होंगे।

मामले के विवरण के अनुसार, फरीद कादिर (दोषी) की पूर्व पत्नी ने अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि उसकी शादी फरवरी 2015 में हुई थी और वह कम से कम एक महीने तक फरीद के साथ रही थी। दिसंबर 2015 में फरीद की पत्नी ने एक बच्ची को जन्म दिया।

फरीद की पूर्व पत्नी ने कहा कि मेरे पति (फरीद) भरण-पोषण देने या मुझे और हमारी नवजात बेटी को अपने घर वापस ले जाने में भी विफल रहे। मैंने पारिवारिक न्यायालय में मामला दायर किया और मेरे पक्ष में डिग्री प्राप्त हुई।

■ पाकिस्तान में ऐसी सजा जिया उल हक के दौर के बाद नहीं देखी गई

अदालत ने फरीद को अपनी बेटी और मेरे (फरीद की पूर्व पत्नी) के भरण-पोषण की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। लेकिन मेरे पति ने कार्यवाही के दौरान अदालत में दो आवेदन प्रस्तुत किए, जिसमें बच्ची के लिए डीएनए परीक्षण और अपनी बेटी को अस्वीकार करने की मांग की गई। ये आवेदन बाद में फरीद द्वारा वापस ले लिए गए।

दूसरी ओर, आरोपी फरीद ने अपनी पूर्व पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उसकी पत्नी ने उसके साथ केवल छह घंटे बिताए थे। उसने कहा कि मैं और मेरी पत्नी केवल छह घंटे ही साथ रहे। फिर वह घर से चली गई और कभी वापस नहीं लौटी।

पाकिस्तान में 80 कोड़े मारने की सजा एक ऐसी सजा है जो 70 के दशक के जिया उल हक के दौर के बाद नहीं देखी गई है। अभियोजक सायरा बानो ने कहा कि वकील के रूप में अपनी पिछले 14 वर्षों की सेवा के दौरान मैंने क़फ़ज़ अध्यादेश की धारा-7 के तहत कोड़े मारने की कोई सजा नहीं देखी है। उन्होंने कहा कि कोड़े मारने की यह सजा दशकों में शारीरिक दंड के रूप में अपनी तरह की पहली घटना हो सकती है।

दुनिया को जानें

दक्षिण कोरिया ने किया दूसरा सैन्य जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित

सोल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया ने अपना दूसरा सैन्य जासूसी उपग्रह स्पेसएक्स फॉल्कन 9 रॉकेट पर प्रक्षेपित किया है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्पेसएक्स के एक लाइव फुटेज में दिखाया गया है कि दक्षिण कोरिया के स्वदेशी सैन्य जासूसी उपग्रह सहित 11 उपग्रहों को ले जाने वाला फाल्कन 9 रॉकेट अमेरिका के फ्लोरिडा में कैनेडी स्पेस सेंटर से सोमवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 8:16 बजे रवाना हुआ। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि प्रक्षेपण के लगभग 45 मिनट बाद जासूसी उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया गया। दक्षिण कोरिया ने 2025 तक पांच सैन्य जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है, जिसमें सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) सेंसर से लैस दूसरा उपग्रह भी शामिल है। इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और इंफ्रारेड सेंसर से लैस पहला उपग्रह पिछले साल दिसंबर में प्रक्षेपित किया गया था।

प्रादेशिकी

कई पार्षदों व सरपंचों के साथ त्र्यंबक दत्त 'आप' में शामिल

चंडीगढ़, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब को आनंदपुर साहिब लोकसभा क्षेत्र में उस समय बड़ी बढ़त मिली जब गढ़शंकर नगर परिषद के अध्यक्ष त्र्यंबक दत्त ऐरी कई पार्षदों और सरपंचों के साथ आप में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कांग्रेस और अकाली दल छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल होने वाले सभी नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। गढ़शंकर विधायक जय किशन सिंह रोड़ी की उपस्थिति में गढ़शंकर एमसी अध्यक्ष और एमसी सोमवार को आप में शामिल हो गए। शामिल होने वालों में त्र्यंबक दत्त ऐरी (अध्यक्ष नगर परिषद गढ़शंकर), सरबजीत कौर (ब्लॉक समिति अध्यक्ष गढ़शंकर) एमसी परवीन, सोमनाथ बांगर, एमसी दीपक कुमार, एमसी हरप्रीत सिंह, एमसी सुमित सोनी, एमसी अमरीक सिंह एवं अन्य शामिला हुए।

देश के विकास से भाजपा का कोई लेना देना नहीं : गणेश गोदियाल

गोदियाल ने कई लोगों को कांग्रेस की सदस्यता दिलाई

कोटद्वार, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। पौड़ी संसदीय सीट के कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल ने कहा कि भाजपा पूरे देश को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का काम कर रही है। जिससे देश का लोकतंत्र खतरे में पड़ने लगा है। उन्होंने कहा कि देश के विकास से भाजपा का कोई लेना देना नहीं है। भाजपा सिर्फ लोगों को धर्म जाति के नाम पर बांटकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने का काम कर रही है।

चुनाव प्रचार के दौरान जन संवाद करने सतपुली पहुंचे गणेश गोदियाल ने हरीश रावत के कांग्रेस आलसी हो गई है बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हरीश रावत ने किसी क्षेत्र विशेष में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के लिए इस तरह का बयान दिया है। गढ़वाल सीट पर कार्यकर्ता चुस्त हैं। सतपुली में जनसभा के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल ने कई लोगों को कांग्रेस की सदस्यता भी दिलाई। इसके अलावा उन्होंने पैडुल में जनसंपर्क किया। फिर परसुंडाखाल में जनसभा को संबोधित किया। इसके बुआखाल में डोर टू डोर जाकर जनता से वोट भी मांगे। इस दौरान आम आदमी पार्टी के नेता दिगमोहन नेगी ने गणेश गोदियाल को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि जनता इस बार बीजेपी के नेताओं के खोखले वादों से ऊब चुकी है। ऐसे में जनता मन बना चुकी है कि इस बार कांग्रेस को जीत दिलाना है।कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के कांग्रेस आलसी हो गई है बयान पर कहा कि उन्होंने किसी क्षेत्र विशेष में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के लिए इस तरह का बयान दिया है। निश्चित तौर से पूरे प्रदेश में कांग्रेस का हर कार्यकर्ता उत्साहित है। जो कांग्रेस की मजबूती के लिए लगातार काम कर रहा है। गढ़वाल लोकसभा सीट पर कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी तरह से एक्टिव हैं। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी समाज को बांटने का काम करती है। जबकि, कांग्रेस मिलाने में विश्वास करती है. आज देश की हालत विकट है। महंगाई चरम पर है, जो सिलेंडर 500 रुपए का मिलता था, वो आज 900 पार चला गया है। महंगाई से लोगों की थाली से अनाज गायब हो रहा है। कांग्रेस सबको साथ लेकर चलती है। इस बार जनता बीजेपी की सरकार को उखाड़ फेंकने जा रही है।

भाजपा देश को जाति मजहब के नाम पर बांटकर सेक रही राजनितिक रोटियां : गणेश गोदियाल

11 अप्रैल को जनसभा को सम्बोधित करेंगे पीएम मोदी

देहरादून, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अप्रैल को ऋषिकेश के आईडीपीएल हॉकी मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा के लिए सीएम पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आज आईडीपीएल मैदान में भूमि पूजन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन की सूचना पर आज पूजा की गई। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री आना उत्तराखंड के लिए एक उत्सव की तरह है। वह देवभूमि को अपना परिवार मानते है। उन्होने कहा कि भाजपा का पांचों लोकसभा सीटों पर कोई मुकाबला नहीं है। उन्होने कहा कि लोग दलों और पार्टियों से ऊपर उठकर प्रधानमंत्री मोदी को विजयी बनाएंगे। भाजपा प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियों में जुटी हुई है। चुनावों के मद्देनजर पीएम का यह 10 दिन में उत्तराखंड का दूसरा दौरा है। 2 अप्रैल को पीएम मोदी ने नैनीताल विधानसभा सीट के तहत रुद्रपुर में बड़ी जनसभा को संबोधित किया था। इसके बाद 11 अप्रैल को मोदी फिर ऋषिकेश में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे।

पीएम मोदी ने महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण देकर किया मजबूत : धामी

बागेश्वर, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। अल्मोड़ा पिथौरागढ़ लोकसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी अजय टम्टा के प्रचार में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज बागेश्वर के कपकोट विधानसभा के रीमा पहुंचे। जहां उन्होंने चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान सीएम धामी ने देश के विकास के लिए जनता से बीजेपी को वोट देने की अपील की। वहीं, सीएम धामी ने सरकार के काम भी गिनाए।

- कपकोट में सीएम ने चुनावी रैली को किया संबोधित
- भाजपा प्रत्याशी अजय टम्टा के लिए मांगे वोट

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण देकर नारी शक्ति को आगे बढ़ाने का काम किया है। पीएम मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कराने का संकल्प पूरा किया है। साथ ही वन रैंक वन पेंशन देने और देश की सेना को अच्छे उपकरण के साथ सुविधाएं देकर सेना के हाथों को मजबूत करने का काम किया है।

इसके अलावा सीएम धामी ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाओं के बदौलत देश आज तेजी से विकास कर रहा है। आज देश को अगर तेजी से विकास करना है तो मोदी सरकार को फिर से लाना है। उन्होंने कहा कि रंगीली नाकुरी अपनी सांस्कृतिक और अपनी वीरता के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कामों को आगे बढ़ाने का काम अजय टम्टा ने किया है। देवभूमि उत्तराखंड के हर व्यक्ति को 400 पार के नारे को पूरा करना है। आज देश के गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम मोदी ने किया है। उन्होंने कहा कि जनता ने प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की ठान ली है।

अल्मोड़ा पिथौरागढ़ लोकसभा सीट के बीजेपी प्रत्याशी अजय टम्टा ने कहा कि बीजेपी विकास और राष्ट्रीय मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है, लेकिन विपक्षी दल कांग्रेस इस चुनाव को भटकाने का काम रही है। बीजेपी प्रदेश की पांचों सीटों पर अपनी विजय पताका फहराएगी। देश का इतिहास बदलने का काम मोदी सरकार में हुआ है। उन्होंने कहा कि सीएम धामी ने उत्तराखंड में यूसीसी कानून लाकर पूरे देश में नजीर पेश की है।

सार संक्षेप

मतदाता सूची में नाम की जांच करने के लिए डाउनलोड करें वोटर हेल्पलाइन ऐप

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने सोमवार को बताया कि कानून में नवीनतम संशोधन के अनुसार, चुनाव आयोग ने नए मतदाताओं के लिए रजिस्ट्रेशन के नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसके अनुसार 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नए वोटर मतदाता सूची में अपना नाम अब जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर की पहली तारीख को भी दर्ज करवा सकते हैं। पूर्व में एक जनवरी को ही मतदाताओं का नाम दर्ज किया जाता था। उन्होंने कहा कि इन संशोधनों के दृष्टिगत एक अप्रैल, 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवा मतदाता हिमाचल प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनावों में वोट डालने के लिए पंजीकरण करवा सकते हैं। गर्ग सोमवार को यहां आयोजित कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नए मतदाता गूगल प्ले से वोटर हेल्पलाइन ऐप डाउनलोड करके भी मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं और नए मतदाता फार्म-6 भरकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं।

चांदणी धार पूजन की परंपरा निभा रही युवा पीढ़ी

उत्तरकाशी। वनादोलनों की भूमि मक्कूमठ (केल) जहां प्राकृतिक संपदाओं से संपन्न हैं तो वहीं लोकपरंपराओं से भी समृद्धि है। यहां के स्थानीय लोगों का जल, जंगल, जमीन से भी गहरा नाता है। 'मौण द्योला पर बौण ना' जिसका अर्थ है हम गर्दन कटवा देंगे पर जंगल नहीं का नारा देने वाले लोग यहीं के है। सन् 1980 के दशक में कोयला खदान बंद आंदोलन की शुरुआत भी यहीं से हुई थी। जिसमें विशेष रूप से महिलाओं का योगदान रहा। यहीं एक अनूठी परंपरा है 'चांदणी धार पूजन' जो चैत्र महीने के दूसरे सप्ताह के दौरान होती है। जिसमें प्रकृति व स्थानीय लोगों के बीच एक संबंध को भी दर्शाता है।

अमृतसर बैंक डकैती के तीन आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़। एक बड़ी सफलता में अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पंजाब और हरियाणा में तलाशी के साथ कुछ ही घंटों में अमृतसर में बंदूक की नोक पर हुई आईसीआईसीआई बैंक डकैती की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि बैंक डकैती के सभी तीन आरोपियों को लूटी गयी सात लाख सत्तर हजार की नकदी और दो पिस्तौल (0.30 बोर पिस्तौल और डमी पिस्तौल) के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। यादव ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों की पहचान सूरज निवासी भाई मंझ रोड, सुल्तानविंड, अमृतसर, इंद्रजीत सिंह उर्फ सज्जन निवासी भाई मंझ रोड, प्रिंस उर्फ शेरा निवासी गोबिंद नगर, सुल्तानविंड रोड, अमृतसर के तौर पर हुई है।

सुडोकू 6519 का हल

4	7	8	1	2	5	6	3	9
6	3	1	9	8	7	2	4	5
5	2	9	4	3	6	8	1	7
8	5	2	3	4	9	1	7	6
9	6	7	5	1	8	3	2	4
3	1	4	7	6	2	5	9	8
2	9	5	6	7	1	4	8	3
1	4	6	8	9	3	7	5	2
7	8	3	2	5	4	9	6	1

प्रेमनगर इलाके में सुनाई दी धमाकों की आवाजें

लोगों में मची अफरा-तफरी, जांच में जुटी पुलिस

देहरादून, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। सोमवार दोपहर प्रेमनगर थाना क्षेत्र के 10 किलो मीटर के रेडियस में विस्फोट की आवाज सुनाई दी। जिसके बाद लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। विस्फोट का आवाज के बाद से ही लोगों में दहशत का माहौल बन गया। जब पुलिस को सूचना मिली तो अलग-अलग टीमें क्षेत्र में भेज कर वेरिफाई करवाया गया तो किसी जमीनी ब्लास्ट या ऐसी कोई घटना होने की पुष्टि नहीं हुई। एसएसपी अजय सिंह भी प्रेमनगर क्षेत्र में रवाना हुए हैं।

थाना प्रेमनगर को एफआरआई और प्रेमनगर थाना क्षेत्र में विस्फोट की आवाज सुनाई देने की सूचना मिली। सूचना को वेरिफाई करने के लिए तत्काल अलग-अलग टीमें गठित कर मौके पर रवाना की गई। प्रेमनगर थाना क्षेत्रों के अलग-अलग स्थानों पर किसी जमीनी ब्लास्ट या ऐसी कोई घटना होने की पुष्टि नहीं हो पाई है। साथ ही सूचना की गम्भीरता को देखते हुए एसएसपी खुद क्षेत्र में रवाना हुए हैं। सूचना देने वाले कॉलरों से बात करने पर उनके द्वारा हवा में ब्लास्ट होने से

सम्बन्धित सूचना दी जा रही है। थाना प्रेमनगर प्रभारी गिरीश चंद्र ने बताया पुलिस टीमें निरंतर सूचना की पुष्टि के लिए प्रयासरत हैं। साथ ही आम जनता से अपील की जा रही है की ऐसी किसी सूचना पर घबराएं न, पुलिस द्वारा अन्य सम्बन्धित ऐजेन्सीज से सम्पर्क कर प्रमाणिकता की जांच की जा रही है।

धमाके वायु सेना के फाइटर प्लेन की सुपरसोनिक बूम की संभावना : एसएसपी

देहरादून। कंट्रोल रूम देहरादून में देहरादून के आस-पास के इलाकों में एक जोरदार धमाका सुने जाने की सूचनाएं लगातार प्राप्त होने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में भ्रमण कर सूचना की जानकारी की गई तो यह धमाके की आवाज़ हवा मे होने की पुष्टि लोगों ने की। विभिन्न एजेंसी से संपर्क किया गया और प्रारंभिक जानकारी मे ऐसा पता चला कि वायु सेना के फाइटर प्लेन की सुपरसोनिक बूम की संभावना है। सामरिक महत्व के कारण ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा सकती इसलिए स्थानीय जनता से अनुरोध है कि संयम बनाए रखें तथा भयभीत न हो। किसी को भी कोई समस्या हो तो वह कंट्रोल रूम में जानकारी दे सकते है।

हवाई अड्डे पर वायु सेना का गगन शक्ति अभ्यास जारी

उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर वायु सेना का गगन शक्ति सैन्य अभ्यास जारी है। सोमवार को बीस जवानों ने हवाई अड्डे पर एएन 32 विमान से 18000 फीट की ऊंचाई से पैराशूट से लैंडिंग की। चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर वायुसेना ने रविवार को भी गगन शक्ति के तहत हवाई सैन्य अभ्यास किया। वायुसेना के मालवाहक विमान एएन 32 ने रनवे पर लैंडिंग व टेकऑफ किया। आगरा एयरबेस से पहुंचे दो एनएन 32 विमानों ने आसमान में करीब एक घंटे तक अभ्यास किया। वायुसेना की ओर से एक से 10 अप्रैल तक गगन शक्ति हवाई सैन्य अभ्यास किया जाएगा। वायुसेना के लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर राजस्थान के पोखरण से पश्चिमी व उत्तरी सीमा क्षेत्र में अभ्यास के लिए पहुंच रहे हैं। वायुसेना के गोरखपुर एयरबेस से दो एमआई 17 हेलिकॉप्टर भी हेलीपैड पर पहुंचे हैं। रविवार को दोनों एमआई 17 हेलिकॉप्टरों ने साढ़े नौ बजे टिहरी की ओर उड़ान भरी। वहीं, आगरा एयरबेस से पहुंचे एएन 32 विमान ने सुबह साढ़े आठ और साढ़े 10 बजे दोबारा आसमान में अभ्यास किया।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर काम कर रहे पीएम मोदी : कोश्यारी

हल्द्वानी, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी हल्द्वानी पहुंचे, जहां उन्होंने कहा कि मैं राजनीति पर कोई बात नहीं कर रहा हूं। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक भारत, श्रेष्ठ भारत संकल्प के तहत काम कर रहे हैं। हम सभी को पीएम मोदी के संकल्प को पूरा करना है। सभी लोग पार्टी धर्म से उठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस संकल्प को पूरा करने के लिए आगे आएंगे। इस संकल्प से जब लोग काम करेंगे तो देश और समाज में समरसता और विकास आएगा।

भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि देश के लोग समझदार हैं और पूरे विश्व के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया का नंबर वन नेता मानते हैं। मोदी को विश्व के नेता मानने पर भारत के लोगों को भी गर्व होता है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जानता फिर से प्रधानमंत्री देखना चाहती है। गौरतलब है कि पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी राजनीतिक कार्यक्रम से हटकर जगह-जगह पर बुद्ध सम्मेलन के माध्यम से लोगों को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जागरूक करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत संकल्प को लेकर लोगों को बीच जा रहे हैं। पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि आज देश का हर वर्ग, हर व्यक्ति लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान कर देश को सर्वश्रेष्ठ भारत बनाने की दिशा में अपना योगदान देगा।

सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

हरिद्वार, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। सोमवती अमावस्या पर सोमवार सुबह से हरिद्वार में गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच। श्रद्धालुओं ने हरकी पैड़ी के ब्रह्म कुंड से लेकर गंगा के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालु गंगा स्नान किया।

स्थिति ये थी कि हरकी पैड़ी के ब्रह्म कुंड से लेकर गंगा के विभिन्न घाटों पर भारी भीड़ ने आस्था की डुबकी लगाई। वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने से यहां वाहनों का भी भारी दबाव हो गया। यहां होटल, आश्रम और धर्मशाला सब पूरी तरह पैक हो चुके हैं। सोमवती अमावस्या को लेकर हालांकि जिला प्रशासन ने 29 जोन और 39 सेक्टर में बांटकर सोमवती अमावस्या को संपन्न करने का पूरा प्लान तैयार किया था।

इस बार सोमवती अमावस्या का स्नान बहुत ही दुलर्भ संयोग के साथ पड़ा है। इंद्र योग में इस दिन स्नान, दान करने से पितृ तो प्रसन्न होते ही हैं उनका आशीर्वाद बना रहता है। ज्योतिषाचार्यों की माने तो इस दिन समस्त शिव परिवार और माता लक्ष्मी की विशेष पूजा अर्चना का विधान है। इसमें सभी को परिवार समेत गंगा स्नान और देव दर्शन करने चाहिए।

इस बार सोमवती अमावस्या स्नान पर्व की महत्ता बताते हुए नारायण ज्योतिष संस्थान के आचार्य विकास जोशी ने कहा कि चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की अमावस्या तिथि आठ अप्रैल की सुबह तीन बजकर 31 सोमवती अमावस्या बहुत ही दुर्लभ योग बना है। इस तिथि का समापन इसी दिन मध्य रात्रि 11 बजकर 50 मिनट पर होगा।

ऊना सहित आठ क्षेत्रों में तापमान 30 डिग्री पार

शिमला, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में सोमवार को मौसम साफ रहा। ऊना सहित आठ क्षेत्रों में तापमान 30 डिग्री पार रहा। मंगलवार को भी पूरे प्रदेश में धूप खिली रहने की संभावना है।

आगामी 10 और 11 अप्रैल को प्रदेश के मध्य और उच्च पर्वतीय आठ जिलों किन्नौर, लाहौल-स्पीति, शिमला, सोलन, सिरमौर, मंडी, कुल्लू और चंबा में बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में यह बदलाव आने का पूर्वानुमान है।आगामी 12 अप्रैल को मौसम साफ रहने और 13 और 14 अप्रैल को पूरे प्रदेश में मौसम बदलने के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज होने की संभावना है। सोमवार को ऊना में अधिकतम तापमान 35.4, सुंदरनगर 31.0, कांगड़ा 31.8, मंडी 30.8, बिलासपुर 32.7, चंबा 30.3, धौलाकुआं 33.9, बरठीं 31.4, सोलन 29.5, नाहन 28.9, धर्मशाला 27.1, शिमला में 22.4, मनाली में 21.7 और कुफरी में 15.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। प्रदेश में इस वर्ष मार्च के दौरान सामान्य से अधिक बादल बरसे। एक से 31 मार्च तक प्रदेश में सामान्य से 24 फीसदी अधिक बारिश हुई। प्रदेश में 140.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। इससे पूर्व वर्ष 2020 में सामान्य से 44 फीसदी अधिक बारिश हुई थी। वर्ष 2021, 2022 और 2023 के दौरान मार्च में सामान्य से कम बारिश हुई थी।

शशि कुडियाल के काव्य संग्रह 'दिल से दिल तक' का किया लोकार्पण

उत्तराकाशी, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। जोशीयाड़ा उत्तरकाशी में शशि कुड़ियाल ने साहित्य सखि मिलन समारोह आयोजित करके अपने काव्य संग्रह दिल से दिल तक का लोकार्पण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शशि कुड़ियाल और के.सी. कुड़ियाल ने सभी आगंतुकों को कुमकुम और अक्षत का टीका लगाकर पारम्परिक स्वागत विधि से किया। इस कार्यक्रम में साहित्य समाज, संगीत और कलाओं से सुसज्जित नारी शक्ति को अपनी रचना भेंट करके शशि ने अपनी लेखनी के सफर के अनुभव को भी सांझा किया ।

साहित्य सखी मिलन उत्सव आयोजित

उत्तरकाशी की धरती से साहित्य की गंगा में अनेक रचनाएं भाव दीप की भांति निरंतर प्रवाहित हो रही हैं साहित्य के माध्यम से नारी शक्ति लेखन और पुस्तक पठन की परम्पराओं के निर्वाह में अपनी सहभागिता निभाकर समाज को जागरूक कर रही है। शशि बताती हैं कि जीवन के लम्बे सफर में जो भी अनुभव हृदय की गहराई को छू जाते हैं वह कविता बनकर कागज के पन्नों पर उतर साहित्य में मिल जाती है। अपनी इन प्रतिभाओं से वह समाज को प्रेरणा देने का काम करती हैं। शशि के दिल से दिल तक इस कविता संग्रह की कविताओं का वाचन करके सभी ने इन पहलुओं की तुलना अपने जीवन से करके प्रत्येक रचना को बखूबी सराहा है। उत्तरकाशी के प्रभव साहित्य संगीत कला मंच एवं भारत विकास परिषद की वीरांगना शाखा ने शशि कुड़ियाल को शॉल ओढाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सुधा गुप्ता, शांति रावत साधना जोशी, किरण वत्रा सरिता भण्डारी, गीता गैरोला, अंजना रावत, अमिता नौटियाल, पंकज नाथ, वंदना चौहान, कल्पना असवाल, विद्या कुड़ियाल, शैफाली, मिनाक्षी,ज्योति किमोठी, वन्दना कुड़ियाल, दीपक नौटियाल, पृथ्वी नैथानी, विशाल कलुडा़ ,आदि उपस्थित रहे। उत्तरकाशी की पावन भूमि से साहित्य की गंगा प्रवाहित करके समाज की आने वाली पीढ़ी को जोड़ कर नारी शक्ति त्याग, समर्पण, संस्कार और साहित्य से जुड़कर विकास में अपना योगदान दे रही हैं।

कांग्रेस ने किया अंबेडकर की पहचान को मिटाने का पाप : लाल सिंह

देहरादून, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। 'बाबा साहब अंबेडकर को शीर्ष सम्मान देते हुए, उनके विचारों को आगे बढ़ाने का काम मोदी जी कर रहे हैं' भाजपा एससी मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने ये बात कहते हुए कांग्रेस पर दलित विरोधी और संविधान विरोधी होने का आरोप लगाया। पार्टी के बस्ती संपर्क एवं अनुसूचित जाति सम्मेलन के राष्ट्रव्यापी अभियान के क्रम में आज देहरादून पहुंचे आर्य ने रिस्पना पुल स्थित प्रदेश मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया । इस दौरान उन्होंने बताया कि अब तक एक लाख से अधिक अनुसूचित बस्तियों में यह

कांग्रेस ने कभी संविधान दिवस मनाने की नहीं सोची : लाल सिंह आर्य

अभियान पूरा किया गया है। जिसके तहत हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 10 साल में हुए पिछड़े समाज और गरीब कल्याण के कामों को लेकर जनता के मध्य गए हैं। इस क्रम में हमने अनुभव किया कि बस्तियों में रहने वाले अधिकांश लोग मोदी सरकार और राज्य सरकारों से

- कांग्रेस पर जमकर किए वार, मोदी सरकार की गिनाई उपब्धियां

कामों से बेहद प्रसन्न हैं और मोदी जी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए कटिबद्ध हैं।

इस अवसर पर उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस और विपक्ष ने मिलकर लगभग 60 साल सरकार में रहे और सिर्फ गरीब कल्याण के नारे लगाए लेकिन किसी भी योजना को अमलीजामा नहीं पहनाया। इतना ही नहीं 1952 के प्रथम चुनाव में और 1954 के भंडारे के उपचुनाव में भी संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर को हराने का पाप कांग्रेस ने किया । उनको भारत रत्न से सम्मानित करने का काम भी 43 साल बाद बीपी सिंह की सरकार में हुआ, लेकिन कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए अंबेडकर को सम्मानित करना जरूरी नहीं समझा। इसी तरह लोकसभा और राज्यसभा के सेंट्रल हॉल में भी उनका चित्र लगाने का काम तक नहीं किया।

खड़गे के लिए 370 हटने का महत्व नहीं

देहरादून। भाजपा एससी मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे पर तंज किया कि जिन्हें 370 और 371 धारा का अंतर नहीं मालूम, उन्हे राजस्थान या किसी अन्य प्रदेश में 370 हटाने का जिक्र करने करने का महत्व महसूस नही होगा। लेकिन एससी एसटी समाज को है जिसे धारा 370 हटने से जम्मू कश्मीर में 70 साल से छीना हुआ अपना राजनीतिक प्रतिनिधित्व हासिल हुआ है। वहां पहली बार विधानसभा में एससी को 7 और एसटी को 9 सीटें आरक्षण लागू होने से मिलने जा रही हैं। साथ ही ऐसी अनेकों योजनाओं का लाभ सर्व समाज को वहां हासिल होगा ।

प्रादेशिकी

किराना दुकान में आग लगने से लाखों का सामान राख

फर्रुखाबाद,8 अप्रैल (देशबन्धु)। बीती देर रात किराना दुकान में भीषण आग लग गई जिससे किरानें का लाखों रुपए का सामान राख हो गया। मौके पर दमकल की गाड़ियों नें पंहुचकर आग पर काबू पाया। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बाग कूंचा निवासी राजन पाण्डेय पुत्र संजय पाण्डेय की थाना कादरी गेट के मन्नीगंज में किरानें की थोक दो मंजिला दुकान है। राजन नें बताया कि बीते रविवार को देर शाम दुकान को बंद कर घर चले गए। देर रात लगभग 2.50 बजे सूचना मिली कि दुकान में आग लग गई गई है। आग लगने की जानकारी पर राजन परिजनों और साथियों के साथ मौके पर आ गए उन्होंने दमकल को सूचना दी। सूचना मिलने पर दमकल मौके पर पंहुची और लगभग दो घंटे की कड़ी मसक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक लाखों का माल जलकर राख हो गया था।

भाजपा से हर कोई दुखी : अखिलेश

- भाजपा को दूसरों पर झूठे आरोप लगाने पर घेरा

भाजपा के शीर्ष पदों पर बैठे लोग जिस तरह की भाषा का प्रयोग करते है वह न तो संवैधानिक न लोकतांत्रिक : अखिलेश यादव

लखनऊ, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के कार्यकाल में अन्याय, अत्याचार चरम पर है और समाज का हर वर्ग दुखी है। यादव ने कहा कि भाजपा के शीर्ष पदों पर बैठे लोग जिस तरह की भाषा का प्रयोग करते है वह न तो संवैधानिक है और न लोकतांत्रिक। दूसरों पर झूठे आरोप लगाने वाले भाजपा नेताओं को खुद देखना चाहिए कि वे कैसे है। भाजपा ब्रह्माण्ड की सबसे झूठी और भ्रष्ट पार्टी है। इनका अस्तित्व ही झूठ पर टिका हुआ है। भ्रष्टाचार के मामले में तो भाजपा सरकार ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। भाजपा के लोग भ्रष्टाचार खुद करते हैं। भ्रष्टाचारियों को खुद पालते-पोसते हैं। आरोप विपक्षी दलों पर लगाते है। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार ने नोटबंदी से लेकर इलेक्टोरल बांड तक न जाने कितने भ्रष्टाचार किये हैं। इन सबकी जांच हो जाएगी तो यह देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार साबित होगा। भ्रष्टाचार करके ही भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। भ्रष्टाचार के पैसे से भाजपा सारे अलोकतांत्रिक और अनैतिक कार्य कर लोकतंत्र और संविधान को नुकसान पहुंचा रही है। सपा अध्यक्ष ने कहाद्य कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद जनहित में फैसले लेने के बजाय देश की संवैधानिक और सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग किया है। सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं से भाजपा के लिए चंदे की वसूली करायी। चुनावी चंदे के लिए तमाम कम्पनियों पर छापे डालकर उन्हें डराया गया। चंदा वसूला गया। विपक्ष के नेताओं के झूठे मामलों में फंसाकर जेल में डालकर उनकी आवाज दबायी गयी। भाजपा में शामिल होने का दबाव बनाया गया। दस साल की सरकार में भाजपा का कृत्य संविधान और लोकतंत्र विरोधी रहा है। भाजपा ने जनता से किये वादों को पूरा नहीं किया। उन्होने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी बढ़ाकर गरीब और मध्यम वर्ग की जनता, नौजवानों और व्यापारियों की कमर तोड़ दी है। आम जनता में भाजपा को लेकर भारी आक्रोश है। जनता लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताकर भाजपा को करारी शिकस्त देगी।

पूंजीपतियों के लिए काम कर रही भाजपा : अजय राय

वाराणसी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार पूंजीपतियों के लिए काम करती है। इससे रोजगार का संकट पैदा हुआ है। देश का युवा भटक रहा है। बनारस में गंगा सफाई के नाम पर लूट मची है। स्मार्ट सिटी के नाम पर सिर्फ बनारस को जाम मिला है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इंडी गठबंधन की बैठक रविवार को रोहनिया विधानसभा क्षेत्र मंडुवाडीह स्थित मां केवला लॉन में हुई। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि आज भी गटर में उतरकर सफाई करने वाले मजदूरों की मौत हो रही है। सरकार सफाई व्यवस्था नहीं कर पाई है। सड़कें साफ की जाती हैं, लेकिन गलियों की स्थिति नारकीय है। नगर निगम की ओर से कई गुना टैक्स वसूला जा रहा है। सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव ने कहा कि गठबंधन के लिए बूथ स्तर पर सभी कार्यकर्ता एक दूसरे का सहयोग करेंगे। सपा गठबंधन धर्म का पालन करते हुए इंडी गठबंधन के लिए तैयार है। इस दौरान पूर्व जिला उपाध्यक्ष विवेक यादव, राजेश्वर सिंह पटेल, विश्व विजय सिंह, आत्माराम यादव, आनंद मौर्या, मनीष सिंह मौजूद रहे।

भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन को तैनात किए प्रेक्षक

मेरठ, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के कम में जनपद मेरठ में सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक व व्यय प्रेक्षक का आगमन हो गया है। प्रेक्षकगण जनपद मेरठ स्थित सर्किट हाउस में ठहरे हुए है। कोई भी व्यक्ति/प्रत्याशी संबंधित प्रेक्षक से मिलकर निर्वाचन से संबंधित समस्या से अवगत करा सकते है। जिनके मिलने का स्थान, समय व मोबाईल नम्बर भी जारी किए गए हैं। गुरिन्दर पाल सिंह सहुता, (सामान्य प्रेक्षक) मोबाईल नं0-7599282376, मिलने का स्थान-एनेक्सी भवन, मीटिंग हॉल सर्किट हाऊस मेरठ तथा समय सुबह 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक है। दीपक पाण्डेय, (पुलिस प्रेक्षक) मोबाईल नं0-8923338718, मिलने का स्थान-मीटिंग हॉल सर्किट हाऊस मेरठ तथा समय सुबह 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक है। गोपाल कृष्ण झा, (व्यय प्रेक्षक) मोबाईल नं0-7599287213, मिलने का स्थान-सर्किट हाऊस मेरठ तथा समय सुबह 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक है। कुणाल कुमार, (व्यय प्रेक्षक) मोबाईल नं0-7599315953, मिलने का स्थान-सर्किट हाऊस मेरठ तथा समय सुबह 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक है।

पर्यवेक्षक ने तीनों गांवों में मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया

मतदाताओं से बात कर निष्पक्ष वोट डालने की अपील की

मवाना, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लोकसभा क्षेत्र बिजनौर के विधान सभा हस्तिनापुर के मतदान स्थलों को पर्यवेक्षक राहुल जैन ने गांव पलड़ा, अलीपुर और मोरना का निरीक्षण किया। उनके साथ में एसडीएम अंकित कुमार ने पर्यवेक्षक को बूथों की बारीकियों का अपनी देखरेख में निरीक्षण कराया। लोक सभा क्षेत्र बिजनौर के विधान सभा हस्तिनापुर का चुनाव निर्वाचन आयोग द्वारा प्रथम चरण 19 अप्रैल को कराया जाना तय किया गया है। इसके मद्देनजर चुनाव की तैयारी रफ्तार पकड़े हुए है। इसी कारण पर्यवेक्षक राहुल जैन ने सोमवार को संवेदनशील औरअतिसंवदेनशील बूथों को जायजा लिया। पर्यवेक्षक ने इन बूथों से सम्बंधित परिवारों के मुखिया से बातचीत की और उन्हें सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया। हस्तिनापुर विधान सभा क्षेत्र में 90 मतदान केन्द्र संवदेनशील और 13 मतदान केन्द्र अतिसंवेदनशील है। हस्तिनापुर विधान सभा क्षेत्र को तीन जोन और 37 सेक्टरों में बांटा गया है। उनके साथ नायब तहसीलदार नितेश कुमार ने गंभीरता से लेकर उसका अनुपालन कराये जाने को आश्वस्त किया। इस दौरान सम्बंधित थाने का पुलिस बल मौजूद रहा।

मतदाता पर्ची का किया वितरण

एसडीएम अंकित कुमार ने सोमवार को मतदाता पर्ची का वितरण किया। एसडीएम ने मोहल्ला मुन्नालाल में मतदाता क्रमांक 827 दीपांश गोयल पुत्र पवन गोयल की पर्ची उसको दुकान पर जाकर दी। उनके साथ बीएलओ भारतवीर सिंह भी रहे।

सार संक्षेप

ईवीएम कमिशनिंग संबंधित प्रशिक्षण दिया

मवाना। मवाना तहसील के सभागार में सोमवार को तहसीलदार आकांक्षा जोशी ने चुनाव में जुटे कर्मचारियों को ईवीएम का प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण में करीब 60 कर्मचारी शामिल रहे। तहसील सभागार में कर्मचारियों को ईवीएम कमिशनिंग सम्बंधित प्रशिक्षण दिया। मंगलवार से ये सभी कर्मचारियों को आईटीआई परिसर में चुनाव सम्बंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा। तहसीलदार ने बताया कि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में कमिशनिंग के जरिए चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों के नाम बैलेट यूनिट के साथ जोड़े जाते हैं।

महालक्ष्मी कॉलेज के शिक्षकों को मिला गुरु सम्मान

मवाना। रुड़की स्थित कोर यूनिवर्सिटी द्वारा गुरु सम्मान 2024 समारोह का आयोजन किया। समारोह में अलग अलग शिक्षण संस्थानों से लगभग तीन सौ शिक्षाविदों ने शिरकत की, जिसमें महालक्ष्मी डिग्री कॉलेज के प्रवक्ताओं को गुरु सम्मान 2024 अवार्ड से सम्मानित किया गया। एमबीए विभागाध्यक्ष अरुण गुप्ता, बीपीएस विभागाध्यक्ष विक्रम सिंह और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष और कॉलेज मीडिया प्रभारी शिवकुमार को यह सम्मान मिला।

अभियान चलाकर महिलाओ को बताएं सुरक्षित रहने के नियम

मवाना। नगर में महिला पुलिस द्वारा मेरठ रोड पुलिस चौकी के पास राहगीर महिलाओं कों रोक कर विषम परिस्थिति में बचाव के लिए टिप्स दिए। महिला उप निरीक्षक देवेश व महिला कांस्टेबल राखी ने बताया कि महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है इसमें प्रतिदिन ग्रामीण व नगर की महिलाओं को रोक कर उन्हें होने वाली छेड़छाड़ से कैसे बचना है इस बारे में उन्हें विस्तार से जागरूक किया जा रहा है वह महिला हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी जानकारी दी जा रही है किसी भी अनहोनी घटना से बचने के लिए इन नंबरों पर फोन करें और सुरक्षा पाए।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन में निलंबन की कार्यवाही

मेरठ। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि सरकारी टीचर विद्धवेश फलावदा इंटर कालेज द्वारा चुनाव प्रचार में व्यस्त संबंधी पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर की गई, जिसके क्रम में एमसीएमसी द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार संबंधित को चुनाव प्रचार में प्रतिभाग करने तथा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन का दोषी मानते हुए प्रथम दृष्टतया दोषी पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। प्रकरण में जांच अधिकारी नियुक्त कर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

भारतीय नववर्ष का किया स्वागत

लखनऊ। हिन्दू कलेंडर के अनुसार भारतीय नव वर्ष की पूर्व संध्या पर खाटू श्यामजी मंदिर पर हजारों की संख्या में दीप प्रज्वलित कर देश में सुख समृद्धि की कामना की गयी। नव वर्ष चेतना समिति द्वारा दो दिवसीय आयोजन में दीपदान एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगंतुकों ने आनन्द लिया।

कृषक इंटर कॉलेज में होगी जेईई और नीट परीक्षा की तैयारी

ग्रामीण अंचल में रहने वाले छात्र-छात्राओं को मिलेगा लाभ

मवाना, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। नगर मवाना के कृषक इण्टर कालेज में जेईई और नीट परीक्षा की तैयारी कराई जायेगी। प्रथम बार कक्षा 9 से 12 तक के छात्र छात्राओं को नीट व जेईई परीक्षा की तैयारी के लिए विशिष्ट विषय विशेषज्ञ व विद्यालय के अध्यापकों के सहयोग से विशेष कक्षाओं का संचालन आरम्भ किया जा रहा है। इसका सबेस ज्यादा फायदा ग्रामीण अंचल में रहने वाले छात्र छात्राओं को मिलेगा। यह जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार ने सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि वर्तमान सत्र से कृषक इण्टर कालेज मवाना की हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम विंग में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश मिलेगा।

विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के अनुसार ही प्रवेश प्रक्रिया चलेगी ताकि प्रत्येक छात्र छात्रा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके। इसी आधार पर विलम्ब से आने वाले छात्र छात्राएं प्रवेश से वंचित रह जाएंगे। छात्र छात्राओं की रुचि के अनुरूप शिक्षा के साथ-साथ खेल व एनसीसी, स्काउट, सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भिन्न भिन्न अकादमिक संचालन किया जाना प्रस्तावित है।

शोभित विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया वर्मि कंपोस्ट फार्म का भ्रमण

कंपोस्ट इकाई व बीकीपिंग इकाई के बारे में विस्तारपूर्वक जाना

मेरठ, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय के कृषि विभाग के छात्र-छात्राओं ने सोमवार को बी आई एम टी कॉलेज गढ़ रोड स्थित वर्मि कंपोस्ट फार्म का भ्रमण किया जहां विद्यार्थियों ने कृषि से संबंधित गतिविधियों का इस्तेमाल करके अपने क्षेत्र का दुगना इस्तेमाल करने के उपायों के बारे में और अपनी आय के साधनों को बढ़ाने के बारे में जाना। वर्मी दोस्त के फाउंडर केशव सिंघल द्वारा प्राकृतिक रूप से जो उन्होंने उत्पाद जैसे की नीम खली, नीम ऑयल के बारे में बताया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया की कैसे आप इन सब उत्पादों को अपने फार्म या गार्डन में इस्तेमाल करके अपने प्रोड्यूस की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ा सकते हैं। इसी क्रम में हाइड्रोपनिक्स में वर्मि कंपोस्ट का कैसे इस्तेमाल करके अपने प्रोड्यूस को बढ़ाए इसके बारे में भी जाना। विद्यार्थियों ने वर्मी कंपोस्ट इकाई और बीकीपिंग इकाई के बारे में विस्तारपूर्वक जाना।

वर्मि कंपोस्ट का इस्तेमाल करके किचन गार्डेनिंग करने से हमें प्राकृतिक उत्पाद मिलते हैं जिनमें पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा मौजूद होती है। आज के समय में मानव के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है की सभी जनमानस के लिए शुद्ध भोजन की व्यवस्था करना तो इसी उद्देस्य को पूरा करने के लिए अच्छे वर्मी कंपोस्ट का इस्तेमाल करना ही होगा। इसके अलावा सभी छात्रों ने शुद्ध शहद के बारे में जाना और उसके निकलने के तरीकों के बारे जाना और प्रत्यक्ष रूप से देखा।

विद्यार्थियों में जिज्ञासा देखने योग्य थी। अंत में केशव सिंघल जी द्वारा सभी को भेंटस्वरूप वर्मी कंपोस्ट के पैकेट्स दिए गए ।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन में निलंबन की कार्रवाई

मेरठ, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। उप जिलाधिकारी मवाना ने बताया कि तहसील मवाना में संग्रह अमीन के पद पर कार्यरत भूदेव शर्मा द्वारा लोकसभा क्षेत्र में राजनैतिक दल के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते हुये प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार प्रसार कर रहे थे। जिसकी पुष्टि सोशल मीडिया पर खबर व अनेको फोटोग्राफसे होती है। भूदेव शर्मा द्वारा राजनैतिक दल के साथ प्रतिभाग करके आदर्श आचार संहिता एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशो का उल्लंघन किया गया है। यह कृत्य उ0प्र0 सरकारी सेवक आचरण नियमावली का उल्लंघन है। उल्लिखित नियमो के विपरित कार्य करने के दृष्टिगत भूदेव शर्मा संग्रह अमीन को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है तथा विभागीय कार्यवाही जारी है।

सपा जिला महासचिव से मारपीट में पूर्व सपा जिलाध्यक्ष सहित नौ फंसे

फर्रुखाबाद,8 अप्रैल (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव इलियास मंसूरी के साथ मारपीट व जान से मारने की धमकी देनें में सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सहित 9 गुर्गों पर मारपीट का आरोप लगा है। पुलिस ने सभी के खिलाफ एफआईआर पंजीकृत की है। थाना शमसाबाद के मोहल्ला अलेपुर निवासी इलियास मंसूरी सपा के जिला महासचिव हैं। उन्होंने दर्ज कराई गई एफआईआर में कहा है कि जब से वह महासचिव बने है पूर्व सपा जिलाध्यक्ष नदीम अहमद फारुखी निवासी काजी टोला शमसाबाद लगातार जान से मारने की धमकी दे रहें है। बीते एक सप्ताह पूर्व भी नदीम अहमद फारुखी नें सपा जिलाध्यक्ष चन्द्रपाल यादव के फोन करके कहा था कि इलियास को महासचिव के पद से हटा दो नहीं तो इसे जान से मरवा देंगे। जिस समय फोन किया तो मोबाइल हैण्डफ्री होनें के चलते यह इलियास नें भी सुना। बीते 7 अप्रैल को दोपहर दो बजे नदीम अहमद का मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव नें कई बार फोन करके पार्टी कार्यलय बुलाय। जब जिला महासचिव कार्यालय पंहुचे तो इलियास का आरोप है की नदीम अहमद फारुखी के गुर्गे आनन्द मोहन यादव निवासी ज्योना कायमगंज, अंकेश कुमार निवासी मुरैठी, अब्दुल्लाह निवासी सैयदवाडा शमसाबाद, राजीव यादव निवासी मोहल्ला चौहटटा शमसाबाद, साजेब खां निवासी मोहल्ला तराई शमसाबाद, दीपक श्रीवास्तव निवासी चौखण्डा व दो आरोपी अज्ञात नें अचानक गाली-गलौज कर मारपीट करने लगे7 आरोपी मारपीट करते हुए इलियास को सपा कार्यालय के सभागार से बाहर छज्जे पर ले आये। आरोप है कि उन्हें छज्जे से फेंकने का भी प्रयास किया7 शोर सुनकर शोर सुनकर साजिद ली निवासी सिरमौरा नवाबगंज, मनोज यादव निवासी रोहिला मोहम्मदाबाद, सपा जिलाध्यक्ष चन्द्रपाल आ गए।

तौकीर रजा नहीं पहुंचे अदालत

अब 20 अप्रैल को सुनवाई

बरेली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ष 2010 दंगे की साजिश के आरोपीआईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां सोमवार को फिर अदालत में हाजिर नहीं हुए। जिला जज की अदालत ने मौलाना तौकीर के खिलाफ 82 की कार्रवाई पूरी करने के आदेश प्रेमनगर पुलिस को दिए हैं। अब 20 अप्रैल को सुनवाई होगी। पिछले दिनों कोर्ट में हाजिर न होने पर जिला जज विनोद कुमार ने मौलाना समेत चार आरोपियों के खिलाफ 82 की कार्रवाई की नोटिस जारी किया था।

प्रेमनगर पुलिस को नोटिस आरोपियों के घरों पर चस्पा करना था। इसके अलावा सभी नोटिस का प्रकाशन अखबार में कराना था, लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया। नोटिस को अखबार में प्रकाशित नहीं कराया। सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान भगोड़ा घोषित हो चुके, मौलाना तौकीर फिर कोर्ट में हाजिर नहीं हुए।

जिस पर कोर्ट ने पुलिस की डांट लगाते हुए कोर्ट के आदेश का नियमत पालन कराने का आदेश दिया है। इसके अलावा मौलाना को 20 अप्रैल तक गिरफ्तार कर कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है।

इंडियन परिवार लीग खेलने में व्यस्त है कांग्रेस : भूपेन्द्र चौधरी

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि कांग्रेस का वजूद उत्तर प्रदेश में समाप्त है और इसीलिये ये सब इंडियन परिवार लीग (आईपीएल) खेलने में व्यस्त हैं। चौधरी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस के लिये परिवार ही टीम है, पार्टी-संगठन परिवार के हितों की पूर्ति के साधन है। जनहित और जनभावना का महत्व इनके लिए शून्य है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इंडिया समूह के लोगो को कोई पूछ नहीं रहा है। इनके प्रत्याशी तो घोषित टिकट भी लौटा दे रहे हैं। इनके नेता कार्यकर्ता कार्यालय से कार्यालय आने-जाने में ही अपना समय काट रहे हैं। इन्हें जनता न टिकने दे रही है और न ही रुकने दे रही है। दो युवकों की फ्लॉप पिक्चर फिर से रीलांच करने के भरसक प्रयास के बाद भी उसे ऑडियंस नहीं मिल रही है। कांग्रेस के पास तो अमेठी और रायबरेली की भी सीट पर उम्मीदवार ढूँढें नहीं मिल रहे हैं। चौधरी ने कहा कि न्याय पत्र के नाम पर कांग्रेस झूठ का पुलिंदा लेकर बैठी है। जिस पार्टी ने देश पर 55 वर्ष से ज़्यादा शासन किया वह अभी तक जनता के साथ न्याय नहीं कर पाई। इनके घोषणावीर नेता केवल लुभावने वादे ही कर सकते हैं इनके पास करने के लिए कुछ बचा नहीं है।

बैठक *सामान्य व पुलिस प्रेक्षक ने की राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व प्रत्याशियों के साथ बैठक*

पूर्ण पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष रूप से संपन्न कराएं चुनाव : गुरिन्दर पाल

मेरठ, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। विकास भवन सभागार में सामान्य प्रेक्षक गुरिन्दर पाल सिंह सहुता तथा पुलिस प्रेक्षक दीपक पाण्डेय द्वारा राजनैतिक दलो के प्रतिनिधि एवं प्रत्याशियो के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियो/प्रत्याशियो को आरओ व एआरओ का विवरण, ईवीएम वीवीपैट वेयर हाउस, पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल, कृषि विश्वविद्यालय में बनाये गये स्ट्रांग रूम व काउंटिंग सेंटर, जोनल एवं सैक्टर मजिस्ट्रेट की सूची रेन्डेमाइजेशन, पोलिंग एजेंट, काउंटिंग एजेंट हेतु नियमो के संबंध में पुस्तिका, एमसीएमसी, आदर्श आचार संहिता का अनुपालन, सी-विजिल ऐप, डाक मतपत्र सुविधा, कार्मिक ट्रेनिंग, एनजीएसपी पोर्टल, मतदान केन्द्रो की सूची आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होने कहा कि रैली, जनसभा, जुलूस इत्यादि गतिविधियो के लिए सुविधा ऐप पर आवेदन किया जा सकता है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत सी-विजिल ऐप पर की जा सकती है। शिकायत का निवारण 100 मिनट के अंदर किया जायेगा। उन्होने बताया कि इसके अतिरिक्त कंट्रोल रूम के नंबर 1950 पर भी शिकायत की जा सकती है। डाक मतपत्र की सुविधा 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओ, दिव्यांगजन, कोविड-19 प्रभावित तथा आवश्यक सेवा कार्मिको को दी गई है। प्रेक्षक ने कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को भयमुक्त माहौल में पूर्ण पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष रूप से संपन्न कराया जायेगा। इस अवसर पर एसएसपी रोहित सिंह सजवाण, सीडीओ नूपुर गोयल, ज्वाईंट मजिस्ट्रेट श्रुति शर्मा, ज्वाईंट मजिस्ट्रेट गामिनी सिंगला, अपर जिलाधिकारी प्रशासन बलराम सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त सूर्य कांत त्रिपाठी, एसपी ट्रैफिक राघवेन्द्र मिश्रा, सीएमओ अखिलेख मोहन, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलो के प्रतिनिधि प्रत्याशी उपस्थित रहे।

- निर्वाचन से संबंधित किसी भी समस्या को तुरंत भेजें
- रैली, जनसभा, जुलूस व अन्य गतिविधियो के लिए ऐप पर मिलेगी सुविधा

राजनैतिक दलो के प्रतिनिधि एवं प्रत्याशियो के साथ बैठक

मेरठ। विकास भवन सभागार में व्यय प्रेक्षक जीके झा तथा व्यय प्रेक्षक कुणाल कुमार द्वारा राजनैतिक दलो के प्रतिनिधि एवं प्रत्याशियो के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक में राजनैतिक दलो के प्रतिनिधि एवं प्रत्याशी को व्यय लेखे से संबंधित कार्यवाही किये जाने हेतु विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। व्यय प्रेक्षक महोदय ने बताया कि प्रत्याशी द्वारा अपना बैंक अकाउंट अनिवार्य रूप से खोला जायेगा तथा निर्वाचन व्यय से संबंधित पैसो का आदान-प्रदान इसी खाते से करना होगा। एक प्रत्याशी के लिए खर्चे की अधिकतम सीमा 95 लाख निर्धारित की गई है। परिणाम के उपरांत 30 दिन के अंदर अंतिम रूप से व्यय लेखा प्रस्तुत करना होगा। सभी प्रत्याशी प्रतिदिन हुये खर्च को व्यय रजिस्टर में दर्ज करेंगे तथा परमिशन के उपरांत ही निर्वाचन व्यय किया जाये। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रचार-प्रसार हेतु एमसीएमसी से प्री-सर्टिफिक्रेशन प्राप्त करना अनिवार्य है। प्रिंट मीडिया में पोल डे व प्रि-पोल डे विज्ञापन प्रचार हेतु दो दिन पूर्व प्री-सर्टिफिक्रेशन कराया जाये। इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मीणा, सीडीओ नूपुर गोयल, ज्वाईंट मजिस्ट्रेट श्रुति शर्मा, ज्वाईंट मजिस्ट्रेट गामिनी सिंगला, अपर जिलाधिकारी प्रशासन बलराम सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त सूर्य कांत त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

परिवारवाद के फेर में फंसीं उप्र की चार अहम सीटें

प्रयागराज, फूलपुर, रायबरेली व अमेठी लोकसभा सीटों पर उलझन ही उलझन

■ रतिभान त्रिपाठी

लखनऊ, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए जहां दस दिनों बाद पहले चरण के लिए मतदान होने वाला है। भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत चुनाव मैदान में उतरे सभी राजनीतिक दल पहले चरण के लिए पूरी ताकत से प्रचार उतर चुके हैं। वहीं राज्य की चार बहुचर्चित सीटें ऐसी भी हैं जहां पार्टियां उम्मीदवार घोषित नहीं कर पा रही हैं। कुछ सीटों पर भाजपा कशमकश में है तो कुछ में कांग्रेस। हालत यह है कि इन पार्टियों के टिकटार्थी दिल्ली में डेरा डाले बैठे हैं। अपने-अपने आकाओं के मार्फत पार्टी नेतृत्व पर टिकट के लिए दबाव बना रहे हैं लेकिन मामला परिवारवाद पर फंसा पड़ा है। पार्टी नेतृत्व धर्मसंकट में है कि करे तो क्या करे। दबाव बनाने वालों की बात पर आ जाए तो सिद्धांतों की बलि चढ़ जाएगी। न माने तो टिकटों के लिए तकरार दिन ब दिन बढ़ती जा रही है।

सबसे पहले बात करते हैं प्रयागराज और फूलपुर की। पिछले लोकसभा चुनाव में इन दोनों सीटों पर भाजपा के ही उम्मीदवार जीते थे। प्रयागराज से भूतपूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुत्री और बहुचर्चित नेता प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी सांसद हैं तो केशरी देवी पटेल फूलपुर की सांसद हैं। मौजूदा चुनाव के लिए दोनों ने उम्मीदवारी का दावा कर रखा है क्योंकि दोनों का न तो ट्रैक रिकॉर्ड खराब है और न ही क्षेत्र में खास विरोध लेकिन प्रयागराज में 20-22 और फूलपुर में 8-10 नेता ऐसे हैं जो इन सीटों पर चुनाव लड़ने की दावेदारी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, पार्टी के अपने अपने आकाओं के जरिए टिकट के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाए पड़े हैं।

पार्टी नेतृत्व को पता हो न हो लेकिन इन टिकटार्थियों ने वह कहावत चरितार्थ कर रखी है कि 'राजा को पता नहीं, बंजारे वन बांट लिए'। सबके सब दावा करते फिर रहे हैं कि अमित शाह और नड्डा जी से सीधी बात हो चुकी है, बस टिकट उन्हीं को मिलने वाला है। इन सबके बीच अब भी जिनको सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है वह रीता बहुगुणा जोशी ही हैं। हालांकि इनके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी

■ न भाजपा घोषित कर पा रही उम्मीदवार और न कांग्रेस

अभिलाषा नंदी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष केशरी नाथ त्रिपाठी की बहू कविता त्रिपाठी, पूर्व विधायक नीलम करवरिया, डॉ. भगवत पाण्डेय, रईश चंद्र शुक्ल, योगेश शुक्ल आदि भी टिकट की रेस में हैं। नंदी की पत्नी और पूर्व मेयर अभिलाषा का सबसे बड़ा पैरोकार केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को बताया जा रहा है। खबर है कि अभिलाषा ने कई दिनों से दिल्ली में डेरा डाल रखा है लेकिन परिवारवाद उनके लिए अड़चन बन रहा है। भाजपा ने मोटा-मोटी एक सिद्धांत बना रखा है कि एक परिवार में एक से अधिक को चुनाव नहीं लड़ाया जाएगा। ऐसे में नंदी के विरोधी यही आधार बनाकर मुखालफत भी कर रहे हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि जो चुनाव हो रहा है उसके उम्मीदवार अपनी नहीं, मोदी की छवि के सहारे ही चुनावी वैतरणी पार करने वाले हैं। बस पार्टी टिकट भर दे दे। ऐसे हालात में कोई उम्मीदवार यह दावा नहीं कर सकता है कि सिर्फ वही चुनाव जीत सकता है।

प्रयागराज के संबंध में यह भी एक तथ्य है कि यहां के मेयर गणेश केसरवानी हैं। वह वैश्य समुदाय से हैं ऐसे में यह तर्क दिया जा रहा है कि अगर लोकसभा का टिकट वैश्य

को ही दिया जाएगा तो ब्राह्मण समुदाय को कहां से लड़ाया जाएगा। फूलपुर से तो जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह को छोड़कर पिछड़े वर्ग के ही अधिकांश लोग अपनी उम्मीदवारी का दावा ठोंक रहे हैं। ऐसे में प्रयागराज सीट से किसी ब्राह्मण को ही उम्मीदवार बनाए जाने की संभावनाएं बलवती दिख रही हैं क्योंकि यह सीट ब्राह्मण बहुल है। अब पार्टी का शीर्ष नेतृत्व क्या सोचे बैठा है या किस आधार पर उम्मीदवार घोषित करने वाला है, यह अलग बात होगी। ऐसे ही फूलपुर की सांसद केशरी देवी अपने लिए कम, अपने बेटे दीपक के टिकट के लिए ज्यादा परेशान हैं। यहां का परिवारवाद इससे भी इतर है। प्रयागराज इन दिनों सबसे प्रभावशाली नेताओं में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य हैं। वैसे तो वह केशरी देवी पटेल के पैरोकार माने जाते हैं लेकिन जब नंदी ने अपनी पत्नी के लिए मजबूती से दावेदारी कर रहे हैं तो केशव प्रसाद मौर्य भी पीछे कहां रहने वाले हैं। कहा जा रहा है कि फूलपुर से अपने बेटे योगेश मौर्य के टिकट के लिए पिछले चुनाव से ही उनकी दावेदारी रही है। ऐसे में यदि नंदी की पत्नी को पार्टी टिकट देती है तो केशव मौर्य का अपने बेटे के लिए दावा अपने आप मजबूत हो जाएगा। कहते हैं कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के संज्ञान में यह सारी दावेदारियां हैं इसीलिए उस स्तर पर फिलहाल असमंजस की स्थिति बनी हुई है। यह भी पता चला है कि अपना दल की शीर्ष नेता और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल मिर्जापुर के बजाए फूलपुर और कौशाम्बी सीटों पर नजरें गड़ाए हैं क्योंकि मिर्जापुर और सोनभद्र में उन्हें खास फायदा नहीं दिख रहा है। उनकी बहन पल्लवी पटेल भी पिछले दिनों कुछ ऐसी ही दावेदारी करती दिखी थीं, ऐसे में सारा दारोमदार केंद्रीय नेतृत्व पर जा टिका है कि वह परिवारवाद का पोषण करेगा या फिर सामाजिक समीकरणों के आधार पर जिताऊ को उम्मीदवार को मैदान में उतारेगा। अब बात कांग्रेस के हिस्से की। रायबरेली और अमेठी सोनिया गांधी और उनके पूर्वजों की परंपरागत सीटें रही हैं। सपा से समझौते के बाद ये दोनों सीटें कांग्रेस के ही पाले में आई हैं। रायबरेली की सांसद सोनिया गांधी जब राज्यसभा में चली गईं तो उनकी जगह यहां से प्रियंका गांधी चुनाव लड़ेंगी, राहुल गांधी लड़ेंगे या फिर उनका नामित कोई अन्य। इस पर असमंजस बना हुआ है। सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने हाल में ही अमेठी से अपनी दावेदारी का संकेत देकर सनसनी फैला दी है लेकिन कांग्रेस या किसी अन्य दल ने इस पर कोई पुख्ता बात नहीं कही है। उनके परिवार से ही लेकिन विरोधी खेमे में बैठे रहे वरुण गांधी का टिकट भाजपा ने काट दिया है। दबी जुबान कुछ लोगों ने अमेठी या रायबरेली से वरुण गांधी का नाम जरूर लिया लेकिन जो पारिवारिक पेच है उसके हिसाब से कांग्रेस वरुण गांधी को अंगीकार कर सकती है, यह बात दूर की कौड़ी ही लगती है पर 'राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं' की उक्ति भी अपनी जगह से खारिज नहीं की जा सकती है।

उधर प्रियंका गांधी रायबरेली और अमेठी को बखूबी जानती हैं। इन दोनों क्षेत्रों को कांग्रेस परिवार में उनसे बेहतर कोई नहीं समझता है लेकिन प्रियंका गांधी ने अपने चुनाव के बाबत जुबान नहीं खोली है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पार्टी के सबसे चर्चित नेता राहुल गांधी ने वायनाड से पर्चा भर दिया है। इस बीच वह रायबरेली और अमेठी की ओर आए भी नहीं, न ही यहां से अपनी चुनावी दावेदारी की है। रायबरेली और अमेठी के कांग्रेसी असमंजस में पड़े हुए हैं। उनका शीर्ष नेतृत्व कुछ बोल ही नहीं रहा है। परिवारवाद के दायरे में आने वाली इन दोनों सीटों में से अमेठी में तो केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भाजपा की ओर से खम ठोंक ही रही हैं। वह राहुल गांधी और उनके परिवार को बारंबार ललकार भी रही हैं। हां, रायबरेली को लेकर भाजपा भी कशमकश में है। कहा जा रहा है कि उक्त चारों सीटों पर इस हफ्ते कोई न कोई फैसला जरूर होने वाला है। इस बात पर भी आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि भाजपा ने वरुण गांधी को कहीं रायबरेली के लिए ही न बचा रखा हो।

2019 में विधायक से सांसद बने चार राजेनता

फिर से सियासी पिच पर आतिशी पारी खेलने को तैयार

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में विधायक से सासंद बने पांच राजनेताओं में से चार फिर से 'सियासी पिच' पर आतिशी पारी खेलने के लिए तैयार हैं।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सांसद बनने के इरादे से 12 तत्कालीन विधायक चुनावी मैदान में उतरे, लेकिन उनमें से पांच ही संसद तक पहुंचने में कामयाब हो पाये। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के टिकट पर सिमरी बख्तियारपुर के तत्कालीन विधायक दिनेश चंद्र यादव, मधेपुरा संसदीय सीट से, नाथनगर के तत्कालीन विधायक अजय कुमार मंडल, भागलपुर से, बेलहर के तत्कालीन विधायक गिरधारी यादव, बांका से और दरौंधा की तत्कालीन विधायक कविता सिंह, सीवान संसदीय सीट से चुनावी रणभूमि में उतरी और उन्हें सांसद बनने का अवसर मिला।

महागठबंधन की ओर से परसा के तत्कालीन विधायक एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री दारोगा प्रसाद राय के पुत्र चंद्रिका राय सारण से, रोसड़ा (सुरक्षित) के तत्कालीन विधायक डॉ. अशोक कुमार समस्तीपुर (सुरक्षित) से, बेलागंज के तत्कालीन विधायक सुरेंद्र प्रसाद यादव जहानाबाद से, राजापाकड़ (सु) के तत्कालीन विधायक शिवचंद्र राम हाजीपुर (सु) से, अलीनगर के तत्कालीन विधायक और पूर्व मंत्री अब्दुलबारी सिद्दीकी दरभंगा से, इमामगंज (सु) के तत्कालीन विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी गया (सु) से, किशनगंज से तत्कालीन विधायक डॉ. मोहम्मद जावेद किशनगंज से और झंझारपुर के तत्कालीन विधायक गुलाब यादव झंझारपुर संसदीय क्षेत्र से चुनावी समर में उतरे। इनमें से किशनगंज के तत्कालीन विधायक डॉ. मोहम्मद जावेद को छोड़कर अन्य विधायकों का सासंद बनने का ख्वाब अधूरा रह गया।

इस बार के चुनाव में सीवान से जीती कविता सिंह बेटिकट हो गई हैं। सीवान सीट से जदयू ने कविता सिंह की जगह जीरादेई के पूर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा की पत्नी विजया लक्ष्मी देवी को उम्मीदवार बनाया है। विजया लक्ष्मी देवी पहली बार लोकसभा के चुनावी रण में अपना भाग्य आजमां रही हैं।

वहीं दिनेश चंद्र यादव मधेपुरा, अजय कुमार मंडल भागलपुर, गिरधारी यादव बांका और डॉ. मोहम्मद जावेद किशनगंज सीट से सियसी पिच पर फिर से आतिशी पारी खेलने के लिए तैयार हैं।

■ सीवान सीट से जदयू ने कविता सिंह की जगह विजया लक्ष्मी देवी को बनाया उम्मीदवार

निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे लिंगायत संत दिंगलेश्वर महास्वामी

बेंगलुरू, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में शिराहट्टी भावैक्यता महा संस्थान के लिंगायत धर्मगुरु फकीर दिंगलेश्वर महास्वामी ने सोमवार को कर्नाटक में धारवाड़ संसदीय सीट के लिए एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता प्रल्हाद जोशी यहां से लगातार पांचवीं बार चुनाव लड़ रहे हैं।

■ कर्नाटक के धारवाड़ से भाजपा से प्रल्हाद जोशी मैदान में

पत्रकारों से बात करते हुए दंगलेश्वर स्वामी ने कहा कि वह इसलिए चुनाव लड़ रहे हैं, क्योंकि भाजपा कर्नाटक में लिंगायतों को नजरअंदाज कर रही है।

उन्होंने कहा कि टिकट वितरण के मामले में भाजपा ने सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को ताक पर रख दिया। लिंगायत समुदाय के प्रति भाजपा के व्यवहार पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह धार्मिक संतों द्वारा स्वार्थी राजनेताओं के खिलाफ घोषित युद्ध है।

लिंगायत संत ने केंद्रीय मंत्री जोशी को हराने के अपने लक्ष्य पर भी जोर दिया। संत ने यह भी दावा किया कि जोशी के ही चलते येदियुरप्पा को सीएम पद से हटना पड़ा। इस बीच, येदियुरप्पा ने लिंगायत समुदाय से जोशी के समर्थन में एकजुट होने का आग्रह किया है। केंद्रीय मंत्री को कांग्रेस उम्मीदवार विनोद असुति के अलावा लिंगायत मठाधीश से भी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

गौतमबुद्ध नगर संसदीय सीट पर प्रचार तेज

■ गौतमबुद्ध नगर में भाजपा ने उतारी प्रचारकों की फौज
■ सपा-कांग्रेस गठबंधन का खेमा खाली
■ बसपा प्रत्याशी के लिए बुलंदशहर से मांगे वोट

नोएडा, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। गौतमबुद्ध नगर में लोकसभा चुनावों का पारा बढ़ने लगा है। संसदीय सीट पर प्रचार भी तेज हो गया है। स्थिति ये है कि कही पर प्रचार के लिए प्रत्याशी ने आला नेताओं की फौज उतार दी है तो कही गिनती भी शुरू नहीं हो सकी है। भारतीय जनता पार्टी ने पहले ही अपने स्टार प्रचारकों की घोषणा कर दी है। उनमें से कई स्टार प्रचारक यहां आएंगे। वहीं सपा और बसपा के स्टॉर प्रचारक भी यहां अंतिम दौर में चुनाव प्रचार के लिए आ सकते है।

गौतमबुद्ध नगर पांच विधानसभा सीट जेवर, दादरी, नोएडा, सिकंद्राबाद और खुर्जा से मिलकर बना है। 16 अप्रैल को आचार संहिता लगी और 28 से यहां नामांकन शुरू हुए। यहां से 34 प्रत्याशियों ने पर्चा भरा। जिसमें 15 का नामांकन सही पाया गया। इनको सिंबल दिए गए। हालांकि चुनावी समर में तीन प्रमुख पार्टियां ही सामने आई है। इसमें दो बार लोकसभा चुनाव में जीत चुके भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा एक बार की विजेता बसपा और सपा ने यहां अब तक खाता नहीं खोला। जबकि दूसरी बार यहां गठबंधन से अपना प्रत्याशी उतारा है।

1 से 8 अप्रैल तक भाजपा के लिए सीएम प्रचार और प्रत्याशियों के लिए वोट

मांगने की जहां तक बात है विगत आठ दिनों में भाजपा ने प्रचारकों की फौज यहां उतार दी है। 1 अप्रैल को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रबुद्ध सम्मेलन में यहां आ चुके है। डॉक्टर महेश शर्मा के नामांकन के दौरान यहां उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक शामिल हुए।

इसी तरह शनिवार को बूथ सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए। रविवार को स्वतंत्र देव सिंह और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी तक यहां डॉक्टर महेश शर्मा के वोट मांग चुके है। खास बात ये है गौतमबुद्ध नगर से राज्य सभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर और विधायक पंकज सिंह भी डॉक्टर महेश शर्मा के लिए रोजाना प्रचार में जुटे है। वहीं पहले फेज के मतदान के बाद गौतमबुद्ध नगर में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह यहां प्रचार करने आ सकते है। इन दोनों की जनसभा गौतमबुद्ध नगर के नोएडा विधानसभा में हो सकती है।

बुलंदशहर से किया बसपा प्रत्याशी के लिए प्रचार

हालांकि अब तक सपा-कांग्रेस गठबंधन से कोई भी दिग्गज नेता यहां प्रचार करने नहीं आया। सपा नेताओं का कहना है उनके यहां स्टार प्रचारकों की कमी नहीं है। जल्द ही गौतमबुद्ध नगर से बड़े चेहरे दिखेंगे। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आंनद बुलंदशहर पहुंचे थे। उन्होंने वहीं से गौतमबुद्ध नगर के बसपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट देने की अपील की। बताया गया कि पहले फेज के चुनाव के बाद 20 को बसपा सुप्रीमो मायावती भी बुलंदशहर में बड़ी जनसभा कर सकती है। इसके अलावा इन आठ दिनों में बसपा प्रत्याशी के लिए गौतमबुद्ध नगर सीट से वोट मांगने के लिए कोई दिग्गज नेता नहीं आया।

गांडेय विधानसभा उपचुनाव में हेमंत की पत्नी कल्पना सोरेन के लिए लड़ाई आसान नहीं

रांची, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी प्रमुख हेमंत सोरेन जेल में हैं और उनकी जगह अब उनकी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन चुनावी संग्राम में पार्टी का मोर्चा संभालने खुलकर सामने आ चुकी हैं। वह राज्य की गांडेय विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में झामुमो की प्रत्याशी होंगी। कल्पना सोरेन की सियासत में लॉन्चिंग के लिए झामुमो नेतृत्व गांडेय को सेफ सीट मान रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि यहां उन्हें भाजपा की तरफ की कड़ी चुनौती मिलेगी। कल्पना सोरेन के लिए यह लड़ाई कितनी चुनौतीपूर्ण है, यह पिछले चुनाव के वोटों के हिसाब-किताब और यहां के अब तक के इतिहास पर निगाह डालने से साफ हो जाता है।

इस सीट पर 1977 से लेकर अब तक का चुनावी इतिहास यह है कि यहां पांच बार झामुमो, दो बार कांग्रेस, दो बार भाजपा और एक बार जनता पार्टी ने जीत दर्ज की है। यह किसी एक पार्टी का अभेद्य किला नहीं है। झामुमो की चुनावी सफलता की दर सबसे ज्यादा जरूर है, लेकिन भाजपा ने भी हाल के वर्षों में यहां खासा दम दिखाया है और दो बार जीत का परचम भी लहराया है।

2019 के चुनाव में यहां झामुमो के प्रत्याशी डॉ. सरफराज अहमद ने 65 हजार 23 वोट प्राप्त कर जीत हासिल की थी। दूसरे स्थान पर रहे भाजपा के जयप्रकाश वर्मा को 56 हजार 168 वोट मिले थे। इस प्रकार वह 8,855 वोटों से पिछड़ गए थे। तीसरे स्थान पर रहे आजसू पार्टी के प्रत्याशी अर्जुन बैठा को 15,361 वोट मिले थे। अब भाजपा और आजसू पार्टी एक ही अलायंस का हिस्सा हैं। अगर इन दोनों के वोट जोड़ दें तो वह झामुमो प्रत्याशी को मिले वोट से करीब छह हजार ज्यादा है। इस बार भाजपा ने दिलीप कुमार वर्मा को प्रत्याशी बनाया है।

नागौर संसदीय क्षेत्र में मिर्धा परिवार का रहा दबदबा

नागौर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनावों में नागौर संसदीय क्षेत्र में अब तक हुए चुनावों में मिर्धा परिवार का दबदबा रहा है और पिछले अठारह चुनावों में सबसे ज्यादा नौ बार इस परिवार के सदस्यों ने बाजी मारी और जिसमें पूर्व केन्द्रीय मंत्री नाथूराम मिर्धा सर्वाधिक छह बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। आगामी 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव में मिर्धा परिवार की सदस्य एवं नाथूराम मिर्धा की पोती एवं पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा फिर चुनाव लड़ रही हैं और उनका मुकाबला गत लोकसभा चुनाव में उन्हें शिकस्त देने वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रितक पार्टी (रालोपा) के संयोजक हनुमान बेनीवाल से हैं। हालांकि ज्योति मिर्धा पिछला चुनाव कांग्रेस से लड़ा था और इस बार वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आ गई और वह भाजपा प्रत्याशी के रुप में यहां से फिर चुनाव मैदान में हैं। पिछली बार बेनीवाल ने भाजपा के साथ गठबंधन किया था और इसके बाद चुनाव लड़कर लोकसभा पहुंचे थे। लेकिन बाद में उन्होंने गठबंधन को तोड़ लिया और वह गत विधानसभा में खींवसर से फिर रालोपा उम्मीदवार के रुप में विधायक चुने गए और अब उनका विपक्ष के इंडिया गठबंधन के साथ गठबंधन हुआ हैं और कांग्रेस ने इसके लिए यह सीट बेनीवाल के लिए छोड़ दी है।

अब तक लोकसभा के एक उपचुनाव सहित अठारह चुनाव हुए

नागौर में अब तक लोकसभा के एक उपचुनाव सहित अठारह चुनाव हो चुके हैं उनमें मिर्धा परिवार के नाथूराम मिर्धा वर्ष 1971 एवं 1977 में कांग्रेस एवं वर्ष 1980 में कांग्रेस यू उम्मीदवार

पिछले अठारह चुनावों में नौ बार इस परिवार के सदस्यों ने बाजी मारी

के रुप में चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे। इसके बाद वह वर्ष 1984 में अपने ही परिवार के सदस्य एवं कांग्रेस प्रत्याशी रामनिवास मिर्धा से चुनाव हार गए थे। इसके बाद नाथूराम मिर्धा ने वर्ष 1989 में जनता दल प्रत्याशी के रुप में चुनाव लड़ा और फिर जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने वर्ष 1991 में फिर कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में चुनाव लड़कर पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे और इसके पश्चात वर्ष 1996 के चुनाव में उन्होंने एक बार फिर कांग्रेस प्रत्याशी के रुप छठी बार सांसद बने। उनके निधन के बाद वर्ष 1997 में हुए उपचुनाव में उनके पुत्र भानू प्रकाश मिर्धा ने भाजपा प्रत्याशी के रुप में चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। यह मिर्धा परिवार की आठवीं जीत थी। इसके बाद वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में ज्योति मिर्धा चुनाव मैदान में उतरी और वह कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में जीत हासिल करके पहली बार लोकसभा पहुंची लेकिन मिर्धा परिवार की यह जीत नौवीं जीत थी। नागौर संसदीय क्षेत्र में अब तक हुए चुनाव में सर्वाधिक ग्यारह बार कांग्रेस ने जीत हासिल की अपना दबदबा बनाया जबकि भाजपा ने तीन बार, स्वतंत्र पार्टी ने दो बार, जनता दल एवं रालोपा ने एक-एक बार चुनाव जीता। इनमें वर्ष 1952 के पहले चुनाव में स्वतंत्र पार्टी के जी डी सोमानी, वर्ष 1957 कांग्रेस के मथुरादास माथुर, 1962 में कांगेस के एस के डे, 1967 में स्वतंत्र पार्टी के एन के सोमानी, 1998 एवं 1999 में कांग्रेस के रामरघुनाथ चौधरी, 2004 में भाजपा के भंवर सिंह डांगावास एवं 2014 सी आर चौधरी ने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

उल्लेखनीय है कि इस बार चुनाव में ज्योति मिर्धा एवं बेनीवाल के अलावा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गजेन्द्र सिंह राठौड़, राष्ट्रीय जनशक्ति पार्टी (सेक्युलर) एवं अभिनव राजस्थान पार्टी के अशोक चौधरी एवं चार निर्दलीयों सहित नौ उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं।

PROPOSED
VIKRAM SARABHAI INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
(Run by Gulshan Education Foundation)
Plot No.-6B/1, Knowledge Park – II, Greater Noida
ENGINEERING PROGRAMME
Director, Professor, Associate Professor & Assistant Professor (CSE, AIML, IT ECE, ELECTRICAL, Applied Sciences & Humanities (Qualification, Exp. and Pay scale as per AICTE and AKTU Norms)
MANAGEMENT PROGRAMME
Professor, Associate Professor & Assistant Professor (Qualification, Experience and Pay scale as per AICTE and AKTU Norms)
ADMINISTRATION
Registrar, Administrative Officer, HR Manager, Lab Technician , Receptionist, Librarian, Assistant Librarian, HR Assistant, Office Suptd., Computer Operator, PA to Director, Office Assistant, Admission Manager, Warden, Assistant Warden, Security Officer, Store Keeper, Driver, Peon, Sweeper with 1-5 Year Experience
Apply within 15 days @ below email address
Email: hr@vsiet.com l Call : +91-9311857965

[अर्थ जगत]

पेट्रोल व डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

मारुति	3.26 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	3.22 प्रतिशत
एनटीपीसी	2.54 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	2.39 प्रतिशत
एलटी	1.92 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

नेस्ले इंडिया	1.59 प्रतिशत
विप्रो	1.09 प्रतिशत
सन फार्मा	0.51 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.37 प्रतिशत
टाइटन	0.32 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	71,430
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74750
वायदा	70,981
चांदी सिक्का लिवाली	850
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूं एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5800-5900
दाल चना	6800-6900
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	10200-10300
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	11800-11900

ईवी चार्जिंग स्टेशन के लिए अडाणी गैस ने किया एमजी मोटर इंडिया के साथ समझौता

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत को एक मजबूत और कुशल ईवी चार्जिंग के बुनियादी ढांचे के निर्माण में मदद करने के लिए अडाणी टोटलएनर्जीज ई-मोबिलिटी लिमिटेड (एटीईएल) और एमजी मोटर इंडिया ने सोमवार को एक समझौता किया। इसका उद्देश्य ग्राहकों को ईवी का उपयोग आसान बनाना है।

समझौता भारत के ऊर्जा परिवर्तन को तेज करने में निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

समझौते के तहत ईवी ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए देश भर में एमजी डीलरशिप पर ईवी चार्जिंग स्टेशन (60 किलोवाट डीसी) स्थापित किए जाएंगे। अडाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) के ईडी और सीईओ सुरेश पी. मंगलानी ने कहा कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए अडाणी टोटलएनर्जीज ई-मोबिलिटी लिमिटेड और एमजी मोटर इंडिया के बीच सहयोग एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह भारत के ऊर्जा परिवर्तन को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंगलानी ने कहा कि इससे कार्बन उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत करने और ग्राहक पहुंच बढ़ाने के लिए एटीईएल एमजी डीलरशिप पर सीसी2 60 किलोवाट डीसी चार्जर स्थापित करेगा। एमजी मोटर इंडिया के मुख्य विकास अधिकारी गौरव गुप्ता ने कहा कि यह साझेदारी टिकाऊ गतिशीलता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और एक मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे का निर्माण कर ईवी के क्षेत्र में क्रांति लाने की हमारी दृष्टि का प्रमाण है। दोनों कंपनियों के बीच सहयोग का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है।

समझौता का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है : गौरव गुप्ता

यह समझौता चार्जिंग बुनियादी ढांचे की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग, संचालन और रखरखाव को शामिल करते हुए एक व्यापक समाधान भी प्रदान करेगा। इसके अलावा, एक मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से खोज, यूजर्स का प्रमाणीकरण, चार्जिंग और बिलिंग निपटान को कवर करते हुए एक सहज ग्राहक अनुभव की सुविधा के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2023-24 में ईंधनों की मांग रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, बिटुमिन जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की खपत वित्त वर्ष 2023-24 में पांच प्रतिशत बढ़कर 23 करोड़ 32 लाख 76 हजार टन पर पहुंच गई। आधिकारिक आंकड़ों में यह तथ्य सामने आया है। वित्त वर्ष 2022-23 में देश में पेट्रोलियम पदार्थों की खपत 22 करोड़ 30 लाख 21 हजार टन रही थी।
मुख्य रूप से ट्रकों, बसों और कृषि क्षेत्र द्वारा उपयोग किए जाने वाले डीजल की बिक्री में एक साल पहले की तुलना में 2023-24 में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो देश में आर्थिक गतिविधि के उच्च स्तर को दर्शाता है। वर्ष के दौरान कारों और दोपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ने से पेट्रोल की मांग 6.4 प्रतिशत बढ़ी। सड़क बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले कोलतार की बिक्री 9.9 प्रतिशत बढ़ी। सरकार ने अर्थव्यवस्था में विकास को बढ़ावा देने के लिए बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू कीं। उर्वरक बनाने में इस्तेमाल होने वाले नेफ्था की बिक्री में भी वर्ष के दौरान ऊंची वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, मार्च के महीने के लिए पेट्रोलियम उत्पादों की कुल खपत दो करोड़ 10 लाख 91 हजार टन रही जो पिछले पिछले साल मार्च के दो करोड़ 12 लाख 20 हजार टन से कम है।

एक साल में सुधरी लोगों की आमदनी : आरबीआई

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा मार्च 2024 में कराए गए सर्वे के मुताबिक उम्मीद उच्च स्तर पर रहने के कारण आने वाले वर्ष के लिए उपभोक्ताओं के विश्वास में सुधार हुआ है। इसकी वजह से फ्यूचर एक्सपेक्टेशन इंडेक्स 2.1 अंक बढ़कर 125.2 पर पहुंच गया है, जो 2019 के मध्य के बाद का उच्चतम स्तर है।

आम आर्थिक स्थिति और रोजगार के हिसाब से मौजूदा साल और आगामी साल के लिए परिवारों की धारणा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसकी वजह से विवेकाधीन खर्च में भी सुधार हुआ है। रिजर्व बैंक के सर्वे में शामिल लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि एक साल पहले की तुलना में उनकी आमदनी सुधरी है और उम्मीद है कि आने वाले साल में इसमें और सुधार होगा। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति की समीक्षा के साथ अपने द्विमासिक उपभोक्ता विश्वास सर्वे के मार्च 2024 के परिणाम जारी किए। रिजर्व बैंक ने अपने बयान में कहा कि सर्वे में मौजूदा साल के बारे में धारणा के साथ अगले साल की उम्मीदों के बारे में जानकारी मांगी गई, जिसमें सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार की स्थिति, कुल मिलाकर कीमत की स्थिति, आमदनी और खर्च की स्थित शामिल है।

द्विमासिक उपभोक्ता विश्वास सर्वे के मार्च 2024 के परिणाम जारी

बाजार में खाद्य तेल सहित सभी जिंसों के भाव स्थिर

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अप्रैल का पाम ऑयल वायदा 45 रिंगिट उतरकर 4518 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायद 0.80 सेंट की गिरावट के साथ 48.09 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। **गुड़-चीनी :** मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। **दाल-दलहन :** दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही। **अनाज :** अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

यूरोप से मिली भारत के वस्तु निर्यात को राहत

नीदरलैंड के मामले में निर्यात में वृद्धि की दर सबसे तेज रही

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कठिन आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद साल 2023 में यूरोप ने भारत के वस्तु निर्यात को सहारा दिया, जबकि कुल मिलाकर निर्यात में कमी आई है। 2023 में यूरोप के देशों को होने वाला निर्यात पिछले साल की तुलना में 2 प्रतिशत बढ़कर 98 अरब डॉलर हो गया। वहीं इस दौरान कुल मिलाकर वस्तु निर्यात 2023 में पिछले साल की तुलना में 4.8 प्रतिशत गिरा है।

यूरोप के जिन देशों में निर्यात बढ़ा है, उनमें यूरोपीय संघ (ईयू) के 27 देश, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के 4 देश और यूरोप के 7 और देश शामिल हैं। यूरोप के देश मंदी के कगार पर थे और उनकी आर्थिक वृद्धि बहुत धीमी रही। उसके बावजूद भारत से होने वाला निर्यात बढ़ा है। हालांकि यह वृद्धि बहुत कम थी। एक अधिकारी ने कहा कि भारत के निर्यातकों को यूरोप को वस्तु निर्यात में झिझक नहीं दिखानी चाहिए, जो क्षेत्र के मुताबिक भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है।'

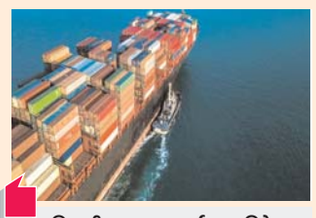

वृद्धि की एक वजह ईयू व ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत है : अजय सहाय

2023 में ईयू को होने वाला निर्यात पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 2.05 प्रतिशत बढ़कर 75.18 अरब डॉलर हो गया, जबकि ईएफटीए देशों को निर्यात 2.3 प्रतिशत बढ़कर 1.88 अरब डॉलर हो गया है। वहीं यूरोप के अन्य देशों को होने वाला निर्यात 0.59 प्रतिशत बढ़कर 21.56 अरब डॉलर हुआ है, जिसमें ब्रिटेन (यूके) और तुर्की जैसे बड़े बाजार व 5 अन्य देश शामिल हैं।

ब्रिटेन(10.72 प्रतिशत), स्विट्जरलैंड (3.09 प्रतिशत), नीदरलैंड (24.57 प्रतिशत), रोमानिया (116.85 प्रतिशत), चेक गणराज्य (25.51 प्रतिशत), ऑस्ट्रिया (4.43 प्रतिशत), हंगरी (0.43 प्रतिशत), नॉर्वे (1.87 प्रतिशत) जैसे देशों में भारत के उत्पादों का निर्यात तेज रहा।

डॉ वी वीरप्पन बने आईईएसए के अध्यक्ष

बेंगलुरू। इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) ने नई कार्यकारी परिषद की घोषणा की है जिसमें टेसोल्व सेमीकंडक्टर प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक और अध्यक्ष डॉ वी वीरप्पन को अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन ने आज यहां जारी बयान में कहा कि डॉ वीरप्पन वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही सीमेंस ईडीए में उपाध्यक्ष और प्रबंधक रूचिर दीक्षित को संगठन का उपाध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें संगठन को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने, इसे इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) क्षेत्र के भीतर प्रमुख मंच के रूप में स्थापित करने का काम सौंपा गया है।

दीपक मेहरोत्रा आकाश एज्युकेशनल सर्विसेज के एमडी व सीईओ नियुक्त

नई दिल्ली। आकाश एज्युकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने दीपक मेहरोत्रा को अपना प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख?य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह फैसला एईएसएल के लिए एक ऐसे महत्वपूर्ण समय में लिया गया है, जब कंपनी ने लगातार नए-नए आविष्कार करना जारी रखा है और शैक्षणिक सेवाओं के प्रतिस्पर्द्धी परिदृश्य में अपनी पेशकशों का दायरा बढ़ाया है। मेहरोत्रा के पास एफएमसीजी, टेलीकॉम और शिक्षा जैसे उद्योगों में एक प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड है। कार्यकारी भूमिकाओं में 35 वर्षों से ज्यादा का अनुभव रखने वाले मेहरोत्रा के पास बेहतर अनुभव है जिससे वह एईएसएल के सपने को आगे बढ़ा सकेंगे। इससे पहले वह आशीर्वाद पाइप्स के प्रबंध निदेशक थे। उन्होंने पीयर्सन इंडिया, भारती एयरटेल, कोका-कोला और एशियन पेंट्स में भी काम किया है।

राजनीतिक तनाव के बीच सोने की कीमत में वृद्धि जारी

नई दिल्ली। मध्य एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने में फिर तेजी आई। 5 जून, 2024 को मैच्योर होने वाला सोना वायदा एमसीएक्स पर 70,981 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 70,636 रुपए के पिछले स्तर से 345 रुपए या 0.49 प्रतिशत ज्यादा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 2,353.79 डॉलर प्रति औंस की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद 2,343.89 डॉलर प्रति औंस पर है। इस साल अब तक सोने की कीमत में 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय बैंकों ने बड़ी मात्रा में सोना खरीदा है और इजराइल-हमास संघर्ष के कारण बढ़ते तनाव के बीच इसकी मांग बढ़ गई है। यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती के संकेत से भी सोने की खरीददारी में वृद्धि हुई है। सोमवार को दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 71,430 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास है, जबकि मुंबई में 71,280 रुपए प्रति10 ग्राम रहा।

मजबूत तिमाही नतीजे आने की उम्मीद में नए शिखर पर बाजार

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे मजबूत रहने की उम्मीद में ऑटो, तेल एवं गैस, ऊर्जा, सीडी, धातु और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार नए शिखर पर पहुंच गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 494.28 अंक अर्थात 0.67 प्रतिशत की छलांग लगाकर 74,742.50 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 152.60 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,666.30 अंक के शिखर पर पहुंच गया। हालांकि बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान मिडकैप 0.26 प्रतिशत बढ़कर 40,937.30 अंक पर रहा जबकि स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत फिसलकर 46,003.86 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4055 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1898 में लिवाली जबकि 2033 में बिकवाली हुई वहीं 124 में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी की 37 कंपनियां हरे जबकि शेष 13 लाल निशान पर बंद हुई।

बीएसई सेंसेक्स 9 अप्रैल 2024

अधिकतम उछाल
खुला 74,555.44
बंद 74,742.50
पिछला बंद 74,248.22
बदलाव: 494.28 (0.67%)

	अंतिम भाव ₹ में	% बदलाव
मारुति सुजुकी	12,629.10	3.26
एम एंड एम	2,079.95	3.22
एनटीपीसी	363.40	2.54
जेएसडब्ल्यू स्टील	877.00	2.39
एल एंड टी	3,813.50	1.92
रिलायंस	2,971.00	1.75
ऐक्सिस बैंक	1,075.20	1.61
पावर ग्रिड	281.75	1.24
भारती एयरटेल	1,205.65	1.18
इंडसइंड बैंक	1,568.10	1.11

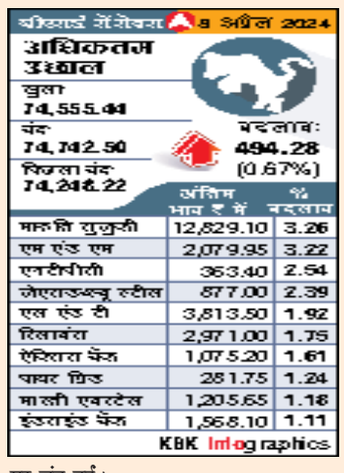

KBK Infographics

विश्लेषकों के अनुसार, कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के परिणाम आने वाले हैं। इन कंपनियों की आय में बढ़ोतरी होने की उम्मीद में आज निवेश धारणा मजबूत रही और बाजार उछल गया। ऑटो, रियल्टी, तेल एवं गैस और सीडी समूह ने बेहतर प्रदर्शन किया जबकि खर्च में मंदी के कारण चौथी तिमाही की धीमी रफ्तार की आशंका से आईटी समूह के शेयर सुस्त रहे।

- सेंसेक्स 0.67 प्रतिशत की छलांग लगाकर 74,742.50 अंक पर
- निफ्टी 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,666.30 अंक के शिखर पर बंद

वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़े जारी होने के बाद निवेशक इस सप्ताह अमेरिकी महंगाई आंकड़े, यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के नीतिगत निर्णय और ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के जारी होने वाले आंकड़े का इंतजार कर रहे हैं।

बीएसई के 16 समूहों में जमकर लिवाली हुई। इससे कमोडिटीज 0.72, सीडी 1.14, ऊर्जा 1.24, एफएमसीजी 0.04, वित्तीय सेवाएं 0.10, हेल्थकेयर 0.23, इंडस्ट्रियल्स 0.52, दूरसंचार 0.74, यूटिलिटीज 0.90, ऑटो 1.65, बैंकिंग 0.45, कैपिटल गुड्स 0.51, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.78, धातु 1.10, तेल एवं गैस 1.51, पावर 0.58 और रियल्टी समूह के शेयर 1.21 प्रतिशत मजबूत रहे।

वैश्विक स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.09, जर्मनी का डैक्स 0.57, जापान का निक्केई 0.91, हांगकांग का हैंगसेंग 0.05 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.13 प्रतिशत चढ़ गया जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.72 प्रतिशत की गिरावट रही।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 307 अंक की तेजी के साथ 74,555.44 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद 74,410.07 अंक के निचले स्तर तक आ गया। वहीं, इसके बाद हुई लिवाली के दम पर दोपहर बाद यह 74,869.30 अंक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

इस दौरान सेंसेक्स की जिन प्रमुख कंपनियों ने मुनाफा कमाया उनमें मारुति 3.26, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.22, एनटीपीसी 2.54, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.39, एलटी 1.92, रिलायंस 1.75, एक्सिस बैंक 1.61, पावरग्रिड 1.24, भारती एयरटेल 1.18, इंडसइंड बैंक 1.11, टाटा स्टील 1.10, टाटा मोटर्स 0.59, एसबीआई 0.53, आईसीआईसीआई बैंक 0.30, टेक महिंद्रा 0.16 और बजाज फाइनेंस 0.04 प्रतिशत शामिल हैं। वहीं, नेस्ले इंडिया 1.59, विप्रो 1.09, सन फार्मा 0.51, एचसीएल टेक 0.37, टाइटन 0.32, एचडीएफसी बैंक 0.22, इंफोसिस 0.17 और टीसीएस के शेयर 0.17 प्रतिशत के नुकसान में रहे।

आरईसी ने हरित बिजली परियोजनाओं के लिए मंजूर किए छह गुना ऋण

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बिजली क्षेत्र के लिए वित्त उपलब्ध कराने वाली सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी आरईसी का नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए स्वीकृत ऋण 2023-24 के दौरान छह गुना से अधिक होकर 1,36,516 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पहले 2022-23 में स्वीकृत ऋण 21,371 करोड़ रुपए था।

नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ऋण में तेज वृद्धि जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए कार्बन उत्सर्जन कम करने की सरकार की रणनीति का हिस्सा है।

सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए आरईसी द्वारा स्वीकृत ऋणों का कुल मूल्य 3.59 लाख करोड़ रुपए है, जो पिछले वर्ष की इसी राशि की तुलना में 33.66 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाता है। आरईसी लिमिटेड ने इस साल जनवरी में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए धन जुटाने के लिए 10 अरब डॉलर के अपने ग्लोबल मीडियम टर्म नोट्स प्रोग्राम के तहत 61.1 अरब जापानी येन के 5-वर्षीय और 5.25-वर्षीय ग्रीन बॉन्ड जारी किए। यह अंतरराष्ट्रीय बॉन्ड बाजार में आरईसी का 11वां और येन में किसी भी भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा पहला बॉन्ड था।

अमेजन फैशन के नए कैम्पेन 'फैशन ऑन अमेजन, हर पल फैशनेबल' में दिखाई देंगे अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर

नई दिल्ली 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेजन फैशन ने अपने नए कैम्पेन, 'फैशन ऑन अमेजन, हर पल फैशनेबल' को लॉन्च करने की घोषणा की है। अमेजन के इस नए कैम्पेन में बॉलीवुड स्टार अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर पहली बार एक साथ दिखाई देंगे। कपड़े, जूते, घड़ियां और एक्सेसरीज आदि आपके लुक को और भी बेहतरीन बनाते हैं। इस कैम्पेन में अमेजन को इन सभी की खरीदारी के लिए एक वन-स्टॉप ऑनलाइन डेस्टिनेशन के रूप में पेश किया गया है। अमेजन पर आपको सिर्फ टॉप ब्रांडों की सलाह ही नहीं मिलती, बल्कि यहां 'वियर इट विथ' जैसे फीचर्स और 'इज़ी रिटर्न', 'फास्ट डिलीवरी', 'नो कन्वीनिएंस फीस' आदि जैसे सुविधाजनक फीचर्स का फायदा मिलता है। यह कैम्पेन फैशन के शौकीनों को इस बात का विश्वास दिलाता है कि अमेजन फैशन उनके लिए आगे भी फैशनेबल कपड़े खरीदना आसान बनाता रहेगा। इसके साथ ही अमेजन फैशन की कोशिश है कि वह ग्राहकों के लिए फैशन को नए सिरे से परिभाषित करने और खरीदारी के उनके अनुभव को और भी आसान बनाए।

यह कैम्पेन मीडिया मॉन्क द्वारा तैयार किया गया है। यह कैम्पेन हाल ही में टीवी, आउटडोर, डिजिटल वीडियो और सोशल मीडिया पर लाइव हुआ है। प्रज्ञा शर्मा, डायरेक्टर-कंज्यूमर मार्केटिंग, अमेजन इंडिया ने कहा 'हम अपना नया कैम्पेन, 'फैशन ऑन अमेजन, हर पल फैशनेबल' पेश करते हुए बहुत ही उत्साहित हैं। इस कैम्पेन का उद्देश्य अमेजन फैशन को फैशन के शौकीनों के लिए वन-स्टॉप ऑनलाइन डेस्टिनेशन बनाना है।

सिंगापुर में फोनपे के जरिए होगा यूपीआई भुगतान

नई दिल्ली, 8 अप्रैल(एजेंसियां)। सिंगापुर टूरिज्म बोर्ड और फोनपे ने दो साल के लिए एक समझौता किया है जिसके तहत अब फोनपे के उपयोगकर्ता सिंगापुर में यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर सकेंगे।

कंपनी ने आज यहां बताया कि सिंगापुर टूरिज्म बोर्ड की मुख्य कार्यकारी मेलिसा ओउ और फोनपे के लिए अंतरराष्ट्रीय पेमेंट बिजनेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रितेश पई ने इस संबंध में करार पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सहयोग भारत और सिंगापुर के बीच मौजूदा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लिंकेज पर आधारित है जो ग्राहकों को अपने मौजूदा भारतीय बैंक खातों से सीधे दोनों देशों के बीच सीमा पार लेनदेन करने की सुविधा देता है।

इस साझेदारी के तहत सिंगापुर टूरिज्म बोर्ड और फोनपे प्रमुख पर्यटन स्थलों को प्रोमोट करने और वहां यूपीआई के जरिए सुचारू पेमेंट सुविधा देने के लिए भारत और सिंगापुर में मार्केटिंग के लिए मिलकर निवेश करेंगे। यह साझेदारी किसी डेस्टिनेशन और यूपीआई पेमेंट प्लेटफॉर्म के बीच अपनी तरह का पहला प्रयास है। ये सिंगापुर के शहरों की यात्रा करने वाले यात्रियों के अनुभव को और शानदार बनाने के लिए है। इस करार के जरिए सिंगापुर जाने वाले यात्री अपने फोनपे ऐप का वहां भी इस्तेमाल कर सकेंगे और यात्रा के दौरान यूपीआई पेमेंट जैसी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

- यह सहयोग भारत व सिंगापुर के बीच मौजूदा यूपीआई लिंकेज पर आधारित है
- डेस्टिनेशन व यूपीआई पेमेंट प्लेटफॉर्म के बीच अपनी तरह का पहला प्रयास है

ओउ ने कहा कि हम भारत की अग्रणी फिनटेक कंपनी फोनपे के साथ अपने गठबंधन की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। यह साझेदारी परिष्कृत, तकनीक-प्रेमी ग्राहकों के लिए सिंगापुर दौरे के अनुभव को बेहतर बनाने के हमारे समर्पण का एक उदाहरण है।

हमारा उद्देश्य सिंगापुर की असाधारण सेवाओं को डिजिटल क्षेत्र के साथ एकीकृत करते हुए, लोकप्रिय स्थलों की यात्रा, खुदरा खरीदारी से लेकर भोजन और नाइटलाइफ़ तक उपभोक्ताओं के पेमेंट के विभिन्न प्रकारों में अधिक अनुशासन लाना है। यह पहल ट्रैवल इंडस्ट्री में नवाचार और ग्राहकों की सुविधा पर फोकस करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पई ने कहा कि सिंगापुर अपनी अनूठी पेशकशों के साथ एक डायनैमिक डेस्टिनेशन है जिसे भारतीय यात्रियों के बीच काफी लोकप्रियता हासिल की है। इस साझेदारी से फोनपे यूजर्स के लिए लेनदेन में आसानी होगी। ये अब वहां का दौरा करते समय क्यूआर कोड को स्कैन करके सीधे अपने मौजूदा बैंक खाते से पेमेंट कर सकते हैं।

खेल जगत

रवि बिश्नोई ने कैच नहीं मैच लपका : अजय जडेजा

लखनऊ। लखनऊ ने रविवार को गुजरात पर 33 रन से जीत हासिल की। पूर्व क्रिकेटर ब्रेट ली और अजय जडेजा ने यश ठाकुर (5/30) के गेंदबाजी स्पैल और केन विलियमसन का शानदार कैच लेने के लिए रवि बिश्नोई की जम कर सराहना की। आईपीएल 2024 में अब तक कई बेहतरीन कैच देखने को मिले हैं। रविवार को इस लिस्ट में एक और जबरदस्त कैच जुड़ गया। ये कारनामा रवि बिश्नोई ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ किया और पलक झपकते ही केन विलियमसन को डगआउट की राह दिखा दी। जडेजा ने इस शानदार कैच के लिए स्पिनर रवि बिश्नोई की सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमने बिश्नोई को कुछ बड़े कैच लेते देखा है, लेकिन विलियमसन का उन्होंने जो कैच पकड़ा, वो बेहद मुश्किल था। ऐसा लगा जैसे उन्होंने सिर्फ कैच नहीं लिया बल्कि मैच पकड़ लिया। यह कैच लेना किसी भी गेंदबाज के लिए आसान नहीं है। यह इतना महत्वपूर्ण कैच था जिसने मैच पलट दिया।'

सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स तीसरी जीत के लिए होंगे आमने-सामने

हैदराबाद को जीतना है तो बल्ले से अभिषेक व क्लासेन को दे दनादन करनी होगी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 क्रिकेट में अब तक अपने अपने पिछले मैच सहित चार-चार मैचों में दो-दो जीते और इतने ही मैच हारे हैं। फिलहाल पांचवें स्थान पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और छठे स्थान पर चल रही पंजाब किंग्स अब मंगलवार को मुल्लापुर (मोहाली) में अपनी जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए पांच- पांच मैचों में तीसरी जीत की तलाश में आमने सामने होंगी। अब तक आईपीएल में दोनों टीमों के बीच हुए पांच में से मैच भले ही हैदराबाद ने जीते हैं लेकिन जिस तरह दोनों के बीच सभी मैच खासे संघर्षपूर्ण रहे हैं उसके मद्देनजर तो उसका पंजाब के खिलाफ मंगलवार का मैच खासा रोचक रहने की उम्मीद है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिहाज भले ही हैदराबाद की टीम इस भले ही ज्यादा संतुलित नजर आ रही है लेकिन 'जट जी कप्तान एक अर्द्धशतक सहित रन बनाने में अपनी टीम के लिए सबसे आगे चल रहे एक-एक अर्धशतक जड़ने वाले कप्तान शिखर धवन (कुल 138) और निचले क्रम में शशांक सिंह (कुल 91 रन इंग्लैंड के जोनी बैरिस्टो, लियाम लिविंगस्टोन और सैम करन के साथ मिलकर पंजाब को हारी बाजी जिताने का दम रखते हैं।

■ पंजाब के खिलाफ मंगलवार का मैच खासा रोचक रहने की उम्मीद

घरेलू क्रिकेट में पंजाब से खेलने वाले विस्फोटक बाएं हाथ के नौजवान सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस की अगुआई वाली और दक्षिण अफ्रीकी विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन से सज्जित सनराइजर्स हैदराबाद को मौजूदा सीजन में चार मैचों में से दो में मिली जीत में मैन ऑफ द' मैच रहे हैं। दो अर्धशतक जड़ कर क्लासेन (कुल 177 रन) हैदराबाद के लिए रन बनाने में सबसे आगे चल रहे हैं जबकि एक एक अर्धशतक जड़ने वाले अभिषेक शर्मा (कुल 161 रन), एडन मरक्रम (कुल 127 रन) और ट्रेविज हेड (112 रन) ने टीम को बड़ा स्कोर खड़ा करने में अब तक अहम भूमिका निभाई है। हैदराबाद को यदि अपनी जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाना है ते अभिषेक, मरकाम, हेड और क्लासेन की चौकड़ी को बल्ले से दे दनादन जारी रखनी होगी। अभिषेक शर्मा भले ही अब हैदराबाद को चार में दो मैचों में जीत के नायक रहे हैं जबकि उनके उस्ताद अपने जमाने के भारत और दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर में से एक युवराज सिंह उनके गलत समय लापरवाही से विकेट गंवाने से नाखुश हैं। ऐसे अभिषेक शर्मा अपने चिर परिचित मुल्लांपुर के मैदान जोश के साथ होश दिखा बड़ी पारी खेल हैदराबाद को पंजाब के खिलाफ तीसरी जीत दिला कर अपने उस्ताद युवराज का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ने के इरादे से उतरेंगे। पंजाब किंग्स के तुरुप के तेज गेंदबाज कसिगो रबाड़ा (कुल पांच विकेट), सैम करेन(कुल चार विकेट) और अर्शदीप सिंह (चार विकेट) और हर्षल पटेल (चार) को खासतौर पर पारी के शुरू में बीच के ओवर में रफ्तार के साथ धार दिखानी होगी।

पंजाब के कप्तान शिखर धवन, शशांक सिंह, प्रभसिमरन सिंह, शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को हैदराबाद के लिए गेंद से रफ्तार के साथ धार दिखाने वाले तेज गेंदबाज कप्तान पैट कमिंस (पांच विकेट), नटराजन (चार विकेट) व शुरू के चार मैचों में महंगे साबित होने के बावजूद स्विंग के उस्ताद चतुर भुवनेश्वर कुमार (एक विकेट) के साथ बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद और लेग स्पिनर मारकंडे से चौकस रहना होगा। स्पिनर के रूप में हैदराबाद के बतौर ऑफ स्पिनर ट्रेविज हेड, मरक्रम और बाएं हाथ के स्पिनर अभिषेक शर्मा और ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर के रूप में पर्याप्त विकल्प हैं। अभिषेक व हेड के साथ मरक्रम व क्लासेन रंग में रहे तो यह चौकड़ी हैदराबाद को अपने बूते बड़े स्कोर तक पहुंचाने के साथ उसके पार पहुंचा जिताने का भी दम रखती है।

मुझे अपने बल्लेबाजों की बल्लेबाजी पर फख्र है : प्रवीण आमरे

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ (66) और ट्रस्टन स्टब्स (अविजित 71) के तूफानी अर्द्धशतकों के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स (8 विकेट पर 205रन) मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मेजबान मुंबई इंडियंस (5 विकेट पर 234) से रविवार को आईपीएल 2024 में अपना पहला मैच 29 रन से हार गई। दिल्ली कैपिटल्स ने मैच हार के बाद आखिर तक लड़ने का जज्बा दिखाते हुए सभी का दिल जरूर जीत लिया। मुंबई की यह चार मैचों में पहली जीत थी जबकि दिल्ली कैपिटल्स की पांच मैचों में यह चौथी हार रही और उसने अब तक एकमात्र जीत अपने दूसरे घरेलू मैदान विशाखापट्टनम में मौजूदा और पांच बार की चैंपियन चेन्नै सुपर किंग्स के खिलाफ हासिल की थी। दिल्ली कैपिटल्स अब शुक्रवार को अपने अगले मैच में लखनउ के इकाना स्टेडियम में मेजबान लखनऊ सुपर जायंटस से भिड़ेगी।

■ अपने तुरुप के खिलाड़ियों की चोटों का खामियाजा भुगतना पड़ा
■ हमें अपनी गेंदबाजी पर मेहनत कर इसे बेहतर करने की जरूरत है

मुंबई इंडियंस के हाथों अपनी दिल्ली कैपिटल्स की हार के बाद उसके सहायक कोच प्रवीण आमरे ने कहा, 'क्रिकेट के सबसे छोटे टी-20 फॉर्मेट में आखिर के पांच ओवर बेहद अहम होते है। हमारी कोशिश मुंबई इंडियंस को 200 रन के भीतर रोकने की थी। बावजूद इसके आपको मुंबई इंडियंस के रोमारियो शेफर्ड की आखिरी ओवर में तूफानी बल्लेबाजी के लिए तारीफ करनी होगी। कुल मिलाकर यह बेहद रोचक मैच रहा। मुझे अपने बल्लेबाजों की बल्लेबाजी पर फख्र है। हमारा स्कोर 19 ओवर में मुंबई इंडियंस की तरह 201 था। हम अब तक अपने पांच में चार मैच हार चुके हैं। हमें आईपीएल टूर्नामेंट में अच्छे आगाज की जरूरत थी, लेकिन हमारे अपने कई खिलाड़ियों की चोटों का खामियाजा भुगतना पड़ा। पहले मैच इशांत को शुरू में ही चोट के कारण केवल दो ओवर ही फेंक पाए और इसके बाद मुकेश कुमार चोट खा बैठे। बाएं हाथ के तुरुप के लेग स्पिनर कुलदीप यादव भी जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के कारण नहीं खेल। और मार्श भी घायल हैं और हमें अपने इन सभी तुरुप के खिलाड़ियों की चोटों का खामियाजा भुगतना पड़ा। क्रिकेट और आईपीएल की खूबसूरती ही यही है कि इसमें कोई भी किसी भी टीम को हरा सकती है। हमारे लिए सबसे बढ़िया बात यह है कि हम मौजूदा चैंपियन चेन्नै सुपर किंग्स को हरा चुके हैं। यही हमारे लिए बड़ा प्रमाण है। आईपीएल में कामयाबी के लिए आपको खेल के हर विभाग में दमदार प्रदर्शन की जरूरत होती है। हमें अपनी गेंदबाजी पर मेहनत कर इसे बेहतर करने की जरूरत है। हमारे गेंदबाजों को अपना जलवा दिखाना होगा और हम तभी लगातार मैच जीत सकते हैं।

आईओए प्रमुख व कार्यकारी परिषद के सदस्यों में गतिरोध आया सामने

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) अध्यक्ष पीटी उषा ने सोमवार को एसोसिएशन के कार्यकारी परिषद के सदस्यों को पत्र लिख कर रिटायर्ड कैप्टन अजय कुमार नारंग को 'गलत ढंग' से हटाने पर आपत्ति जताई। आईओए के कार्यकारी परिषद के सदस्यों ने रिटायर्ड कैप्टन अजय कुमार नारंग के खिलाफ ईमेल के जरिए दो टर्मिनेशन लेटर लिखे, पहला 4 मार्च और दूसरा 11 अप्रैल को। हालांकि, इस दौरान उन्होंने आईओए प्रमुख पीटी उषा को इसकी जानकारी नहीं दी। आईओए प्रमुख ने लिखा, 'यह देखकर निराशा होती है कि हम अभी भी एक टीम के रूप में काम नहीं कर पा रहे हैं, और आपकी हर हरकत मुझे दरकिनार करने का प्रयास है। यह आपके ध्यान में लाया जाता है कि कैप्टन अजय कुमार नारंग (सेवानिवृत्त) को मैंने पिछले साल अपने कार्यकारी सहायक के रूप में नियुक्त किया था।' 'अध्यक्ष के कार्यकारी सहायक के रूप में, कैप्टन अजय कुमार नारंग (सेवानिवृत्त) को अकेले मुझे रिपोर्ट करना था और अध्यक्ष, आईओए के सभी पत्राचार/यात्रा/नियुक्तियों/बैठकों आदि में भाग लेना था। इस प्रकार, यह स्वाभाविक रूप से स्पष्ट हो जाता है कि उनका विस्तार और/या समाप्ति मेरी सिफारिश पर आधारित होगी, न कि कार्यकारी परिषद सहित किसी अन्य की, जिन्हें उनके काम के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं है।' आईओए प्रमुख ने आगे लिखा, 'मैंने इस बात पर ध्यान दिया कि आपने टर्मिनेशन लेटर में मेरे द्वारा हस्ताक्षरित उनके नियुक्ति पत्र के क्लॉज 10 का संदर्भ दिया है। कृपया ध्यान दें कि आईओए के अध्यक्ष के रूप में मैं आईओए का एक हिस्सा हूं, जिसके पास अधिकार हैं। इसके अलावा, कैप्टन अजय कुमार नारंग (सेवानिवृत्त) के प्रदर्शन पर मुझसे परामर्श करना और मेरी राय लेना आपका कर्तव्य था।' 'मैं वर्तमान में कैप्टन अजय कुमार नारंग (सेवानिवृत्त) के काम से संतुष्ट हूं और मुझे उनकी सेवाएं समाप्त या टर्मिनेशन लेटर देने का कोई कारण नहीं दिखता।' 'इसके अलावा, मेरे पास आप सभी को यह याद दिलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है कि कर्मचारियों की भर्ती और बर्खास्तगी सहित दिन-प्रतिदिन के प्रशासनिक कार्य कार्यकारी परिषद का काम नहीं है। कार्यकारी परिषद के रूप में, हमें आईओए को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अपनी शक्तियों और अधिकारों का उपयोग करना चाहिए। इसके अलावा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष/उपाध्यक्ष केवल अध्यक्ष की अनुपस्थिति में ही अध्यक्ष के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को संभाल सकते हैं।' 'इस प्रकार, सभी कार्यकारी परिषद के सदस्यों से अनुरोध है कि वे आईओए संविधान द्वारा दी गई शक्तियों और जिम्मेदारियों से अधिक कार्य न करें और इस तरह प्रावधानों का सीधा उल्लंघन न करें।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने रिटायर्ड कैप्टन अजय कुमार नारंग को 'गलत ढंग' से हटाने पर आपत्ति जताई

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने मेंडिस और बाउचर

दुबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। आईसीसी ने मार्च 2024 के लिए श्रीलंका क्रिकेट टीम के कामिंदु मेंडिस को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। महिला वर्ग में इंग्लैंड की मैया बाउचर को ये पुरस्कार मिला है। मेंडिस ने प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार का दावा करने के लिए टेस्ट में दमदार प्रदर्शन किया है।

मेंडिस ने बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में 102 रन और दूसरी पारी में 164 रन बनाए थे। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के मैट हेनरी और आयरलैंड क्रिकेट टीम के मार्क अडायर को इस दौर में पीछे छोड़ते हुए ये सम्मान हासिल किया। मार्च के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ, कामिंदु मेंडिस ने कहा, 'मैं आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर बेहद खुश हूं, जिसे मैं अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए प्रेरणा मानता हूं। इस तरह की मान्यता हमें एक खिलाड़ी के रूप में टीम, देश और प्रशंसकों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अधिक से अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है।' बाउचर ने न्यूजीलैंड में शानदार श्रृंखला की बदौलत मार्च 2024 के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता। बीते महीने बाउचर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में 223 रन बनाए थे। उन्होंने मार्च में 4-1 टी20 श्रृंखला जीत हासिल करने में अहम भूमिका निभाई थी। बाउचर ने ऑस्ट्रेलिया की एश्ले ले गार्डनर और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर को पीछे छोड़ते हुए ये पुरस्कार जीता।

मार्च के लिए आईसीसी महिला खिलाड़ी ऑफ द मंथ, बाउचर ने कहा, 'सबसे पहले उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने मुझे वोट दिया। मैं बहुत खुश हूं। मैं उन सब की आभारी हूं, जिन्होंने मेरा समर्थन किया है।'

सार संक्षेप

हैरी ब्रूक की जगह दिल्ली कैपिटल्स में आए लिजाद विलियम्स

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लिजाद विलियम्स को दिल्ली कैपिटल्स ने अपने साथ शामिल किया है। वे हैरी ब्रूक के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल हुए हैं। आईपीएल ने सोमवार को एक बयान में कहा, 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से विलियम्स ने दो टेस्ट, चार वनडे और 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया है। लिजाद विलियम्स को दिल्ली कैपिटल्स ने बेस प्राइस 50 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड की टीम के स्टार खिलाड़ी हैरी ब्रूक निजी कारणों का हवाला देकर आईपीएल 2024 शुरु होने के पहले ही टूर्नामेंट से हट चुके थे। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछली नीलामी में 4 करोड़ रुपए में हैरी ब्रूक को खरीदा था।

लिवरपूल ने शीर्ष पर लौटने का मौका गंवाया

लंदन। ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में रविवार को मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलने के बाद लिवरपूल ने प्रीमियर लीग के शीर्ष पर लौटने का मौका गंवा दिया। न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ये मैच ड्रॉ होने के कारण लिवरपूल अंकों के मामले में आर्सेनल की बराबरी पर है, लेकिन टॉप पर अब भी आर्सेनल है। आर्सेनल, जिसने शनिवार को ब्राइटन पर 3-0 से जीत दर्ज की थी, वो गोल अंतर के मामले में लिवरपूल से आगे है। मैनचेस्टर यूनाइटेड और लिवरपूल के बीच खेले गए मुकाबले की बात करें तो ब्रूनो फर्नांडीस ने 50वें मिनट और कोबी मैनू ने 67वें मिनट में मैनचेस्ट के लिए गोल दागा। जबकि, लिवरपूल के लिए लुइस डियाज़ ने 23वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा था। 2-1 से आगे चल रही मैनचेस्टर के खिलाफ मोहम्मद सलाह ने 63वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और स्कोर 2-2 किया। अंतिम मिनटों में दोनों पक्षों के पास मौके थे, लेकिन वो इन मौकों को गोल में तब्दील नहीं कर पाए।

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कोच और टॉटनहम खिलाड़ी जो किन्नेयर का निधन

लंदन। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कोच एवं इंग्लैंड के टॉटनहम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब के खिलाड़ी जो किन्नेयर का निधन हो गया है। आयरलैंड के किन्नेयर भारत, नेपाल, विंबलडन और न्यूकैसल यूनाइटेड जैसी टीमों के कोच रहे थे। किन्नेयर के परिजनों ने रविवार को उनके निधन की जानकारी दी। परिजनों की ओर से जारी किये गये एक बयान में कहा गया, 'हमें यह बताते हुए बेहद दुख हो रहा है कि किन्नेयर का आज दोपहर परिवार के बीच निधन हो गया।' वह डिमेंशिया बीमारी से पीड़ित थे।

यश ठाकुर ने कहा, मेरे अच्छे प्रदर्शन के पीछे कप्तान केएल राहुल का हाथ

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस ने बिना विकेट गंवाए 54 रन बना लिए थे और टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी, लेकिन जब पारी के छठे ओवर में यश ठाकुर गेंदबाजी करने आए तो कहानी बदल गई। पिछले मैच में नाबाद 89 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाले गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने चौके के साथ यश ठाकुर का स्वागत किया, हालांकि ओवर खत्म होते-होते गिल पवेलियन में थे। वह ठाकुर के एक ज़बरदस्त यॉर्कर का शिकार हुए। यह तो बस शुरुआत थी। इसके बाद ठाकुर ने पुरानी गेंद संभालते हुए अपनी हार्ड और बैक ऑफ़ लेंथ गेंदों से गुजरात के निचले मध्य क्रम के बल्लेबाज़ों को परेशान किया और आईपीएल 2024 में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए। यह लखनऊ सुपर जायंट्स के किसी भी भारतीय गेंदबाज़ का पहला पंजा और ओवरऑल मार्क वुड के बाद सिर्फ दूसरा 5-विकेट हॉल था। यह लखनऊ की गुजरात टाइटंस के खिलाफ पांच मुकाबलों में पहली जीत थी और उन्होंने कुल 163 रनों के स्कोर का बचाव किया। मैच के बाद ठाकुर ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैं आईपीएल में अपना पहला 5-विकेट हॉल ले पाया। मैं इसके लिए गेंदबाज़ी कोच मोर्ने मॉर्केल, कोच जस्टिन लैंगर और कप्तान केएल राहुल को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताए रखा। पूरे मैच के दौरान वे मुझे बैक करते रहे।' यश ठाकुर रणजी ट्रॉफी 2023-24 सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद एलएसजी टीम में शामिल हुए। विदर्भ के गेंदबाज ने सात मैचों में 27 विकेट लिए, जिसमें मध्य प्रदेश और मुंबई के खिलाफ प्री-क्वार्टर और क्वार्टर में दो छह विकेट भी शामिल हैं।

29,032 फुट ऊंचे माउंट एवरेस्ट को फतह करेंगी रमा ठाकुर

मनाली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल में पिछले 17 सालों से पर्वतारोहण के क्षेत्र में कई सफलताएं हासिल कर चुकी मनाली की रमा ठाकुर अब इसी कड़ी में माउंट एवरेस्ट को फतह कर महिला सशक्तिकरण का संदेश देने जा रही है। रमा ठाकुर अगले माह से माउंट एवरेस्ट को फतह करने के लिए मनाली से रवाना होंगी। रमा ठाकुर की इस सोच के आड़े धन की कमी आ रही है। रमा अपने सभी प्रयासों के बाबजूद अभी तक माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए नेपाल सरकार को रॉयल्टी के रूप में दी जाने वाली 23 लाख की रकम नहीं जुटा पाई हैं। मनाली में पत्रकारों को संबोधित करते हुए रमा ने कहा कि उन्होंने सभी संस्थाओं के अनुरोध किया है कि इस क्षेत्र में महिलाओं को आगे लाने का जो बीड़ा उन्होंने उठाया है उसमें उनका सहयोग करें। ताकि वह अपने इस उद्देश्य में सफल हो सकें। उन्होंने कहा कि माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना चाहती हैं ताकि समाज और दुनिया को यह प्रमाणित कर सकें कि किसी भी उम्र की महिलाएं अगर ठान लें तो कुछ भी कर सकती हैं। रमा ठाकुर 2007 में 17353 फुट ऊंची फ्रेंडशिप पीक, 2011 में 22280 फुट ऊंची लियो पुर्ज्गाल को चढ़ते हुए 19400 फुट की ऊंचाई तक पहुंची थी जबकि एक टीम लीडर के तौर पर 2019 में 20050 फुट ऊंची युनाम पीक 2021 में 13780 फुट ऊंची चोटी खानपरी टिब्बा, 2022 में 19688 फुट ऊंची चोटी देऊ टिब्बा, और 2023 में 19341 फुट ऊंची किलिमंजारो पर फतह हासिल की है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल हुईं सोफी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। क्रिकेट के सभी प्रारुपों में शानदार कमबैक के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में सोफी मोलिनक्स को शामिल किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, मोलिनक्स ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के बांग्लादेश दौरे के दौरान 2023-24 सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में अपग्रेड हासिल किया था और उस श्रृंखला में पांच मैचों में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। नवंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग पिछले सीज़न की सूची से बाहर होने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलिया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट 2024-25:

डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, ग्रेस हैरिस, एलिसा हीली, जेस जोनासेन, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, तायला व्लामिनक, जॉर्जिया वेयरहैम।

महिला हॉकी : राष्ट्रीय शिविर के लिए 33 खिलाड़ियों का चयन

बेंगलुरु, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने सोमवार को राष्ट्रीय शिविर के लिए 33 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। यह टीम अब बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में 16 मई तक प्रशिक्षण जारी रखेगी। ये 33 सदस्यीय महिला हॉकी दल उस टीम के गठन की दौड़ में होगी जो भविष्य के कोचिंग शिविरों और अंतरराष्ट्रीय दौरों में भाग लेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम इस साल के अंत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन का सामना करने के लिए एंटवर्प और लंदन की यात्रा करने के लिए भी तैयार है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में 16 मई तक प्रशिक्षण जारी रखेगी

हॉकी इंडिया के हाई परफॉर्मेंस निदेशक हरमन क्रूज़ ने नए कोर ग्रुप से अपनी उम्मीदें व्यक्त करते हुए कहा, '14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप का उपयोग देश भर से सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ियों को चुनने के लिए किया गया था।

पिछले सप्ताह कोच और चयनकर्ताओं ने उन 33 खिलाड़ियों को चुना जिनके बारे में उनका मानना है कि उनमें भारतीय महिला हॉकी टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता है। अब हमारे पास एक मजबूत टीम है जो आगामी अंतरराष्ट्रीय दौरों और एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में भाग लेगी।

टीम:-

गोलकीपर: सविता, बिचू देवी खारिबाम, बंसारी सोलंकी, माधुरी किंडो

डिफेंडर: निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, रोपनी कुमारी, महिमा चौधरी, ज्योति छत्री, प्रीति

मिडफील्डर: सलीमा टेटे, मरीना लालरामनघाकी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, ज्योति, एडुला ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, अजमीना कुजूर, निशा

फॉरवर्ड: मुमताज खान, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, दीपिका सोरेंग, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया, रुतुजा दादासो पिसल